RNI : JHAHIN/2014/54374

हिन्दी दैनिक

Rashtria Mukhyadhara

राष्ट्रीय मुख्यधारा

राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक

बोकारो, मंगलवार

10.3.2026

पृष्ठ : 12, मूल्य : 2/

वर्ष : 12, अंक : 138

https://rashtriyamukhyadhara.com/

mukhyadhara.daily@gmail.com

+91 8873 319 159

राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित: देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !

मिडिल ईस्ट संकट पर राज्यसभा में बोले जयशंकर, सरकार हालात पर रख रही नजर और अर्मेनिया के रास्ते भारतीयों की वापसी

ऊर्जा सुरक्षा और सप्लाई चेन पर असर की आशंका

विपक्ष का जोरदार हंगामा और नारेबाजी के साथ सदन से किया वाकआउट

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष और ईरान पर इजरायल तथा अमेरिका के हमलों के बाद उत्पन्न गंभीर हालात को लेकर सोमवार को संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण के पहले दिन राज्यसभा में हंगामें के बीच विदेश मंत्री जयशंकर ने अपनी बात रखी। इससे पहले कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने नियम 176 के तहत इस मुद्दे पर चर्चा की मांग उठाई और भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर इसके संभावित प्रभावों को लेकर चिंता जताई।

विपक्ष ने उच्च सदन में मांग ठुकराए जाने को लेकर जोरदार हंगामा किया और विदेश मंत्री के बयान के बीच सदन से वाकआउट किया। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष और वर्तमान स्थिति पर स्वतः संज्ञान लेते हुए विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सदन में कहा कि मिडिल ईस्ट में हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं, लेकिन भारत सरकार वहां मौजूद भारतीय नागरिकों की सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों से भारतीयों को सुरक्षित निकालने के लिए अर्मेनिया के रास्ते निकासी की व्यवस्था की जा रही है। क्षेत्र में स्थित भारतीय दूतावास लगातार लोगों को आवश्यक सहायता उपलब्ध करा रहे हैं।

राज्यसभा में विपक्षी सदस्यों के हंगामे और नारेबाजी के बीच भी विदेश मंत्री जयशंकर ने अपना बयान जारी रखा। उन्होंने सदन को बताया, कि भारत सरकार ने एक आधिकारिक बयान जारी कर रखा है मौजूदा स्थिति पर गहरी चिंता भी व्यक्त की थी। उन्होंने सभी पक्षों से संयम बरतने तथा तनाव कम करने के लिए संवाद और कूटनीति का रास्ता अपनाने की अपील की थी। जयशंकर ने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में ईरान के शीर्ष नेतृत्व से संपर्क करना कठिन है, हालांकि उन्होंने ईरान के विदेश मंत्री से बातचीत कर स्थिति पर चर्चा की है।

विदेश मंत्री जयशंकर ने यह भी कहा, कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पश्चिम एशिया की स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं और संबंधित मंत्रालय प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए आपसी समन्वय कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया भारत का पड़ोसी क्षेत्र है और वहां की स्थिरता भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

जयशंकर ने सदन को जानकारी दी कि खाड़ी देशों में लगभग एक करोड़ भारतीय रहते और काम करते हैं, जबकि ईरान में भी पढ़ाई या रोजगार के लिए कुछ हजार भारतीय मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए बेहद अहम है, क्योंकि यहां से तेल और गैस की बड़ी आपूर्ति होती है। मौजूदा संघर्ष के कारण सप्लाई चेन में व्यवधान और अस्थिरता जैसी चुनौतियां सामने आ सकती हैं, हालांकि सरकार स्थिति पर लगातार नजर रख रही है।

उन्होंने बताया कि संघर्ष के चलते क्षेत्र की सुरक्षा स्थिति में गिरावट आई है और सामान्य जीवन प्रभावित हुआ है। इस दौरान भारत के दो व्यापारिक जहाजों के नाविकों की मौत हो चुकी है, जबकि एक अभी भी लापता है। विदेश मंत्री के अनुसार अब तक करीब 67 हजार भारतीय अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंच चुके हैं और सरकार बाकी नागरिकों की सुरक्षित वापसी के लिए हर संभव प्रयास कर रही है।

जन आकांक्षाओं की पूर्ति सरकार का संकल्प, शिक्षा-स्वास्थ्य-खेल प्रमुख क्षेत्र : पीएम मोदी

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि देश की जनता की आकांक्षाओं को पूरा करना उनकी सरकार का मूल संकल्प है और शिक्षा, कौशल विकास, स्वास्थ्य, पर्यटन, खेल तथा संस्कृति जैसे क्षेत्र इन आकांक्षाओं को साकार करने के प्रमुख माध्यम हैं। उन्होंने शिक्षा प्रणाली को वास्तविक अर्थव्यवस्था से जोड़ने की प्रक्रिया को तेज करने तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता और ऑटोमेशन जैसे विषयों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पर बल दिया। प्रधानमंत्री मोदी 'सबका साथ, सबका विकास – जन आकांक्षाओं की पूर्ति' विषय पर आयोजित बजट के बाद की वेबिनार श्रृंखला की चौथी कड़ी को संबोधित कर रहे थे। इस वेबिनार में विभिन्न मंत्रालयों, विभागों के अधिकारियों के साथ-साथ निजी क्षेत्र के विशेषज्ञों और नीति निर्माताओं ने भी भाग लिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि जनता की आकांक्षाओं को पूरा करना केवल एक विषय नहीं, बल्कि सरकार के बजट का मूल उद्देश्य और संकल्प है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, कौशल, स्वास्थ्य, पर्यटन, खेल और संस्कृति जैसे क्षेत्रों में किए जा रहे निवेश और सुधार देश के विकास को नई दिशा देने वाले हैं। इन क्षेत्रों के माध्यम से न केवल युवाओं के लिए अवसर बढ़ेंगे बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। स्वास्थ्य क्षेत्र का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य केवल उपचार आधारित व्यवस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि एक व्यापक और निवारक स्वास्थ्य प्रणाली का निर्माण करना है।

पिछले कुछ वर्षों में देश के स्वास्थ्य ढांचे को तेजी से मजबूत किया गया है और योग तथा आयुर्वेद को वैश्विक स्तर पर व्यापक स्वीकार्यता मिली है। उन्होंने बताया कि देश के सैकड़ों जिलों में नए मेडिकल कॉलेज खोले गए हैं तथा आयुष्मान भारत योजना और आरोग्य मंदिरों के माध्यम से आम नागरिकों की स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच का विस्तार किया गया है। प्रधानमंत्री ने 'केयर इकॉनमी' के उभरते महत्व का भी उल्लेख किया और कहा कि दुनिया भर में प्रशिक्षित देखभाल कर्मियों की मांग तेजी से बढ़ रही है। उन्होंने स्वास्थ्य क्षेत्र के विशेषज्ञों से युवाओं को इस क्षेत्र में तैयार करने के लिए नए प्रशिक्षण मॉडल विकसित करने के लिए सुझाव देने का आग्रह किया। डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं पर बात करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि टेली-मेडिसिन ने दूरदराज के क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हालांकि उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि इन सेवाओं को और अधिक सरल बनाने तथा इनके प्रति जन जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है। शिक्षा क्षेत्र पर बोलते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के युवाओं की बदलती सोच और ऊर्जा देश की सबसे बड़ी ताकत है। इसलिए शिक्षा व्यवस्था को भी उसी अनुरूप विकसित करना होगा। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति के माध्यम से शिक्षा को रोजगार और उद्यमिता से जोड़ने के निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

तेल की कीमतों में उछाल से शेयर बाजार में भारी गिरावट

एजेंसी, मुंबई । भारतीय शेयर बाजार में सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को जोरदार गिरावट देखने को मिली। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई, जिसका सीधा असर घरेलू बाजार पर पड़ा। बाजार खुलते ही निवेशकों में सतर्कता का माहौल बन गया और भारी बिकवाली देखने को मिली। कारोबार की शुरुआत में बीएसई सेंसेक्स करीब 2,347 अंकों की गिरावट के साथ लगभग 76,571 के स्तर पर कारोबार करता नजर आया। वहीं निफ्टी 50 भी लगभग 713 अंकों की गिरावट के साथ 23,736 के आसपास ट्रेड करता दिखा। सेंसेक्स के सभी 30 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आए। गिरावट के बीच सबसे ज्यादा नुकसान इंटरग्लोब एविएशन के शेयर में दर्ज किया गया, जिसमें करीब 7.5 प्रतिशत तक की गिरावट देखी गई। इसके अलावा टाटा स्टील, लार्सन एंड टर्बो, स्टेट बैंक आफ इंडिया और मारुति सुजुकी के शेयरों में भी तेज गिरावट रही। वहीं एशियन पेंट, अडाणी पोर्ट एंड स्पेशल इकानामी जोन, आईसीआईसीआई बैंक, ट्रेंड लिमिटेड और बजाज फाइनेंस भी नुकसान में कारोबार करते दिखे। सेक्टोरल इंडेक्स की बात करें तो लगभग सभी सेक्टर दबाव में रहे। सबसे ज्यादा गिरावट निफ्टी पीएसयू बैंक इंडेक्स में देखने को मिली, जो करीब 5.5 प्रतिशत तक फिसल गया। इसके बाद निफ्टी आटो इंडेक्स में लगभग 4.14 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। वहीं पिछले शुक्रवार शेयर बाजार में भारी गिरावट दर्ज की गई। बीएसई सेंसेक्स 1,097 अंक गिरकर 78,918 पर और निफ्टी 315 अंक फिसलकर 24,450 पर बंद हुआ।

मैनचेस्टर जा रही इंडिगो की फ्लाइट को इथियोपिया बॉर्डर से वापस दिल्ली लौटना पड़ा

एजेंसी, नई दिल्ली । पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और हवाई क्षेत्र (एयरस्पेस) पर पाबंदियों की वजह से दिल्ली से मैनचेस्टर जा रही इंडिगो की फ्लाइट 6ई033 को बीच रास्ते से वापस दिल्ली लौटना पड़ा। फ्लाइटराडार24 की वेबसाइट के मुताबिक दिल्ली से मैनचेस्टर के लिए सोमवार को सुबह उड़ान भरने वाली इंडिगो की फ्लाइट (संख्या 6ई033) को पश्चिम एशिया एयरस्पेस में पाबंदियों के बीच इथियोपिया सीमा के पास पहुंचकर हवा से ही वापस मुड़ना पड़ा, जिससे यात्रियों में हड़कंप मच गया। हालांकि, विमान में सवार सभी यात्री सुरक्षित हैं। इंडिगो एयरलाइन ने पिछले साल मुंबई और मैनचेस्टर को जोड़ने वाली अपनी पहली लंबी दूरी की उड़ान शुरू की थी। इसके बाद नवंबर में दिल्ली और मैनचेस्टर के बीच सीधी उड़ानें शुरू की गई थीं। यह 26 फरवरी के बाद इंडिगो की पहली दिल्ली से मैनचेस्टर की उड़ान थी। दिल्ली-मैनचेस्टर की ग्रेट सर्कल दूरी 6,829 किमी है और औसत उड़ान समय लगभग 11 घंटे है। इस विमान ने अदन की खाड़ी और अफ्रीका होते हुए एक असामान्य दक्षिणी मार्ग अपनाया था।

ईरान में फंसे जम्मू-कश्मीर के सैकड़ों छात्र, अभिभावकों ने लगाई सरकार से गुहार

एजेंसी, श्रीनगर । ईरान में जारी जंग के बीच वहां कश्मीर के सैकड़ों छात्रों की सुरक्षा को लेकर उनके परिवार चिंतित हैं। हालात बिगड़ने की खबरों के बीच अभिभावकों और फंसे हुए छात्रों ने केंद्र सरकार से उन्हें जल्द वापस लाने की मांग की है। उन्होंने सुझाव दिया है कि छात्रों को आर्मेनिया सीमा के रास्ते सुरक्षित बाहर निकाला जाए। अभिभावकों के प्रतिनिधिमंडल ने कश्मीर के मंडलायुक्त से भी मुलाकात कर ईरान के कई विश्वविद्यालयों में पढ़ रहे अपने बच्चों की सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंताओं से अवगत कराया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अभिभावकों ने प्रशासन से अनुरोध किया कि वह इस मामले को तुरंत विदेश मंत्रालय के सामने उठाएं और छात्रों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करे। मंडलायुक्त ने आश्वासन दिया कि प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है और संबंधित अधिकारियों के संपर्क में है। उन्होंने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों के कारण सुरक्षित वापसी में कुछ समय लग सकता है, लेकिन प्रयास किए जा रहे हैं। एक अभिभावक ने कहा कि ईरान की स्थिति बेहद गंभीर है और यहां परिवारों पर भारी मानसिक दबाव है। छात्रों के माता-पिता न तो ठीक से सो पा रहे हैं और न ही किसी काम पर ध्यान दे पा रहे हैं। हम सरकार से अपील करते हैं कि जल्द से जल्द हमारे बच्चों को वापस लाया जाए।

दिल्ली शराब घोटाला पर ट्रायल कोर्ट के आदेश को सीबीआई ने हाई कोर्ट में दी चुनौती

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पूर्व उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया समेत 23 आरोपितों को बरी करने के ट्रायल कोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए केजरीवाल समेत सभी आरोपितों को नोटिस जारी किया है। मामले की अगली सुनवाई 16 मार्च को होगी। उच्च न्यायालय ने सोमवार को ट्रायल कोर्ट की ओर से केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) पर की गई प्रतिकूल टिप्पणियों पर रोक लगा दी है। उच्च न्यायालय ने ट्रायल कोर्ट को आदेश दिया है कि वो दिल्ली आबकारी घोटाला मामले से जुड़े मनी लांड्रिंग के मामले की आगे सुनवाई नहीं करें। सुनवाई के दौरान सीबीआई की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल (एसजी) तुषार मेहता ने कहा कि ये दिल्ली के इतिहास का सबसे बड़ा घोटाला है। उन्होंने ट्रायल कोर्ट के आदेश को कानूनों के मुताबिक गलत बताते हुए इस पर रोक लगाने की मांग की। राऊज एवेन्यू कोर्ट ने 27 फरवरी को सभी आरोपितों को बरी करने का आदेश दिया था। राऊज एवेन्यू कोर्ट ने कहा था कि चार्जशीट में काफी विरोधाभास हैं। कोर्ट ने कहा कि हजारों पेजों के चार्जशीट में जो तथ्य पेश किए गए हैं, वे गवाहों के बयानों से मेल नहीं खाते। राऊज एवेन्यू कोर्ट ने कहा था कि इस मामले में मनीष सिसोदिया करीब 530 दिन जेल में रहे। अरविंद केजरीवाल दो बार के अंतराल में 156 दिन जेल में रहे। अरविंद केजरीवाल 13 सितंबर, 2024 को तब रिहा हुए जब सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई के मामले में जमानत दी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 21 मार्च, 2024 को अरविंद केजरीवाल को पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया था। 10 मई को उच्चतम न्यायालय ने केजरीवाल को एक जून तक की अंतरिम जमानत दी थी जिसके बाद केजरीवाल ने 2 जून, 2024 को सरेंडर किया था। केजरीवाल को 26 जून, 2024 को सीबीआई ने गिरफ्तार किया था। ईडी ने 10 मई, 2024 को छठी पूरक चार्जशीट दाखिल किया था जिसमें बीआरएस नेता के कविता, चनप्रीत सिंह, दामोदर शर्मा, प्रिंस कुमार, अरविंद सिंह को आरोपित बनाया गया है। कोर्ट ने 29 मई को छठे पूरक चार्जशीट पर संज्ञान लिया था। उच्चतम न्यायालय ने 27 अगस्त को के. कविता को सीबीआई और ईडी के मामले में जमानत दी थी।

टी 20 विश्वकप जीतने पर राज्यसभा में भारतीय टीम को दी गई बधाई

एजेंसी, नई दिल्ली । टी20 विश्व कप में मिली खिताबी जीत पर सोमवार को राज्यसभा में भारतीय टीम को बधाई दी गयी। सभापति सीपी राधाकृष्णन ने राज्यसभा सदस्यों की तरफ से विजेता भारतीय टीम को बधाई देते हुए जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि यह देश के लिए गर्व की बात है कि भारतीय टीम ने आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप का खिताब जीत लिया है। टीम ने अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल में शानदार प्रदर्शन किया। यह तीसरी बार है जब भारत ने टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया है। दिलचस्प बात है कि लगातार दूसरी बार टीम ने ऐसा किया है क्योंकि भारत ने इससे पहले संस्करण में भी ट्रॉफी अपने नाम की थी। राधाकृष्णन ने कहा कि यह जीत इसलिए भी विशेष है क्योंकि भारत पहला देश है जो अपनी मेजबानी में टी20 विश्व कप का विजेता बना है। पूरे टूर्नामेंट के दौरान टीम के शानदार प्रदर्शन ने देशभर के करोड़ों क्रिकेट प्रेमियों को अपार खुशी और गर्व का अनुभव कराया है। सदन की ओर से भारतीय टीम के खिलाड़ियों, सहयोगी स्टाफ और भारतीय क्रिकेट से जुड़े सभी लोगों को इस शानदार उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई।यह सदन उनकी आने वाले वर्षों में निरंतर सफलता की कामना करता है।

जंग में ना तो अमेरिका-इजराइल और ना ही ईरान पीछे हटने को तैयार, अब तक 1700 की मौत

एजेंसी, तेहरान

अमेरिका और इजराइल ने तेहरान में भीषण हमले किए। इस हमले में सुप्रीम लीडर खामनेई की मौत हो गई। मिडिल ईस्ट में जारी जंग के बीच अब तक 1700 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं, जबकि हजारों घायल हैं। ईरान और इजराइल लगातार एक दूसरे के सैन्य ठिकानों के साथ नागरिकों की आबादी वाले इलाकों को भी निशाना बना रहे हैं। बता दें 28 फरवरी 2026 को अमेरिका और इजराइल ने तेहरान में हमला किया था। हमले का मुख्य उद्देश्य ईरानी सरकार को सत्ता से उखाड़ फेंकना बताया। ताजा रिपोर्ट के मुताबिक ईरान ने सोमवार को कतर की राजधानी दोहा और इजराइल की ओर मिसाइलें दागी हैं। नुकसान की जानकारी नहीं लगी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरा पर किए हमले के पहले दिन ही ईरान के सुप्रीम लीडर खामनेई उनके परिवार के सदस्य और कई शीर्ष अधिकारी की मौत हो गई थी। वहीं, अब मोजतबा खामेनेई को ईरान का नया सुप्रीम लीडर बनाया गया है। मिडिल ईस्ट में पिछले 10 दिनों से जारी जंग के बीच के सदस्य और कई शीर्ष अधिकारी भी मारे गए हैं। अकेले ईरान में मरने वालों का आंकड़ा 1,230 के पार कर चुका है।

कोलकाता पहुंचे मुख्य चुनाव आयुक्त को दिखाए गए काले झंडे, मतदाता सूची में गड़बड़ी का आरोप

एजेंसी, कोलकाता

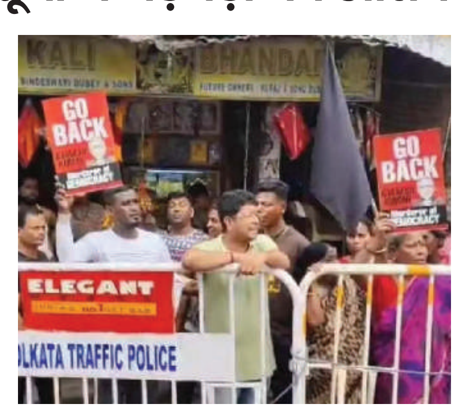

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों की तैयारियों की समीक्षा करने पहुंची निर्वाचन आयोग की फुल बेंच को सोमवार सुबह भारी विरोध का सामना करना पड़ा। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार, राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल के साथ मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के गृह क्षेत्र कालीघाट स्थित प्रसिद्ध मंदिर में पूजा-अर्चना करने पहुंचे थे। उनके मंदिर पहुंचने से पहले ही वहां प्रदर्शनकारियों का एक बड़ा समूह एकत्र हो गया था। जैसे ही मुख्य चुनाव आयुक्त दर्शन करके मंदिर से बाहर निकले, प्रदर्शनकारियों ने उन्हें काले झंडे दिखाए और गो बैक (वापस जाओ) के नारे लगाने शुरू कर दिए।

प्रदर्शन कर रहे लोगों का मुख्य आक्रोश मतदाता सूची में कथित धांधली को लेकर था। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि एसआईआर प्रक्रिया की आड़ में मतदाता सूची से जानबूझकर कई वैध मतदाताओं के नाम काट दिए गए हैं। उन्होंने आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए जमकर नारेबाजी की। इस अचानक हुए विरोध प्रदर्शन और हंगामे के कारण मौके पर काफी तनावपूर्ण स्थिति पैदा हो गई। हालांकि, इस पूरी असहज स्थिति के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त ने संयम बनाए रखा। उन्होंने प्रदर्शन को लेकर किसी भी प्रकार की टिप्पणी करने से इनकार कर दिया और शांतिपूर्वक वहां से रवाना हो गए। राज्य में चुनाव आयोग की टीम आज से ही प्रशासन और विभिन्न राजनीतिक दलों के साथ महत्वपूर्ण बैठकें शुरू करने वाली है। बैठकों के दौर से ठीक पहले कालीघाट जैसे संवेदनशील इलाके में हुए इस विरोध प्रदर्शन ने राज्य के सियासी पारे को और बढ़ा दिया है। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि आयोग मतदाता सूची को लेकर उठ रहे इन सवालों का समाधान किस प्रकार करता है।

तनाव के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरे भारत के 'पुष्पक' और 'परिमल' जहाज

- **ईरानी उप विदेश मंत्री सईद खातिबजादेह और जयशंकर की मुलाकात का असर**

एजेंसी, नई दिल्ली

अमेरिका-इजराइल के खिलाफ ईरान की जंग लगातार जारी है। वह भी पूरी तरह से हमले कर रहा है। इस युद्ध के चलते खाड़ी में इस बढ़ते तनाव के बीच भारत के दो मालवाहक जहाज़ होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरते देखे गए। समुद्री ट्रैकिंग डेटा के मुताबिक 'पुष्पक' और 'परिमल' नाम के ये दोनों जहाज़ हाल ही में समुद्री मार्ग से होकर गुजरे। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आई है जब क्षेत्र में सुरक्षा जोखिम बढ़ने के कारण कई वैश्विक शिपिंग कंपनियां इस मार्ग का इस्तेमाल करने को लेकर सतर्क रुख अपना रही हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक होर्मुज जलडमरू मध्य दुनिया के सबसे अहम समुद्री मार्गों में से एक है। यह जलडमरूमध्य फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ता है और ग्लोबल ऑयल सप्लाई का बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से गुजरता है। समुद्री ट्रैकिंग डेटा के मुताबिक भारतीय जहाज पुष्पक और परिमल इस जलडमरूमध्य से तेज़ी से गुजरते हुए देखे गए। क्षेत्र में बढ़े सुरक्षा जोखिमों के कारण इन जहाजों की आवाजाही पर खास ध्यान दिया जा रहा है। कई रिपोर्टों में विशेषज्ञों के हवाले से कहा गया है कि ईरान की ओर से संकेत मिले हैं कि मौजूदा तनाव में भारतीय ध्वज वाले जहाजों को निशाना नहीं बनाया जाएगा। माना जा रहा है कि यह भारत और ईरान के बीच जारी कूटनीतिक संपर्कों का परिणाम है। इन घटनाक्रमों के बीच भारत और ईरान के बीच हाल ही में उच्च स्तर पर बातचीत हुई है। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर से टेलीफोन पर बातचीत की थी।

तकनीकी खराबी के कारण एक घंटे विमान में फंसे रहे यूपी के दोनों उपमुख्यमंत्री

एजेंसी, लखनऊ । लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर इंडिगो फ्लाइड में तकनीकी खराबी आ गई। इस कारण उत्तर प्रदेश के सरकार के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक समेत सभी पैसेंजर एक घंटे तक विमान में फंसे रहे। एयरपोर्ट के प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार अमौसी एयरपोर्ट पर इंडिगो की फ्लाइट संख्या 6ई505 को आज सुबह कोलकाता जाना था, लेकिन तकनीकी खराबी आने की वजह से करीब एक घंटे फ्लाइट लेट हो गई। इस फ्लाइट राज्य सरकार के दोनों उपमुख्यमंत्री समेत सभी पैसेंजर फंसे रहे।

we will make your Epaper & MAXIMUM PERFORMANCE NEWS PORTAL

आपकी डिजिटल और प्रिंट पहचान एक ही प्लेटफ़ॉर्म पर

हम तैयार करते हैं:
- ✔ प्रिंट-रेडी ई-पेपर व न्यूज़लेटर (PDF अख़बार)
- ✔ साप्ताहिक, पाक्षिक, मासिक व त्रैमासिक पत्र/पत्रिका
- ✔ किताबों व रिपोर्ट की PDF
- ✔ ब्रोशर, फ्लायर, कैटलॉग व ई-सोवीनियर
- ✔ रिसर्च जर्नल व डॉक्यूमेंट सेटअप
- ✔ News Portal (Making to News Uploading)

किसके लिए:
- मीडिया हाउस
- संस्थान व स्कूल
- लेखक व कवि
- कार्यक्रम आयोजक
- शोधकर्ता
- Web Journalists/Publishers

PDF PRESS SERVICES

✔✔ क्यों चुनें ?
- प्रोफेशनल लेआउट • आकर्षक डिज़ाइन
- समय पर डिलीवरी • बजट फ्रेंडली पैकेज
- आपकी जरूरत के मुताबिक कस्टम काम

संपर्क करें आज ही

pdfpresssolutions@gmail.com +91 9288319159, 9576159316

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
https://rashtriyamukhyadhara.com/
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

झारखंड विधानसभा में अवैध अफीम खेती का मुद्दा गरमाया, विधायक प्रदीप यादव ने भी राष्ट्रीय मुद्दे उठाए

राष्ट्रीय मुख्यधारा

झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के नौवें दिन सोमवार को होली के लंबे अवकाश के बाद सदन की कार्यवाही शुरू हुई। कार्यवाही के दौरान कई महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए गए, जिनमें राज्य में बढ़ती अवैध अफीम की खेती का मामला प्रमुख रहा। लिट्टिपाड़ा से विधायक हेमलाल मुर्मू ने सदन में राज्य में बढ़ रही अवैध अफीम की खेती को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि झारखंड में बड़े पैमाने पर अफीम की अवैध खेती हो रही है, जो कानून व्यवस्था और समाज के लिए गंभीर खतरा बनती जा रही है। उन्होंने सदन को बताया कि पिछले कुछ वर्षों में अफीम की खेती के आंकड़ों में लगातार वृद्धि हुई है। उनके अनुसार, वर्ष 2020-21 में 2871 एकड़, वर्ष 2022-23 में 5494 एकड़ और वर्ष 2023-24 में 4853 एकड़ जमीन पर अफीम की खेती पाई गई थी। जबकि वर्ष 2024-25 में यह आंकड़ा अचानक बढ़कर 27,215 एकड़ तक पहुंच गया है। हेमलाल मुर्मू ने राज्य सरकार से सवाल करते हुए पूछा कि इतनी बड़ी मात्रा में अवैध खेती आखिर किसके सहयोग से हो रही है। उन्होंने पिछले चार वर्षों में दर्ज मामलों, लंबित जांच और दोषियों के खिलाफ की गई कार्रवाई का ब्योरा भी मांगा। उन्होंने कहा कि इस गंभीर समस्या पर सख्त कार्रवाई की जरूरत है। विधायक के सवालों का जवाब देते हुए विभागीय मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने बताया कि वर्ष 2024-25 में विभिन्न जिलों में 27,215 एकड़ जमीन पर अफीम की अवैध खेती का मामला सामने आया था। सरकार ने विशेष अभियान चलाकर इस अवैध फसल को नष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा कि मादक पदार्थों की तस्करी और अवैध खेती पर रोक लगाने के लिए राज्य सरकार लगातार कार्रवाई कर रही है। यदि इस मामले में किसी अधिकारी या व्यक्ति की संलिप्तता पाई जाती है, तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। हालांकि, अभी तक पुलिस विभाग के किसी अधिकारी की संलिप्तता सामने नहीं आई है। प्रदीप यादव ने खिलाड़ियों और यूपीएससी के सफल युवाओं को दी बधाई पोड़ैयाहाट से विधायक प्रदीप यादव ने सदन में टी-20 वर्ल्ड कप में भारतीय टीम की शानदार जीत पर खिलाड़ियों को बधाई दी। साथ ही उन्होंने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) परीक्षा में सफल हुए झारखंड के युवाओं की उपलब्धियों की सराहना की। विधायक ने रांची के मोहम्मद इश्तियाक रहमान, धनबाद के शुभम कुमार महतो और दुमका की सुदीपा दत्ता सहित कई सफल उम्मीदवारों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन युवाओं की सफलता पूरे राज्य के लिए प्रेरणा है। उन्होंने सरकार से इन प्रतिभाशाली युवाओं को सम्मानित करने की मांग की। प्रदीप यादव ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की स्थिति और राष्ट्रीय संप्रभुता के मुद्दे को भी सदन में उठाया। उन्होंने कहा कि यह चिंताजनक है कि तेल खरीद जैसे मामलों में भी भारत को अमेरिका की अनुमति लेने की बात सामने आती है। प्रदीप यादव ने कहा कि भारत एक स्वतंत्र देश है और उसे अपने राष्ट्रीय हितों के अनुसार फैसले लेने का पूरा अधिकार है। उन्होंने प्रधानमंत्री से इस दिशा में सख्त कदम उठाने की अपील करते हुए कहा कि बदलती वैश्विक परिस्थितियों में देश के आत्मसम्मान और स्वतंत्र निर्णय क्षमता को बनाए रखना बेहद जरूरी है।

झारखंड में 11 मार्च तक बारिश और वज्रपात की संभावना, मौसम विभाग ने जारी किया येलो अलर्ट

राष्ट्रीय मुख्यधारा

झारखंड की राजधानी रांची समेत राज्य के कई जिलों में 11 मार्च तक बारिश और वज्रपात की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के अनुसार, 12 मार्च से मौसम साफ होने की उम्मीद है। सोमवार को रांची सहित कई जिलों में सुबह से ही बादल छाए रहे, जिससे धूप की तपिश कम महसूस की गई। मौसम विभाग ने 9, 10 और 11 मार्च को राज्य के उत्तर-पूर्वी और इससे सटे मध्यवर्ती जिलों में गर्जन के साथ बारिश की संभावना व्यक्त की है। इसे लेकर विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार, सोमवार को जिन जिलों में गर्जन के साथ बारिश की संभावना है, उनमें हजारीबाग, कोडरमा, गिरिडीह, धनबाद, बोकारो, देवघर, जामताड़ा, दुमका, पाकुड़, गोड्डा और साहिबगंज शामिल हैं। 10 मार्च को बोकारो, धनबाद, गिरिडीह, देवघर, जामताड़ा, दुमका, पाकुड़, गोड्डा और साहिबगंज में भी आंधी-तूफान आने की संभावना है। मौसम विभाग की ओर से बताया गया कि पिछले 24 घंटे में राज्य में सबसे अधिक तापमान सरायकेला में 35.5 डिग्री सेल्सियस और सबसे कम तापमान गमला में 16.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राज्य के कई जिलों में तापमान 35 डिग्री के पार पहुंच गया है। जिन स्थानों पर तापमान में तेजी से वृद्धि दर्ज की गई है, उनमें डाल्टनगंज, सरायकेला और जमशेदपुर शामिल हैं। सोमवार को रांची में अधिकतम तापमान 32.2 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 19.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसी तरह, जमशेदपुर में अधिकतम 33.7 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 23.6 डिग्री सेल्सियस, डाल्टनगंज में अधिकतम 35.5 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 20 डिग्री सेल्सियस, बोकारो में अधिकतम 34.1 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 22.1 डिग्री सेल्सियस, चाईबासा में अधिकतम 35.4 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 23 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

संक्षिप्त समाचार

रांची सदर अस्पताल में 300 टीबी मरीजों को पोषण किट वितरित

रांची। रांची जिले में चल रहे टीबी (ट्यूबरकुलोसिस) उन्मूलन कार्यक्रम के तहत सोमवार को रांची सदर अस्पताल में 300 टीबी मरीजों को पोषण किट वितरित किया गया। यह किट स्वयंसेवी संस्था आरके एचआईवी की ओर से सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार और जिला टीबी (यक्ष्मा) पदाधिकारी डॉ. सिद्धेश्वर बास्की के हाथों मरीजों को प्रदान किया गया। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने बताया कि टीबी मरीजों के उपचार के साथ-साथ उन्हें पौष्टिक आहार उपलब्ध कराना भी बेहद जरूरी है। इसी उद्देश्य से मरीजों को पोषण किट उपलब्ध कराए जा रहे हैं, ताकि उनका स्वास्थ्य तेजी से बेहतर हो सके। इस अवसर पर संस्था के प्रबंधक, जिला कार्यक्रम प्रबंधक (एनएचएम), जिला कार्यक्रम समन्वयक राकेश कुमार राय, पीपीएम फजले, डीपीएस, एसटीएस सहित अन्य टीबी कार्यक्रम से जुड़े कर्मी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि स्वयंसेवी संस्था आरके एचआईवी की ओर से जिले के विभिन्न प्रखंडों में भी टीबी मरीजों को नियमित रूप से पोषण किट उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे मरीजों को उपचार के दौरान आवश्यक पोषण मिल सके।

खूंटी की जर्जर सड़कों का मुद्दा विधायक रामसूर्या मुंडा ने विधानसभा में उठाया

खूंटी। झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के दौरान सोमवार को खूंटी विधानसभा क्षेत्र की खराब सड़कों का मुद्दा जोर-शोर से उठा। खूंटी के विधायक रामसूर्या मुंडा ने क्षेत्र की जर्जर सड़कों की स्थिति पर चिंता जताते हुए सरकार से जल्द मरम्मत कराने की मांग की। विधायक ने सदन में बताया कि नेशनल हाईवे-75 ई रांची–चाईबासा मुख्य मार्ग पर स्थित खूंटी विधानसभा क्षेत्र के मुरहू प्रखंड अंतर्गत साड़ीगांव नाला से जीवनटोली तक लगभग एक किलोमीटर लंबी सड़क बेहद जर्जर हो चुकी है। उन्होंने कहा कि यह मार्ग राष्ट्रीय राजमार्ग का हिस्सा होने के बावजूद मरम्मत कार्य के दौरान अक्सर इस हिस्से को नजरअंदाज कर दिया जाता है। रामसूर्या मुंडा ने कहा कि सड़क की खराब स्थिति के कारण यहां कई बार सड़क दुर्घटनाएं हो चुकी हैं, जिनमें जानमाल का नुकसान भी हुआ है। जर्जर सड़क की वजह से इस मार्ग से गुजरने वाले स्थानीय लोगों और राहगीरों को रोजाना भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि इस सड़क की जल्द मरम्मत कराई जाए, ताकि लोगों को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके। विधायक ने इसके अलावा खूंटी प्रखंड में नदी ढीपा से पतरा टोली तक करीब सात किलोमीटर लंबी जर्जर सड़क का मामला भी सदन में उठाया। उन्होंने कहा कि इस मार्ग की हालत भी काफी खराब है, जिसके कारण लोगों को आए दिन परेशानी झेलनी पड़ती है और दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। उन्होंने सरकार से मांग की कि जहां-जहां सड़क निर्माण कार्य अधूरा है, उसे जल्द पूरा कराया जाए और जो सड़कें जर्जर स्थिति में हैं उनकी शीघ्र मरम्मत कराई जाए। विधायक ने कहा कि बेहतर सड़क सुविधा मिलने से क्षेत्र के लोगों को सुरक्षित आवागमन के साथ-साथ विकास कार्यों में भी गति मिलेगी।

रील शूटिंग के बहाने निकली युवती आठ दिन बाद सकुशल बरामद

पूर्वी सिंहभूम। सोनारी थाना क्षेत्र के आदर्शनगर की रहने वाली 18 वर्षीय युवती तमन्ना सिंह को पुलिस ने आठ दिन बाद सकुशल बरामद कर लिया। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे उसके माता-पिता के सुपुर्द कर दिया गया। जानकारी के अनुसार तमन्ना सिंह 28 फरवरी 2026 को घर से यह कहकर निकली थी कि वह शूटिंग के लिए जा रही है, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटी। परिजनों ने काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका। इसके बाद परिवार की शिकायत पर सोनारी थाना में छह मार्च को सनहा दर्ज किया गया। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस सक्रिय हो गई और तकनीकी सेल की मदद से युवती की लोकेशन ट्रेस करने का प्रयास शुरू किया। मोबाइल लोकेशन के आधार पर पुलिस ने पूर्वी सिंहभूम जिले के मुसाबनी क्षेत्र में छापेमारी कर युवती को सकुशल बरामद कर लिया। इसके बाद उसे थाना लाकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की गई और परिवार के हवाले कर दिया गया। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि तमन्ना सिंह सोशल मीडिया पर रील बनाती है और भोजपुरी गीतों पर डांस शूट करने के साथ विभिन्न कार्यक्रमों में भी हिस्सा लेती है। जांच के दौरान पता चला कि वह अपने डांस और इवेंट पार्टनर विक्की कुमार के साथ अपनी मर्जी से घूमने गई थी। युवती के सुरक्षित मिलने के बाद परिजनों ने राहत की सांस ली।

कोयला घोटाला मामले में धनबाद के कायला कारोबारी एलबी सिंह से ईडी की पूछताछ

राष्ट्रीय मुख्यधारा

धनबाद के प्रसिद्ध कोयला व्यापारी एलबी सिंह से सोमवार को रांची स्थित प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के क्षेत्रीय कार्यालय में पूछताछ की जा रही है। ईडी द्वारा जारी समन के आधार पर वे पूछताछ के लिए कार्यालय पहुंचे, जहां आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद अधिकारियों ने उनसे कोयला घोटाले से जुड़े मामलों और उनकी व्यापारिक गतिविधियों के संबंध में सवाल-जवाब शुरू किया। ईडी ने कोयला घोटाले की जांच के दौरान की गई छापेमारी और अन्य कोयला व्यापारियों से पूछताछ में मिले तथ्यों के आधार पर एलबी सिंह को समन जारी किया था। पहली बार नोटिस मिलने के बाद एलबी सिंह ने अपनी बीमारी का हवाला देते हुए ईडी से पेश होने के लिए अतिरिक्त समय मांगा था। इसके बाद ईडी ने उन्हें आज (9 मार्च) को रांची कार्यालय में उपस्थित होने का निर्देश दिया था। जारी समन के अनुसार, एलबी सिंह रांची स्थित ईडी कार्यालय पहुंचे। वहां उनकी उपस्थिति दर्ज करने और जरूरी कागजी प्रक्रिया पूरी होने के बाद ईडी अधिकारियों ने उनसे कोयला कारोबार और कथित घोटाले से जुड़े पहलुओं पर पूछताछ शुरू कर दी। उल्लेखनीय है कि हाल ही में झारखंड और कोलकाता में ईडी की टीमों ने एक साथ कई स्थानों पर छापेमारी की थी। कोलकाता ईडी ने कथित कोयला सिंडिकेट से जुड़े अनुप माझी उर्फ लाला के सहयोगियों के ठिकानों पर कार्रवाई की थी, जबकि झारखंड में धनबाद के चर्चित कोयला व्यापारी एलबी सिंह सहित कई अन्य कारोबारियों के ठिकानों पर छापे मारे गए थे। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, जांच एजेंसियों को शक है कि झारखंड के कुछ कोयला व्यापारी भी लाला के कोयला सिंडिकेट से जुड़े हो सकते हैं। इसी कड़ी में ईडी अब संबंधित कारोबारियों से पूछताछ कर पूरे नेटवर्क और लेन-देन की जानकारी जुटाने में लगी हुई है।

झारखंड विधानसभा : आईएएस-आईपीएस अधिकारियों की कथित ऑडियो रिकॉर्डिंग पर सरकार ने दिया जांच का आश्वासन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के दौरान सोमवार को दो शीर्ष अधिकारियों (आईएएस और आईपीएस) के बीच कथित ऑडियो रिकॉर्डिंग को लेकर सदन में चर्चा हुई। संसदीय कार्य सह वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि जिस ऑडियो रिकॉर्डिंग का जिक्र किया जा रहा है, वह फिलहाल सरकार के पास उपलब्ध नहीं है। यदि यह रिकॉर्डिंग सरकार को उपलब्ध कराई जाती है तो सरकार इस पर संज्ञान लेते हुए मामले की जांच कराएगी। वित्त मंत्री यह जवाब भाजपा विधायक और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी की ओर से उठाए गए सवाल के दौरान दे रहे थे। बाबूलाल मरांडी ने सदन में कहा कि पिछले दिनों झारखंड के दो वरिष्ठ अधिकारियों के बीच हुई बातचीत की कथित ऑडियो रिकॉर्डिंग राज्यभर में चर्चा का विषय बनी हुई है। उन्होंने कहा कि यह रिकॉर्डिंग पूरे राज्य में घूम रही है, लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि अभी तक सरकार के पास नहीं पहुंची है। मरांडी ने कहा कि यदि सरकार के पास यह रिकॉर्डिंग उपलब्ध नहीं है, तो वह अगले दिन सदन में इसे उपलब्ध करा देंगे। उन्होंने इस मामले को गंभीर बताते हुए कहा कि यदि राज्य के वरिष्ठ आईएएस और आईपीएस अधिकारियों की बातचीत की रिकॉर्डिंग सार्वजनिक हो सकती है, तो भविष्य में विधानसभा अध्यक्ष और विधायकों की बातचीत भी सामने आ सकती है। ऐसे में इस मामले की गंभीर जांच आवश्यक है। उन्होंने राज्य सरकार से पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की। इस दौरान विधायक नवीन जायसवाल सहित अन्य सदस्यों ने भी चर्चा में हस्तक्षेप करते हुए मामले की जांच की आवश्यकता पर जोर दिया।

गर्भाशय ट्यूमर एवं ग्रेड 3 बवासीर से पीड़ित मरीज का पारस एचईसी हॉस्पिटल में हुई जटिल सफ़ल सर्जरी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांचीः धुर्वा स्थित पारस एचईसी हॉस्पिटल में डॉक्टरों की टीम ने एक जटिल सर्जरी को सफलतापूर्वक किया। बोकारो की 50 वर्षीय महिला लंबे समय से अनियमित और अत्यधिक मासिक रक्तस्राव से परेशान थीं। हर 20 दिन के अंतराल पर भारी ब्लीडिंग हो रही थी। जांच में उनके गर्भाशय में बड़ा ट्यूमर भी पाया गया। इसके साथ ही मरीज को ग्रेड-3 बवासीर की गंभीर समस्या थी, जिससे मलाशय से भी लगातार रक्तस्राव हो रहा था। हॉस्पिटल में विस्तृत जांच और आवश्यक तैयारी के बाद सर्जरी की योजना बनाई गई।

डॉक्टरों की टीम ने कुशलतापूर्वक टोटल लैप्रोस्कोपिक हिस्टेरेक्टॉमी (गर्भाशय की सर्जरी) और ओपन हेमोरॉयडेक्टॉमी (बवासीर की सर्जरी) एक साथ सफलतापूर्वक की। यह सर्जरी पारस एचईसी हॉस्पिटल में चीफ जनरल एवं लैप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ अमरेंद्र कुमार सिंह के नेतृत्व में की गई। सर्जरी के बाद मरीज की स्थिति तेजी से सुधरी और ऑपरेशन के तीसरे दिन उन्हें पूरी तरह स्थिर हालत में हॉस्पिटल से छुट्टी दे दी गई।

डॉ. अमरेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि मरीज लंबे समय से अत्यधिक रक्तस्राव और गर्भाशय के बड़े ट्यूमर के साथ-साथ ग्रेड-3 बवासीर की समस्या से जूझ रही थीं। पूरी जांच और आवश्यक तैयारी के बाद दोनों सर्जरी एक साथ करने का निर्णय लिया गया। ऑपरेशन सफल रहा और मरीज की स्थिति अब पूरी तरह स्थिर और बेहतर है। उन्होंने कहा कि समय पर सही उपचार मिलने से मरीज को बड़ी राहत मिली है।

हॉस्पिटल के फैसिलिटी डायरेक्टर डॉ नीतेश कुमार ने कहा कि पारस एचईसी हॉस्पिटल में मरीजों को आधुनिक तकनीक और अनुभवी विशेषज्ञों की टीम के माध्यम से बेहतर इलाज उपलब्ध कराया जा रहा है। इस तरह की जटिल सर्जरी का सफलतापूर्वक होना इस बात का प्रमाण है कि अस्पताल में उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधाएं मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि झारखंड और आसपास के क्षेत्रों के मरीजों को यहीं गुणवत्तापूर्ण और भरोसेमंद इलाज मिल सके।

रांची में ज्वेलरी शॉप से हीरे की अंगूठी लेकर फरार हुआ ग्राहक, सीसीटीवी के आधार पर जांच तेज

राष्ट्रीय मुख्यधारा

राजधानी रांची के हिंदपीढ़ी इलाके में एक ज्वेलरी दुकान से हीरे की अंगूठी चोरी होने का मामला सोमवार को सामने आया है। बताया जा रहा है कि एक ग्राहक अंगूठी देखने के बहाने दुकान में आया और मौका पाकर हीरे की अंगूठी लेकर चुपचाप फरार हो गया। घटना के बाद दुकानदार की शिकायत पर हिंदपीढ़ी थाने में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस के अनुसार, हिंदपीढ़ी स्थित "मियां तनिष्क" नामक ज्वेलरी शॉप में एक ग्राहक अंगूठी देखने के लिए पहुंचा था। दुकान के कर्मचारी ने उसे कई अंगूठियां दिखाई, जिनमें से एक हीरे की अंगूठी उसे पसंद आ गई। इसी दौरान उसने मौका देखकर अंगूठी अपने पास रख ली और बिना किसी को बताए दुकान से निकल गया। कुछ देर बाद जब दुकानदार और कर्मचारियों ने दुकान में रखे सामानों का मिलान किया, तो एक हीरे की अंगूठी गायब मिली। इसके बाद दुकान के कर्मचारी सूरज ठाकुर ने तुरंत हिंदपीढ़ी थाने में इसकी सूचना दी। सूरज ठाकुर की शिकायत के आधार पर पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज कर ली है और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि आरोप्त की पहचान की जा सके। हिंदपीढ़ी थाना प्रभारी ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज में संदिग्ध व्यक्ति का चेहरा साफ दिखाई दे रहा है। फुटेज के आधार पर उसकी पहचान की प्रक्रिया जारी है और जल्द ही आरोपित को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

झारखंड विधानसभा : सदन में ईटखोरी को अनुमंडल बनाने की मांग, विशेष सचिवों के वेतनमान पर भी उठा सवाल

राष्ट्रीय मुख्यधारा

झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के नौवें दिन सोमवार को कई अहम मुद्दे सदन में उठे। सिमरिया विधायक कुमार उज्ज्वल ने चतरा जिले के ईटखोरी प्रखंड को अनुमंडल बनाने की मांग रखी, वहीं विधायक नीरल पूर्ति ने विशेष सचिवों के वेतनमान से जुड़ा मामला उठाया। सिमरिया विधायक कुमार उज्ज्वल ने सदन में कहा कि ईटखोरी प्रखंड भौगोलिक क्षेत्र, जनसंख्या और प्रशासनिक जरूरतों के हिसाब से अनुमंडल बनने की सभी शर्तें पूरी करता है। उन्होंने बताया कि ईटखोरी में प्रसिद्ध मां भद्रकाली मंदिर स्थित है, जहां हर साल राजकीय महोत्सव आयोजित होता है। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं, जिससे प्रशासन और पुलिस पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। ऐसे में यदि ईटखोरी को अनुमंडल का दर्जा मिल जाता है, तो प्रशासनिक व्यवस्था संभालना काफी आसान हो जाएगा और क्षेत्र के विकास को भी गति मिलेगी। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि वर्ष 2012 में तत्कालीन उप विकास आयुक्त की ओर से इस संबंध में एक पत्र भी भेजा गया था, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई ठोस पहल नहीं हो सकी है। इस पर जवाब देते हुए मंत्री दीपक बिरुआ ने कहा कि फिलहाल राज्य सरकार की उच्चस्तरीय कमेटी के पास ईटखोरी को अनुमंडल बनाने का कोई प्रस्ताव लंबित नहीं है। उन्होंने बताया कि किसी क्षेत्र को अनुमंडल का दर्जा देने के लिए जिला उपायुक्त की अनुशंसा के बाद आयुक्त के माध्यम से प्रस्ताव मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली कमेटी को भेजा जाता है। कमेटी की अनुशंसा के बाद ही सरकार इस पर अंतिम निर्णय लेती है। मंत्री ने सदन में विधायक से कहा कि वे जिला प्रशासन और आयुक्त के माध्यम से प्रस्ताव सरकार तक भेजवाएं। इस पर विधायक कुमार उज्ज्वल ने आश्वासन दिया कि वे इस प्रक्रिया को जिला स्तर से आगे बढ़ाने का प्रयास करेंगे। इसी दौरान विधायक नीरल पूर्ति ने झारखंड प्रशासनिक सेवा नियमावली 2015 में संशोधन और विशेष सचिवों के वेतनमान से जुड़े मुद्दे को सदन में उठाया। उन्होंने सरकार से पूछा कि क्या विशेष सचिवों के लिए ग्रेड पे 10,000 यानी लेवल-14 सुनिश्चित करने के लिए नियमावली में संशोधन करने का कोई प्रस्ताव है। इस पर राज्य के संसदीय कार्य सह वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने बताया कि फिलहाल झारखंड प्रशासनिक सेवा के तहत उप सचिव, संयुक्त सचिव और अपर सचिव स्तर के अधिकारी एक ही वेतनमान और श्रेणी में कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग में निदेशक प्रमुख और इंजीनियरिंग विभाग में अभियंता प्रमुख का ग्रेड पे 10,000 है, जो लेवल-14 के अंतर्गत आता है। मंत्री ने बताया कि इस मामले में संबंधित विभागों से यह स्पष्ट करने को कहा गया है कि क्या निदेशक प्रमुख और अभियंता प्रमुख के पद विशेष सचिव के समकक्ष माने जा सकते हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि यदि इन पदों को लेवल-14 की मान्यता प्राप्त है तो अन्य विभागों में कार्यरत विशेष सचिवों को भी उसी आधार पर लेवल-14 पर प्रोन्नत करने और समान वेतनमान देने पर सरकार विचार करेगी।

मेसरा में मंडा पूजा चार अप्रैल को, कमेटी गठित

राष्ट्रीय मुख्यधारा

मेसरा में चार अप्रैल को मंडा पूजा और पांच को झूलन कार्यक्रम होगा। 16 अप्रैल को काली पूजा होगा। मेसरा शिव और काली पूजा समिति की बैठक में यह निर्णय लिया गया है। समिति की ओर से सोमवार को बताया कि कार्यक्रम को लेकर कमेटी का गठन किया गया है। सर्वसम्मित से कांके पूर्वी जिला परिषद सदस्य संजय कुमार महतो को मुख्य संरक्षक , गंगा करमाली को अध्यक्ष, जलेश्वर महतो को सचिव चुना गया। इसके अलावा बबलू महतो, सतीश महतो, किशोर महतो छोटेलाल महतो को सह -सचिव, कुशल मुंडा, शिवलाल महतो, कालेश्वर महतो, मनोज महली को उपाध्यक्ष और प्रभात महतो को कोषाध्यक्ष बनाया गया है।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, मंगलवार, 10 मार्च, 2026

संक्षिप्त समाचार

बुडगड्डा स्कूल में स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित, डीवीसी ने की 70 बच्चों के सेहत की जांच

बोकारो थर्मल : डीवीसी सीएसआर और डीवीसी हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को नावाडीह प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय, बुडगड्डा में एक दिवसीय स्वास्थ्य जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र के स्कूली बच्चों को उनके घर के समीप ही बेहतर चिकित्सा परामर्श और स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं।

शिविर का विधिवत उद्घाटन डीवीसी हॉस्पिटल के डॉ. ऋतांकर चक्रवर्ती ने किया। उद्घाटन के उपरांत उन्होंने विद्यालय के लगभग 70 छात्र-छात्राओं के स्वास्थ्य की सघन जांच की। जांच के दौरान बच्चों को पौष्टिक आहार, मौसमी बीमारियों से बचाव के उपाय और व्यक्तिगत स्वच्छता के प्रति विस्तार से जागरूक किया गया। डॉ. चक्रवर्ती ने जोर देकर कहा कि बच्चों का बेहतर स्वास्थ्य ही देश के उज्ज्वल भविष्य की नींव है। ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे नियमित शिविरों से बच्चों में होने वाली बीमारियों का शुरुआती चरणों में ही पता चल जाता है, जिससे उनका समय पर उपचार संभव हो पाता है।

दवाओं का वितरण और टीम का सहयोग-शिविर के समापन पर चिन्हित बीमारियों से ग्रसित बच्चों के बीच आवश्यक दवाओं और स्वास्थ्य परामर्श पत्रों का वितरण किया गया। डीवीसी सीएसआर टीम ने दोहराया कि उनका लक्ष्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है। इस सेवा कार्य को सफल बनाने में विद्यालय के प्रधानाध्यापक के साथ-साथ डीवीसी हॉस्पिटल के मो. कलीम अंसारी, गौतम मंडल, विकास कुमार यादव, भैरव महतो और विद्यालय के शिक्षकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

संगीतकार रवि और गीतकार साहिर को बोकारो में दी गई स्वरमयी श्रद्धांजलि

बोकारो : सेक्टर 12 में आयोजित एक भावपूर्ण संगीत संध्या के माध्यम से बोकारो के कलाकारों ने भारतीय सिनेमा के दिग्गज संगीतकार रवि की पुण्यतिथि और सुप्रसिद्ध गीतकार साहिर लुधियानवी की जयंती पर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। स्वरागिनी म्यूजिकल ग्रुप के बैनर तले आयोजित इस कार्यक्रम की शुरुआत कलाकारों द्वारा दोनों महान हस्तियों के चित्रों पर माल्यार्पण और पुष्पार्चन के साथ हुई, जिसके बाद सुरीले गीतों का सिलसिला देर शाम तक चलता रहा। कार्यक्रम का सफल संयोजन रमण चौधरी और रागिनी सिन्हा अंबष्ठ ने किया। समारोह को संबोधित करते हुए गायक अरुण पाठक ने संगीतकार रवि को एक अत्यंत सुरीला संगीतकार बताया और कहा कि उनके संगीत निर्देशन में बनी फिल्मों के गीत आज भी उतने ही लोकप्रिय हैं, जितने अपने दौर में थे। गायक रमण चौधरी और सोमेश मिश्रा ने कहा कि उस दौर के दिग्गजों के बीच रवि और साहिर जी ने अपनी विशिष्ट पहचान बनाई, जो उनकी अद्वितीय प्रतिभा का प्रमाण है। गायिका रंजू सिंह और अंजना सिन्हा ने साहिर लुधियानवी के जीवन दर्शन और रवि की धुनों की लोकप्रियता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनकी रचनाएं आज भी संगीत प्रेमियों के लिए धरोहर हैं।

इस स्वरमयी संध्या में कलाकारों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां देकर समां बांध दिया। इस क्रम में अरुण पाठक, रमण चौधरी, सोमेश मिश्रा, रंजू सिंह, अंजना सिन्हा, सुनीता गुप्ता आदि ने एक से बढ़कर एक गीत सुनाए। इस अवसर पर श्वेता प्रियदर्शिनी, रिद्धिमा कुमारी, ऐश्वर्य कुमार, स्पंदन सिंह और पूर्णेन्दु कुमार सिंह सहित कई संगीत प्रेमी उपस्थित रहे।

ऐश पौंड संकट से बोकारो थर्मल का 500 मेगावाट प्लांट तीसरे दिन भी ठप, भुगतान के बाद छाई उठाव शुरू

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल स्थित डीवीसी के 500 मेगावाट क्षमता वाले ए पावर प्लांट में ऐश पौंड (छाई तालाब) भरने के कारण पैदा हुआ संकट सोमवार को लगातार तीसरे दिन भी जारी रहा, जिससे बिजली उत्पादन पूरी तरह ठप है। हालांकि, छाई उठाव में लगी कंपनी द्वारा बकाया भुगतान किए जाने के बाद सोमवार सुबह 11 बजे से ट्रांसपोर्टिंग का कार्य आंशिक रूप से बहाल हुआ है, जिससे संयंत्र को दोबारा शुरू करने की उम्मीद जगी है।

छाई उठाव का जिम्मा संभाल रही सारण कंस्ट्रक्शन कंपनी द्वारा हाईवा मालिकों को पिछले दो महीनों की बकाया राशि का भुगतान करने के बाद सोमवार से कार्य पुनः आरंभ हुआ। ऐश पौंड स्थित कांटा घर के रिकॉर्ड के अनुसार, आधा दर्जन हाईवा राजगंज स्थित नेशनल हाईवे निर्माण स्थल भेजे गए, जबकि चार हाईवा के माध्यम से छाई को पावर प्लांट स्थित रेलवे ऐश यार्ड में डंप करने का काम शुरू किया गया है।

कोलकाता से पहुंचे एमटी, कंपनी प्रतिनिधियों को लगाई फटकार-ऐश पौंड संकट की गंभीरता को देखते हुए डीवीसी के मेंबर टेक्निकल एस के पांडा सोमवार को कोलकाता से बोकारो थर्मल पहुंचे। उन्होंने नूरी नगर स्थित ऐश पौंड का निरीक्षण किया और सारण कंस्ट्रक्शन के प्रतिनिधियों को कड़ी फटकार लगाई। एमटी ने नाराजगी जताते हुए सवाल किया कि कार्य आवंटन के बावजूद वाहनों की संख्या क्यों नहीं बढ़ाई जा रही है और भुगतान में देरी क्यों हुई। उन्होंने दो टूक शब्दों में ट्रांसपोर्टिंग को सुचारू रूप से चलाने का सख्त निर्देश दिया।

पत्रकारों से बात करते हुए मेंबर टेक्निकल ने कहा कि उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता पावर प्लांट को जल्द से जल्द दोबारा चालू करना है। निरीक्षण के दौरान उनके साथ वरीय जीएम (ओएंडएम) मधुकर श्रीवास्तव, जीएम एए कुजूर, राजेश विश्वास और कोलकाता के कई आला अधिकारी मौजूद थे।

गौरतलब है कि करीब ढाई माह पूर्व 6 दिसंबर को एमटी ने आश्वासन दिया था कि ऐश पौंड की वजह से प्लांट कभी बंद नहीं होगा, लेकिन 6 मार्च की रात को ही उत्पादन ठप करना पड़ गया। इधर, निरीक्षण के दौरान गोविंदपुर-ए पंचायत के सदस्य अख्तर अंसारी ने एमटी को उड़ती छाई से हो रहे प्रदूषण और ग्रामीणों की बीमारियों से अवगत कराया। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि प्रदूषण पर तत्काल रोक नहीं लगी, तो वे उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

समाज के विकास में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण : डीडीसी

» शिक्षा को अपना सबसे बड़ा हथियार बनाने का दिया संदेश

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2026 के उपलक्ष्य में सोमवार को चास महिला कॉलेज में एक भव्य जागरूकता एवं सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महिला सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता और लैंगिक समानता पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार एवं अन्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया।

छात्राओं को संबोधित करते हुए डीडीसी श्रीमती मजूमदार ने कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण के बिना किसी भी राष्ट्र का सर्वांगीण विकास संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं विज्ञान, खेल, प्रशासन और उद्यमिता जैसे हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं। उन्होंने छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा, शिक्षा को अपना सबसे बड़ा हथियार बनाएं और आत्मनिर्भर बनने की दिशा में निरंतर प्रयास करें। उन्होंने समाज के हर वर्ग से महिलाओं के प्रति सम्मान और सहयोग की भावना रखने की अपील की, ताकि एक समतामूलक समाज का निर्माण हो सके।

उपलब्धियों के सम्मान के साथ मिले समान अधिकार-जिला शिक्षा अधीक्षक अतुल चौबे ने शिक्षा के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस केवल उपलब्धियों के जश्न का दिन नहीं है, बल्कि यह समाज में महिलाओं के लिए समान अधिकार और अवसर सुनिश्चित करने का एक सशक्त संदेश भी है। कार्यक्रम में छात्राओं ने भाषण, कविता पाठ और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से महिला अधिकारों और शिक्षा के महत्व का संदेश दिया। अंत में उपस्थित सभी लोगों ने महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा को बढ़ावा देने का सामूहिक संकल्प लिया।

इस अवसर पर जिला खेल पदाधिकारी हेमलता बुन, सार्जेंट मेजर प्रणव कुमार, कॉलेज की प्राचार्या लीना नायक, डॉ. पूजा वर्मा, एडीआईओ अमरेश कुमार सहित बड़ी संख्या में शिक्षिकाएं, छात्राएं एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

+2 शिक्षक संघ ने नारी शक्ति को किया नमन, उत्कृष्ट योगदान देने वाली महिलाओं को किया सम्मानित

राष्ट्रीय मुख्यधारा

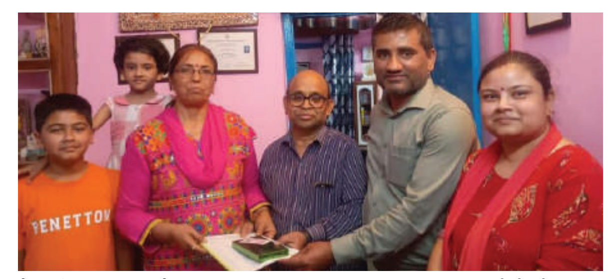

बोकारो : अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर झारखंड +2 शिक्षक संघ, बोकारो के जिला सचिव डॉ. अवनीश कुमार झा ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली जिले की तीन प्रमुख महिलाओं को सम्मानित किया। इस सम्मान समारोह के माध्यम से समाज के प्रति उनकी सेवाओं और उपलब्धियों को रेखांकित किया गया। इस दौरान अवकाश प्राप्त शिक्षिका डॉ. संगीता पाठक को उनके श्रेष्ठ शिक्षक के रूप में समर्पण और वर्तमान में भी बच्चों को शैक्षणिक रूप से उन्नत करने के प्रयासों के लिए सम्मानित किया गया। जबकि, मशहूर दंत चिकित्सक डॉ. कनुप्रिया को चिकित्सा के क्षेत्र में उनकी सकारात्मक ऊर्जा और निरंतर समाज सेवा के लिए सराहा गया। इसी तरह +2 उच्च विद्यालय, चंदनकियारी की उत्कृष्ट अंग्रेजी शिक्षिका नमिता कुमारी को स्कूल हेल्थ एंड वेलनेस प्रोग्राम के बेहतरीन संचालन के लिए सम्मानित किया गया। डॉ. झा ने उनसे जिले को स्कूली स्वास्थ्य-शिक्षा के क्षेत्र में राज्य में प्रथम स्थान दिलाने का आग्रह किया।

महिलाओं के सम्मान में निहित है विश्व का सम्मानः डॉ. झा-सम्मानित करते हुए डॉ. झा ने कहा कि महिलाओं के सम्मान में पूरे विश्व का सम्मान निहित है। उन्होंने जोर देकर कहा कि महिलाओं का सम्मान केवल एक दिन नहीं बल्कि वर्ष भर होना चाहिए, ताकि वे समाज की कुरीतियों को मिटाने और देश को विकसित बनाने में अपनी महती भूमिका निभा सकें। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इन महिलाओं की सफलता अन्य लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी।

इस सम्मान समारोह का संघ के अध्यक्ष पंकज कुमार सिंह, संरक्षक डॉ. अजय कुमार पाठक, उपाध्यक्ष इर्वि रानी, डॉ. शशिकांत पांडेय, कोषाध्यक्ष राजदेव साहू, संयुक्त सचिव राजेश कुमार विश्वकर्मा सहित भरत कुमार महतो, डॉ. शक्ति पद महतो, संगठन मंत्री ब्रजेश कुमार, श्वेता कुमारी उपाध्याय, पुष्पा कुमारी विश्वकर्मा, श्रुति ताह, रामबाबू शुक्ल, दिनेश चंद्र, डॉ. राखी बरनवाल, स्वर्णलता, ज्योति तिग्गा, कृपा शंकर महतो, नितेश कुमार सोनी और अमर कुमार महतो ने स्वागत किया है।

अस्थि विसर्जन के लिए जा रहे व्यक्ति की सड़क हादसे में मौत, ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारोः बोकारो जिले के पिंडाजोरा थाना क्षेत्र के कुर्रा मोड़ के पास सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में 40 वर्षीय हरिपद मोदी की मौत हो गई। वे अपने पिता की अस्थियां विसर्जित करने के लिए दामोदर नदी जा रहे थे। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क जाम कर मुआवजे की मांग की।

काशीझरिया पंचायत के उपमुखिया सुजीत बाउरी के अनुसार, कुर्रा गांव निवासी हरिपद मोदी के पिता जग्गू मोदी का हाल ही में निधन हो गया था। सोमवार सुबह हरिपद मोदी अपने परिजनों के साथ दामोदर नदी में अस्थि विसर्जन के लिए जा रहे थे। इसी दौरान कुर्रा मोड़ के पास सड़क पार करते समय बोकारो से पुरुलिया की ओर जा रहे एक अज्ञात टेलर वाहन ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी तेज थी कि हरिपद मोदी की मौके पर ही मौत हो गई।

हादसे की खबर मिलते ही आसपास के ग्रामीण बड़ी संख्या में घटनास्थल पर जुट गए। आक्रोशित लोगों ने सड़क जाम कर दिया और मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा देने की मांग करने लगे। ग्रामीणों का कहना था कि जब तक प्रशासन की ओर से मुआवजे की घोषणा नहीं की जाएगी, तब तक शव को नहीं उठाने दिया जाएगा। इस दौरान सड़क पर काफी देर तक अफरा-तफरी और हंगामे का माहौल बना रहा।

घटना की सूचना मिलते ही पिंड्राजोरा थाना प्रभारी अभिषेक रंजन पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों को समझा-बुझाकर शांत कराया और काफी मशक्कत के बाद सड़क जाम हटवाया गया। इसके बाद पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पुलिस ने हादसे के बाद आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच शुरू कर दी है, ताकि दुर्घटना में शामिल अज्ञात टेलर वाहन की पहचान की जा सके। पिंडराजोड़ा थाना प्रभारी अभिषेक रंजन ने बताया कि मामले की जांच जारी है और वाहन चालक की पहचान कर उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद मृतक के घर में शोक का माहौल है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

बोकारो सिविल कोर्ट को सायनाइड बम से उड़ाने की धमकी

» ई-मेल से मचा हड़कंप, परिसर खाली कराकर घंटों चली तलाशी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : झारखंड और बिहार की अदालतों को बम से उड़ाने की धमकियों के बीच सोमवार को बोकारो सिविल कोर्ट भी निशाने पर रहा। सुबह करीब 10:06 बजे कोर्ट के आधिकारिक ई-मेल पर एक सनसनीखेज संदेश मिलने के बाद पूरे परिसर में अफरातफरी मच गई। ई-मेल में दावा किया गया कि कोर्ट परिसर में 14 सायनाइड गैस बम लगाए गए हैं, जो जल्द ही फट सकते हैं। सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक (एसपी) हरविंदर सिंह स्वयं बल के साथ मौके पर पहुंचे और सुरक्षा की कमान संभाली।

ई-मेल में जस्टिस फॉर नानगुनेरी और विवादित जिक्र-धमकी भरे ई-मेल का विषय अंग्रेजी में जस्टिस फॉर नानगुनेरी लिखा था। भेजने वाले ने खुद का नाम सौरव बताया है और अपना संबंध टीएनआरटी (टीएन रिट्रीवल ट्रूप्स) नामक संगठन से होने का दावा किया है। ई-मेल के भीतर न्याय व्यवस्था पर तीखी टिप्पणियां की गई हैं और इसमें अजमल कसाब, उदयनिधि, आईएसआई तथा कुछ राजनीतिक संगठनों का जिक्र करते हुए विवादित बातें लिखी गई हैं। संदेश में यह भी चेतावनी दी गई थी कि कुछ बम ट्रेन के जरिए लाकर इमारतों की छतों पर रखे गए हैं, इसलिए लोग नाक-मुंह ढक कर तुरंत बाहर निकल जाएं।

सघन तलाशी अभियान, सुरक्षित निकाला गया बाहर-खतरे की गंभीरता को देखते हुए कोर्ट परिसर को तत्काल खाली कराया गया। वकीलों, कर्मचारियों और मुवक्किलों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया। सुरक्षा एजेंसियों ने डॉग स्क्वायड और बम निरोधक दस्ते की मदद से चप्पे-चप्पे की तलाशी ली। इस दौरान कोर्ट भवन, पार्किंग, वकीलों के चैंबर, हाजत और छतों की बारीकी से जांच की गई। वाहनों और संदिग्ध बैगों की जांच के लिए हैंड हेल्ड मेटल डिटेक्टर का प्रयोग किया गया। लेकिन, घंटों चली सघन जांच के बाद एसपी ने पुष्टि की कि परिसर में कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है।

धमकियों का सिलसिलाः साइबर सेल सक्रिय-जानकार बताते हैं कि फरवरी 2026 से अब तक पटना, रांची, धनबाद, बक्सर, बेगूसराय और पूर्णिया की अदालतों को इसी तरह की धमकियां मिल चुकी हैं। बोकारो में मिली इस ताजा धमकी के बाद पुलिस की साइबर सेल ई-मेल के स्रोत, आईपी एड्रेस और सर्वर की तकनीकी जांच में जुट गई है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि क्या इन सभी धमकियों के पीछे किसी एक ही सिरफिरे या किसी संगठित गिरोह का हाथ है। एसपी हरविंदर सिंह ने लोगों से अपील की है कि वे घबराएं नहीं, पुलिस स्थिति पर पैनी नजर रखे हुए है और सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद कर दी गई है।

चास नगर निगम में 17 मार्च को होगा शपथ ग्रहण, पार्षदों के वोट से चुने जाएंगे उपमहापौर

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : चास नगर निगम के नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों के लिए 17 मार्च 2026 का दिन ऐतिहासिक होने जा रहा है, क्योंकि इसी दिन नगर निगम की नई सरकार विधिवत रूप से अपना कार्यभार संभालेगी। समाहरणालय सभागार में आयोजित एक महत्वपूर्ण प्रेस कांफ्रेंस के दौरान निर्वाची पदाधिकारी सह एसडीओ चास, सुश्री प्रांजल ढांडा ने शपथ ग्रहण समारोह और उपमहापौर पद के अप्रत्यक्ष निर्वाचन की विस्तृत कार्ययोजना साझा करते हुए बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ 17 मार्च को पूर्वाह्न 11:00 बजे चास नगर निगम सभागार में आयोजित बैठक के साथ होगा। निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार, सबसे पहले उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के प्रमंडलीय आयुक्त द्वारा नवनिर्वाचित महापौर को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई जाएगी, जिसके तुरंत बाद सभी वार्ड पार्षदों का शपथ ग्रहण संपन्न होगा। शपथ ग्रहण की यह औपचारिक प्रक्रिया पूर्वाह्न 11:15 बजे शुरू करने का समय तय किया गया है।

उन्होंने बताया कि शपथ ग्रहण समारोह के संपन्न होते ही उपमहापौर पद के लिए अप्रत्यक्ष निर्वाचन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी, जिसमें जनता द्वारा सीधे मतदान न होकर नवनिर्वाचित वार्ड पार्षदों द्वारा अपने प्रतिनिधि का चुनाव किया जाएगा। निर्वाची पदाधिकारी ने स्पष्ट किया कि मतदान बैलेट पत्र के माध्यम से होगा, जिसमें पार्षदों को अपने पसंदीदा प्रत्याशी के नाम के सामने क्रॉस का चिन्ह लगाना होगा। निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित करने के लिए मतदान से पूर्व सभी पार्षदों को वैध एवं अवैध मतों की पहचान हेतु आवश्यक प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। निर्वाचन की पूरी प्रक्रिया सुबह 11:30 बजे नामांकन पत्र दाखिल करने के साथ शुरू होगी, जो विभिन्न चरणों जैसे संवीक्षा, नाम वापसी और मतदान से गुजरते हुए दोपहर 1:45 बजे परिणाम की घोषणा के साथ संपन्न होगी। नवनिर्वाचित उपमहापौर को अपराह्न 2:10 बजे महापौर द्वारा शपथ दिलाई जाएगी। इस प्रेस वार्ता में जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार एवं सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह भी उपस्थित थे। साथ ही, इसी दिन फुसरो नगर परिषद में भी उपायुक्त अजय नाथ झा द्वारा अध्यक्ष और पार्षदों को शपथ दिलाई जाएगी, जिसके बाद उपाध्यक्ष पद के लिए चुनाव संपन्न कराया जाएगा।

बोकारो के एथलीट बने झारखंड के सबसे तेज़ धावक, झटके 3 स्वर्ण समेत 6 पदक

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मल : रांची में आयोजित प्रथम झारखंड राज्य ओपन 100 मीटर एवं 400 मीटर एथलेटिक्स प्रतियोगिता में बोकारो के धावकों ने अपनी गति का ऐसा करिश्मा दिखाया कि पूरा राज्य उनके कौशल का कायल हो गया। 8 मार्च को संपन्न हुई इस स्पर्धा में बोकारो के एथलीटों ने तीन स्वर्ण सहित कुल छह पदक जीतकर जिले का गौरव बढ़ाया है। सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही कि राज्य के सबसे तेज पुरुष और महिला धावक का खिताब भी बोकारो की झोली में आया है।

स्वर्ण पदकों के साथ मिला फास्टेस्ट का खिताब-प्रतियोगिता में बोकारो के धावकों ने मुख्य आकर्षण बटोरते हुए राज्य के सबसे तेज़ एथलीट होने का गौरव हासिल किया, जिनमें पुरुष वर्ग की 100 मीटर दौड़ में शिव कुमार सोरेन ने स्वर्ण पदक जीतकर राज्य के सबसे तेज धावक का खिताब अपने नाम किया। महिला अंडर-20 वर्ग की 100 मीटर स्पर्धा में स्वर्ण जीतकर अनामिका कुमारी ने राज्य की सबसे तेज धाविका बनने का गौरव हासिल किया। जबकि, पुरुष अंडर-20 वर्ग की 100 मीटर दौड़ में दीपक टोप्पो ने स्वर्ण पदक जीतकर खुद को इस आयु वर्ग का बादशाह साबित किया।

स्वर्ण के अलावा जिले के अन्य खिलाड़ियों ने भी पदक जीतकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जिनमें पुरुष अंडर-20 वर्ग की 400 मीटर दौड़ में अमन कुमार ने कड़ी टक्कर देते हुए रजत पदक हासिल किया। महिला अंडर-20 वर्ग की 100 मीटर स्पर्धा में आरती मेहता ने कांस्य पदक और पुरुष ओपन 100 मीटर स्पर्धा में अरशान अली ने कांस्य पदक पर कब्जा जमाया।

खेल विशेषज्ञों का मानना है कि एक ही प्रतियोगिता में राज्य के सबसे तेज पुरुष और महिला धावक (अंडर-20 और ओपन दोनों श्रेणियों में) का एक ही जिले से होना एक विरल और बड़ी उपलब्धि है। बोकारो जिला एथलेटिक्स संघ के सचिव गंगाधर यादव ने इसे खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत का परिणाम बताया और कहा कि अब लक्ष्य राष्ट्रीय चैंपियनशिप में परचम लहराना है। इन एथलीटों की स्वर्णिम सफलता पर बेरमो विधायक सह संघ अध्यक्ष कुमार जय मंगल, उपायुक्त अजय नाथ झा, जिला खेल पदाधिकारी हेमलता बुन और खेल समन्वयक सीबी शुक्ला ने बधाई दी है। कोच आशु भाटिया ने सोमवार को बोकारो थर्मल लौटने पर खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए यह जानकारी साझा की।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

दिलीप सिंह नामक प्रिंस खान गिरोह का सदस्य गिरफ्तार

धनबाद: धनबाद पुलिस ने संगठित अपराध के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए प्रिंस खान गिरोह से जुड़े एक अपराधकर्मी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। 08/09 मार्च की रात्रि में की गई इस कार्रवाई में गोविंदपुर थाना कांड संख्या 89/2026 के नामजद अभियुक्त दिलीप सिंह को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए आरोपी को अग्रतर कार्रवाई के लिए न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी, मनीष कुमार मिश्रा के न्यायालय में प्रस्तुत किया।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध गोविंदपुर थाना में गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज है। इस कांड में भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 111(2)(b), 111(3), 111(4), 109, 132, 133, 308(3), 61(2) के अलावा 3/4 एक्सप्लोसिव एक्ट तथा 25(1-B)a, 26/27/35 आर्म्स एक्ट की धाराएं लगाई गई हैं। इन धाराओं के तहत संगठित अपराध, आपराधिक षड्यंत्र, हथियार और विस्फोटक पदार्थ से जुड़े गंभीर आरोप शामिल हैं।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान दिलीप सिंह (उम्र करीब 50 वर्ष), पिता नारायण सिंह, निवासी बारामुड़ी, लिटिल फ्लावर स्कूल के समीप, थाना भूली ओपी (बैंक मोड़), जिला धनबाद के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार आरोपी प्रिंस खान गिरोह से जुड़ा हुआ है और उक्त कांड में उसकी सक्रिय संलिप्तता पाई गई है।

पुलिस पदाधिकारी ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा था। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उसे दबोच लिया। गिरफ्तारी के बाद उससे पूछताछ भी की गई, जिसके आधार पर मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है।

धनबाद पुलिस का कहना है कि जिले में संगठित अपराध और आपराधिक गिरोहों के खिलाफ लगातार सख्त अभियान चलाया जा रहा है। कानून व्यवस्था बनाए रखने और अपराध पर प्रभावी नियंत्रण के लिए इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। फिलहाल आरोपी को न्यायालय में प्रस्तुत कर आगे की विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है।

बकाया मानदेय भुगतान की मांग को मनरेगा कर्मियों ने दिया धरना

बलियापुर (धनबाद): सोमवार को मनरेगा कर्मचारी संघ ने बकाया मानदेय भुगतान की मांग को लेकर बलियापुर प्रखंड कार्यालय के समक्ष धरना दिया। धरनार्थियों का कहना है कि 7 महीने से मानदेय का भुगतान नहीं हुआ है। जिससे कर्मचारियों का आर्थिक स्थिति दयनीय हो गई है। पिछले वर्ष हड़ताल के दौरान मानदेय 30% बढ़ोतरी का आश्वासन दिया गया था लेकिन सरकार ने अब तक कोई नहीं की है। सरकार के इस वादा खिलाफी को लेकर कर्मचारियों में भारी रोष है। धरनार्थियों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर जल्द निर्णय नहीं लिया गया तो झारखंड मनरेगा कर्मचारी संघ के आव्हान पर सभी मनरेगा कर्मचारी 12 मार्च से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने को विवश होंगे। धरनार्थियों में बीपीओ विशाल कुमार, नीरज कुमार सिंह, राजेंद्र प्रसाद महतो, सबल चंद्र महतो, कार्तिक गोराय, जय दत्त, हरे राम, सुनील सोरेन, कैलाश महतो, तस्लीम अंसारी, भीम सेन, देवेंद्र कुमार, संजय साहू आदि थे।

बोकारो रेंज के डीआईजी का धनबाद दौरा, पुलिस मुख्यालय में की समीक्षा बैठक

राष्ट्रीय मुख्यधारा: राजीव रंजन

» सरायढेला मुठभेड़ मामले में प्रिन्स खान गिरोह पर कड़ा प्रहार का निर्देश
» पश्चिम बंगाल चुनाव को देखते हुए सीमावर्ती क्षेत्रों में चौकसी बढ़ाने के निर्देश

धनबाद: सोमवार को बोकारो रेंज के डीआईजी आनंद प्रकाश धनबाद समाहरणालय परिसर स्थित पुलिस मुख्यालय पहुंचे। इस दौरान वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने पुष्प गुच्छ देकर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। पुलिस मुख्यालय पहुंचने के बाद डीआईजी ने जिले की सुरक्षा व्यवस्था और पुलिस कार्यप्रणाली को लेकर अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक की।

समीक्षा बैठक में एसएसपी प्रभात कुमार के अलावा ग्रामीण एसपी कपील चौधरी, सिटी एसपी ऋतविक श्रीवास्तव, मुख्यालय डीएसपी सहित जिले के कई अन्य डीएसपी मौजूद रहे। बैठक में जिले की विधि-व्यवस्था की स्थिति, अपराध नियंत्रण की रणनीति, लंबित मामलों की प्रगति और पुलिस की कार्यशैली पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक के दौरान डीआईजी आनंद प्रकाश ने रविवार को सरायढेला थाना क्षेत्र में कुख्यात प्रिन्स खान गिरोह के सदस्यों के साथ हुई मुठभेड़ की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने मुठभेड़ की पूरी घटना, पुलिस कार्रवाई और फरार अपराधियों के बारे में अधिकारियों से विस्तार से जानकारी प्राप्त की। डीआईजी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि गिरोह के फरार सदस्यों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए तथा जिले में सक्रिय संगठित आपराधिक गिरोहों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जाए। उन्होंने कहा कि अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई से ही आम जनता में सुरक्षा का भरोसा मजबूत होगा।

इसके साथ ही बैठक में आगामी त्योहारों को लेकर भी विशेष चर्चा की गई। डीआईजी ने निर्देश दिया कि आने वाले ईद और रामनवमी पर्व को देखते हुए जिले में सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह चाक-चौबंद रखी जाए। संवेदनशील और भीड़भाड़ वाले इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाए, नियमित गश्ती बढ़ाई जाए तथा असामाजिक तत्वों पर विशेष निगरानी रखी जाए। उन्होंने कहा कि त्योहारों के दौरान किसी भी प्रकार की अफवाह, हुड़दंग या कानून-व्यवस्था से जुड़ी समस्या को तुरंत रोकने के लिए पुलिस पूरी तरह सतर्क रहे।

बैठक में पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था पर भी विस्तार से चर्चा की गई। डीआईजी ने निर्देश दिया कि बंगाल सीमा से सटे इलाकों में पुलिस की चौकसी और बढ़ाई जाए। सीमा क्षेत्रों में सघन वाहन जांच अभियान चलाया जाए, संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान का सत्यापन किया जाए तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

समीक्षा बैठक के अंत में डीआईजी आनंद प्रकाश ने जिले की सुरक्षा व्यवस्था और पुलिस की कार्यशैली पर संतोष जताया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि आगामी त्योहारों और पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए पुलिस और अधिक सतर्कता के साथ कार्य करे ताकि जिले में शांति और कानून-व्यवस्था पूरी तरह कायम रहे।

स्कूटी रैली निकालकर महिलाओं ने दिया नारी शक्ति का संदेश

» नशा मुक्त व बाल विवाह मुक्त झारखंड बनाने की ली शपथ

राष्ट्रीय मुख्यधारा: राजीव रंजन

धनबाद: अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस को लेकर सोमवार को समाहरणालय से 200 से अधिक महिलाओं ने स्कूटी रैली निकलकर नारी शक्ति का संदेश दिया। साथ ही नशा मुक्त व बाल विवाह मुक्त झारखंड बनाने का संकल्प लिया। रैली को उपायुक्त आदित्य रंजन तथा वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली समाहरणालय से सिटी सेंटर होते हुए रणधीर वर्मा चौक तक पहुंची।

रैली को रवाना करने के बाद उपायुक्त ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस नारी के अधिकारों, समानता तथा उनके सामाजिक, आर्थिक योगदान के सम्मान और सशक्तिकरण का वैश्विक प्रतीक बन गया है। आज हर क्षेत्र में महिलाओं का संघर्ष, उनकी उपलब्धियां, सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक सहित अन्य क्षेत्र में उनके योगदान को पहचान मिली है।

उपायुक्त ने कहा कि जिले में भी महिला सशक्तिकरण के लिए कई योजनाएं चल रही है। महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए स्वयं सहायता समूह बनाकर उनको प्रशिक्षण दिया जा रहा है। वहीं बेलगड़िया में 80-80 महिलाओं का समूह बनाकर उन्हें मशरूम की खेती, बांस व जुट की सामग्री बनाने सहित अन्य क्षेत्र में हुनरमंद बनाया जा रहा है।

वहीं वरीय पुलिस अधीक्षक ने कहा कि आज हर क्षेत्र में महिलाएं पुरुषों के बराबर योगदान दे रही है। महिला सशक्त होगी तो परिवार तथा समाज सशक्त बनेगा।

रैली को रवाना करने से पूर्व सभी को नशा मुक्त झारखंड व बाल विवाह मुक्त झारखंड की शपथ दिलाई गई। स्कूटी रैली में महिला पुलिसकर्मी, सुपरवाइजर, सीडीपीओ, आंगनबाड़ी सेविका, पोषण सखी सहित 200 से अधिक महिलाएं शामिल थी।

मौके पर उपायुक्त आदित्य रंजन, वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर हेमा प्रसाद, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी स्नेह कश्यप, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा नियाज अहमद, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी साधना कुमारी के अलावा बड़ी संख्या में विभिन्न विभागों की महिलाएं शामिल रहीं।

नव पदस्थापित प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश से डीसी और एसएसपी ने की शिष्टाचार मुलाकात

» उपायुक्त आदित्य रंजन और एसएसपी प्रभात कुमार ने पुष्पगुच्छ देकर किया स्वागत

राष्ट्रीय मुख्यधारा: राजीव रंजन

धनबाद: धनबाद में नव पदस्थापित प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश निकेश कुमार सिन्हा से सोमवार को उनके चैंबर में उपायुक्त आदित्य रंजन और वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर दोनों वरिष्ठ अधिकारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर माननीय न्यायाधीश का अभिनंदन किया तथा जिले में उनके नए दायित्व के लिए शुभकामनाएं दीं। मुलाकात के दौरान जिला प्रशासन, न्यायिक व्यवस्था तथा कानून-व्यवस्था से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी संक्षिप्त चर्चा हुई। अधिकारियों ने आशा व्यक्त की कि न्यायपालिका और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय से जिले में न्यायिक प्रक्रियाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सकेगा तथा आम लोगों को समय पर न्याय दिलाने में सहायता मिलेगी।

उपायुक्त आदित्य रंजन ने कहा कि जिला प्रशासन न्यायालय से जुड़े सभी आवश्यक कार्यों में पूरा सहयोग प्रदान करेगा। वहीं एसएसपी प्रभात कुमार ने कहा कि न्यायिक प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित करने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए माननीय न्यायालय के मार्गदर्शन में पुलिस प्रशासन सदैव तत्पर है।

नव पदस्थापित प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश निकेश कुमार सिन्हा ने भी दोनों अधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि न्यायपालिका, प्रशासन और पुलिस के बेहतर समन्वय से जिले में कानून का शासन और मजबूत होगा तथा न्यायिक कार्यों को पारदर्शी और प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाया जाएगा।

आईआईटी (आईएसएम) धनबाद में 'नर्चरिंग फ्यूचर लीडरशिप प्रोग्राम' का 9वां संस्करण शुरू

राष्ट्रीय मुख्यधारा: राजीव रंजन

धनबाद: सोमवार को आईआईटी (आईएसएम) धनबाद में मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (MMTTP) के अंतर्गत नर्चरिंग फ्यूचर लीडरशिप प्रोग्राम (NFLP) के 9वें संस्करण का उद्घाटन किया गया। यह कार्यक्रम संस्थान के i2H बिल्डिंग स्थित एफडीसी कॉन्फ्रेंस हॉल-1 में आयोजित किया गया। पांच दिवसीय इस कार्यक्रम का आयोजन मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग सेंटर (MMTTC), आईआईटी (आईएसएम) धनबाद द्वारा किया जा रहा है।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य उच्च शिक्षा संस्थानों के शिक्षकों में नेतृत्व क्षमता विकसित करना, निर्णय-निर्माण की क्षमता को सुदृढ़ करना, सहयोगात्मक शैक्षणिक वातावरण को बढ़ावा देना तथा संस्थागत विकास में उनकी भूमिका को मजबूत बनाना है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में आईआईटी (आईएसएम) धनबाद के उपनिदेशक प्रो.धीरज कुमार उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के प्रारंभ में NFLP की समन्वयक एवं MMTTC की प्रभारी प्रो.मृणालिनी पांडेय ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि अकादमिक जगत में नेतृत्व केवल कुछ लोगों तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रत्येक शिक्षक इसे विकसित कर सकता है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों में नेतृत्व कौशल को विकसित करना और संस्थागत विकास में उनकी भूमिका को सशक्त बनाना है।

इस अवसर पर सतत शिक्षा कार्यक्रम की डीन प्रो.केका ओझा ने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों की पेशेवर दक्षताओं को मजबूत करते हैं और उन्हें बदलती शैक्षणिक आवश्यकताओं के अनुरूप खुद को विकसित करने में मदद करते हैं।

मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष प्रो. सोमनाथ चट्टोपाध्याय ने अपने संबोधन में कहा कि अकादमिक जगत में दूरदर्शी और जिम्मेदार नेतृत्व की अत्यंत आवश्यकता है और ऐसे कार्यक्रम शिक्षकों की नेतृत्व क्षमता को मजबूत करने में सहायक होते हैं।

अपने संबोधन में प्रो.धीरज कुमार ने कहा कि प्रतिष्ठित संस्थानों से जुड़े शिक्षक स्वाभाविक रूप से नेतृत्व की भूमिका निभाते हैं और समाज तथा शिक्षा जगत को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने विभिन्न संस्थानों से आए प्रतिभागियों की विविध पृष्ठभूमि को सीखने और संवाद के लिए महत्वपूर्ण बताया।

कार्यक्रम का समापन आईआईटी (आईएसएम) धनबाद के प्रो.इरफान द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

दिव्यांग बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन

राष्ट्रीय मुख्यधारा: राजीव रंजन

धनबाद: सोमवार को उपायुक्त आदित्य रंजन के निर्देशानुसार दिव्यांग बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए जिले के सभी विद्यालय के प्रधानाध्यापक, दिव्यांग बच्चों के अभिभावक एवं शैक्षिक प्रशंसकों के लिए एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस क्रम में गोविंदपुर एवं झरिया प्रखंड के शिक्षकों का उन्मुखीकरण कार्यशाला प्रखंड संसाधन केंद्र गोविंदपुर (राजकीय बुनियादी विद्यालय गोविंदपुर) के सभागार एवं झरिया अकेडमी हाई स्कूल झरिया के सभागार में आयोजन किया गया।

इसमें प्रशिक्षक के रूप में रूपा चक्रवर्ती, रिसोर्स शिक्षक गोविंदपुर एवं मोहम्मद मुस्तफा अंसारी, फिजियोथैरेपिस्ट गोविंदपुर ने मुख्य रूप से आरपीडब्ल्यूडी एक्ट 2016 के अंतर्गत परिभाषित दिव्यांगता के विभिन्न श्रेणियां की चर्चा की। दिव्यांगता के आधार पर बच्चों को शैक्षणिक माहौल प्रदान करने के लिए विभिन्न प्राविधियां पर भी चर्चा की गई, ताकि ऐसे बच्चे विद्यालयों के साथ-साथ घर पर भी गृह आधारित प्रशिक्षण से आच्छादित कर शिक्षा के मुख्य धारा में बने रहे।

जिला समावेशी शिक्षा प्रशिक्षण प्रभारी अशोक कुमार पांडेय ने उन्मुखीकरण कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यालय अपने पोषक क्षेत्र में रहने वाले सभी बच्चों का सर्वे कर दिव्यांग बच्चों को चिन्हित करें। उसकी सूची प्रखंड संसाधन केंद्रों में जमा करें ताकि उनके लिए भी विभागीय योजनाओं में उनकी भागीदारी सुनिश्चित की जा सके। उन्हें सहायक उपकरण एवं सामग्रियां आवश्यकता अनुसार उपलब्ध कराई जा सके। कहा विद्यालय में उनका शत् प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करें।

कहा कि ऐसे बच्चे जो बिना किसी सहायता के स्कूल नहीं जा पा रहे हो, उन बच्चों के लिए एस्कॉर्ट भत्ता, ट्रांसपोर्ट भत्ता एवं रीडर भत्ता उपलब्ध कराने हेतु विभागीय योजना में उनकी सहभागिता सुनिश्चित की जा सके। वहीं दिव्यांग बच्चों के अभिभावकों को यूनिक डिसेबिलिटी आइडेंटिफिकेशन कार्ड बनाने के लिए पास के प्रज्ञा केदो में भेजने, दिव्यांग बच्चों का चिकित्सा प्रमाण पत्र बनाने का अनुरोध किया।

जबकि झरिया प्रखंड में अखलाक अहमद रिसोर्स शिक्षक एवं मनोज कुमार सिंह फिजियोथैरेपिस्ट ने सभी विद्यालयों के प्रधानाध्यापक तथा दिव्यांग बच्चों के अभिभावकों का उन्मुखीकरण किया।

डीआरएम द्वारा आरपीएसएफ जवानों हेतु बटालियन रिक्रिएशन रूम एवं यूनिट कैंटीन का उद्घाटन

राष्ट्रीय मुख्यधारा: राजीव रंजन

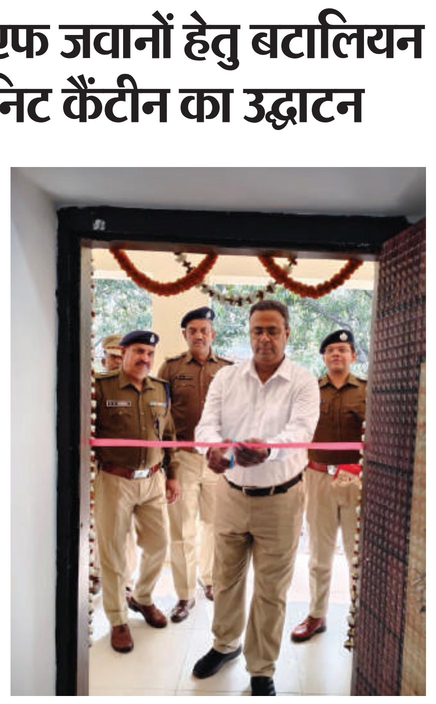

धनबाद: पूर्व मध्य रेलवे के धनबाद मंडल अंतर्गत रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएसएफ) की 10वीं बटालियन परिसर में सोमवार को मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) अखिलेश मिश्र द्वारा जवानों के कल्याण एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए बटालियन रिक्रिएशन रूम तथा यूनिट कैंटीन (केपीकेवी) का उद्घाटन किया गया।

कार्यक्रम में रेलवे बोर्ड, नई दिल्ली के आईजी-कम-पीसीएससी/आरपीएसएफ सुमति शांडिल्य वर्चुअल माध्यम से जूड़े। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक अखिलेश मिश्र ने परिसर में वृक्षारोपण किया। नव स्थापित बटालियन रिक्रिएशन रूम जवानों को अवकाश के समय में मानसिक विश्राम की सुविधा प्रदान करेगा, वहीं यूनिट कैंटीन (केपीकेवी) के माध्यम से उन्हें दैनिक उपयोग की आवश्यक वस्तुएँ सहज रूप से उपलब्ध हो सकेंगी। इस अवसर पर मंडल के अन्य अधिकारीगण, कर्मचारीगण एवं आरपीएसएफ के जवान भी उपस्थित थे।

डीसी ने बैठक से गायब अफसरों का वेतन रोका, मनरेगा की शुरू न होने वाली योजनाएं होंगी बंद

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : समाहरणालय सभागार में सोमवार को आयोजित जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक में उपायुक्त अजय नाथ झा ने लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया। बैठक में बिना पूर्व सूचना अनुपस्थित रहने वाले पदाधिकारियों का वेतन अगले आदेश तक स्थगित करने का निर्देश देते हुए उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि विकास कार्यों में कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

वित्तीय प्रतिवेदन और मनरेगा पर कड़े निर्देश-उपायुक्त ने सभी विभागों को वित्तीय वर्ष 2025-26 के निकासी एवं व्यय का प्रतिवेदन 12 मार्च तक समर्पित करने का अल्टीमेटम दिया है। मनरेगा की समीक्षा के दौरान उन्होंने निर्देश दिया कि जिन योजनाओं का काम अब तक शुरू नहीं हो सका है, उन्हें तुरंत बंद कर संबंधित बीडीओ उसकी रिपोर्ट जिला कार्यालय को सौंपें। साथ ही, सामाजिक अंकेक्षण (सोशल ऑडिट) के लंबित 3500 एटीआर को अविलंब पोर्टल पर अपलोड करने का आदेश दिया गया।

मंईयां सम्मान और पेंशन योजनाओं में तेजी-बैठक में झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की प्रगति पर चर्चा हुई। उपायुक्त ने 6,788 लाभुकों का आधार सीडिंग कार्य तत्काल पूरा करने को कहा, ताकि सम्मान राशि का भुगतान सुनिश्चित हो सके। इसके अलावा अंचलाधिकारियों को केंद्र प्रायोजित पेंशन योजनाओं के लाभुकों का डीएलसी अद्यतन करने और दाखिल-ख़ारिज (म्युटेशन) के मामलों को पारदर्शिता के साथ निपटाने का निर्देश दिया।

15वें वित्त आयोग के फंड का शत-प्रतिशत उपयोग-बैठक में उप विकास आयुक्त (डीडीसी) शताब्दी मजूमदार ने 15वें वित्त आयोग के तहत टाइड और अनटाइड फंड के खर्च की समीक्षा की। उन्होंने खराब प्रदर्शन करने वाले प्रखंडों को चिह्नित करते हुए बीडीओ को निर्देश दिया कि फंड का उपयोग शत-प्रतिशत सुनिश्चित करें और प्रखंड स्तर पर नियमित समीक्षा करें।

इस दौरान सखी मंडल के सदस्यों के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए लंबित 2756 मुद्रा ऋण आवेदनों के शीघ्र निष्पादन हेतु बैंकों और एलडीएम को निर्देशित किया गया। इसके साथ ही गोट बैंक, धान अधिप्राप्ति, आपदा मुआवजा, आंगनबाड़ी और शौचालय निर्माण जैसी योजनाओं की भी बारीकी से समीक्षा की गई।

बैठक में अपर समाहर्ता मुमताज अंसारी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी शालिनी खालखो, जिला पंचायती राज पदाधिकारी शफीक आलम, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी डॉ. सुमन गुप्ता, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा सुचिता किरण, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, डीडीएमओ शक्ति कुमार, नोडल पदाधिकारी पंकज दुबे सहित सभी बीडीओ और अंचलाधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

मूल्य संवर्धित इस्पात के क्षेत्र में बीएसएल की बड़ी उपलब्धि, चार नए ग्रेड्स को मिला बीआईएस प्रमाणन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) की प्रमुख इकाई बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल) ने अपने मूल्य संवर्धित इस्पात (वैल्यू एडेड स्टील) पोर्टफोलियो को सशक्त बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर पार किया है। आईएस 513 (भाग 2) के तहत आईएससी 410 ग्रेड तक उपलब्ध मौजूदा बीआईएस लाइसेंस का विस्तार करते हुए, संयंत्र को अब इसी मानक के अंतर्गत आईएससी 440 एलए, आईएससी 470 एलए, आईएससी 510 एलए और आईएससी 550 एलए ग्रेड के लिए भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), जमशेदपुर से औपचारिक स्वीकृति प्राप्त हुई है।

ऑटोमोटिव और हैवी इंजीनियरिंग को मिलेगी मजबूती-यह स्वीकृति बीएसएल में उत्पादित हाई स्ट्रेंथ लो अलॉय (एचएसएलए) कोल्ड रोल्ड स्टील ग्रेड के मानकीकरण की दिशा में एक बड़ी प्रगति है। आईएससी एलए सीरीज के इन नए ग्रेड्स को उच्च तन्य शक्ति, बेहतर फॉर्मेबिलिटी और उत्कृष्ट वेल्डेबिलिटी के लिए तकनीकी रूप से उन्नत बनाया गया है। ये विशेषताएं उन्हें ऑटोमोटिव और हैवी इंजीनियरिंग उद्योगों के लिए विशेष रूप से उपयुक्त बनाती हैं, जहां संरचनात्मक मजबूती और वजन अनुकूलन जैसे मानक अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं।

निदेशक प्रभारी ने सराहा टीम का प्रयास-बीएसएल के निदेशक प्रभारी प्रिय रंजन ने इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह सफलता उत्पाद की गुणवत्ता और प्रोडक्ट मिक्स में सुधार लाने के सेल के रणनीतिक विजन के अनुरूप है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इससे घरेलू इस्पात बाजार की बदलती जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी। वहीं, अधिशासी निदेशक (संकार्य) अनुप कुमार दत्त ने इस सफलता का श्रेय संयंत्र की बहु-विषयक टीमों के समर्पित और समन्वित प्रयासों को दिया।

आत्मनिर्भर भारत की दिशा में बढ़ते कदम-इन विशिष्ट ग्रेड्स को बीआईएस मानक में शामिल किए जाने से राष्ट्रीय स्तर पर इनकी स्वीकार्यता और मांग में वृद्धि होगी। यह विकास न केवल आयात पर निर्भरता कम करेगा, बल्कि भारत सरकार की आत्मनिर्भर भारत जैसी पहलों के अंतर्गत स्वदेशी विनिर्माण को भी बढ़ावा देगा। इस उपलब्धि के साथ बीएसएल ने उन्नत स्टील ग्रेड के क्षेत्र में अपनी प्रतिस्पर्धी शक्ति को और मजबूत किया है, जिससे ग्राहकों को अब विश्व स्तरीय स्वदेशी समाधान उपलब्ध हो सकेंगे।

मनुष्य का परम कर्तव्य ईश्वर की आराधना एवं साधना करना है:दुर्गेश नंदन जी महाराज

राष्ट्रीय मुख्यधारा

दुमका: दुमका के रामगढ़ प्रखंड अंतर्गत ठाडीहाट मे श्री शिव महापुराण कथा के पांचवें दिन का आयोजन सोमवार को किया गया। कथा पंडाल में दिन प्रतिदिन श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ती ही जा रही है। श्रद्धालु अपने आवश्यक काम को ससमय संपन्न कर कथा पंडाल पहुंचकर श्री शिव महापुराण कथा का श्रवण कर रहे हैं। कथा वाचन के दौरान दुर्गेश नंदन जी महाराज ने बताया कि सनातन धर्म में मनुष्य के जन्म से लेकर मृत्यु तक 16 महत्वपूर्ण संस्कार बताए गए हैं, जो जीवन को अनुशासित, पवित्र और आध्यात्मिक रूप से उन्नत बनाते हैं।16 संस्कारों में से विवाह संस्कार अति महत्वपूर्ण माना गया है। कथा व्यास दुर्गेश नंदन जी महाराज ने बताया कि गृहस्थ जीवन में विवाह एक अत्यंत महत्वपूर्ण और आधारभूत संस्कार है, जो सामाजिक स्थिरता, भावनात्मक सुरक्षा और सांस्कृतिक निरंतरता के लिए आवश्यक है। यह न केवल परिवार का निर्माण करता है, बल्कि व्यक्ति को नैतिक रूप से संतानोत्पत्ति, सामाजिक दायित्वों और आपसी सहयोग के माध्यम से परिपक्वता की ओर ले जाता है, साथ ही यह मानसिक, आर्थिक और आध्यात्मिक विकास में भी सहायता करता है।कथा व्यास ने विवाह को लेकर शिव पार्वती के विवाह के प्रसंग का उदाहरण देकर बड़े ही अद्भुत शैली में श्रद्धालुओं को समझाया।

कथा के दौरान दुर्गेश नंदन जी महाराज ने प्रकृति और परमात्मा के संबंध को स्पष्ट किया। उन्होंने बताया कि माता भवानी ने भगवान शिव से कहा कि कर्म की शक्ति ही प्रकृति कहलाती है। इसी से सृष्टि की उत्पत्ति, पालन तथा संहार होता है। प्राणी मात्र प्रकृति के प्रभाव से ही ईश्वर की उपासना, अर्चना और ध्यान करते हैं।उन्होंने आगे कहा कि योगेश्वर भगवान शिव ने गिरिराज हिमालय और माता पार्वती की इच्छा का सम्मान किया। उन्होंने उन्हें अपनी सेवा में स्थान दिया। इससे यह शिक्षा मिलती है कि मनुष्य का परम कर्तव्य ईश्वर की आराधना एवं साधना करना है।कथा व्यास ने यह भी बताया कि प्रत्येक व्यक्ति को ईश्वर से प्राप्त शक्ति और प्रेरणा को अपने जीवन में उतारना चाहिए। यही सच्चा धर्म और जीवन की दिशा है।

कथा स्थल पर भक्ति और श्रद्धा का अद्भुत वातावरण बना रहा। श्रोताओं ने कथा के दिव्य प्रसंगों में भावविभोर होकर भक्ति रस का आनंद लिया। मौके पर समस्त ठाडीहाट ग्राम वासियों का सहयोग रहा।

पेयजल योजनाओं की समीक्षा, खराब चापानलों को जल्द दुरुस्त करने का निर्देश

राष्ट्रीय मुख्यधारा

दुमका: उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में पेयजल योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में हर घर जल योजना सहित जिले में संचालित विभिन्न पेयजल योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि सभी योजनाओं को निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा किया जाए और पूर्ण हो चुकी योजनाओं को शीघ्र हैंडओवर किया जाए, ताकि लोगों को उसका लाभ मिल सके।

गर्मी को देखते हुए उपायुक्त ने खराब पड़े चापानलों की पहचान कर उन्हें प्राथमिकता के आधार पर जल्द दुरुस्त करने का निर्देश दिया। इसके लिए जूनियर इंजीनियरों को प्रखंड विकास पदाधिकारियों के साथ समन्वय कर सर्वे करने को कहा गया। साथ ही पेयजल संबंधी शिकायतों के त्वरित निवारण के लिए इंटीग्रेटेड कंट्रोल रूम बनाने का निर्देश दिया गया। बैठक में योजनाओं की गुणवत्ता बनाए रखने और लापरवाही बरतने वाले संवेदकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की भी बात कही गई।

फूलो-झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल का औचक निरीक्षण, अव्यवस्था पर जताई नाराजगी

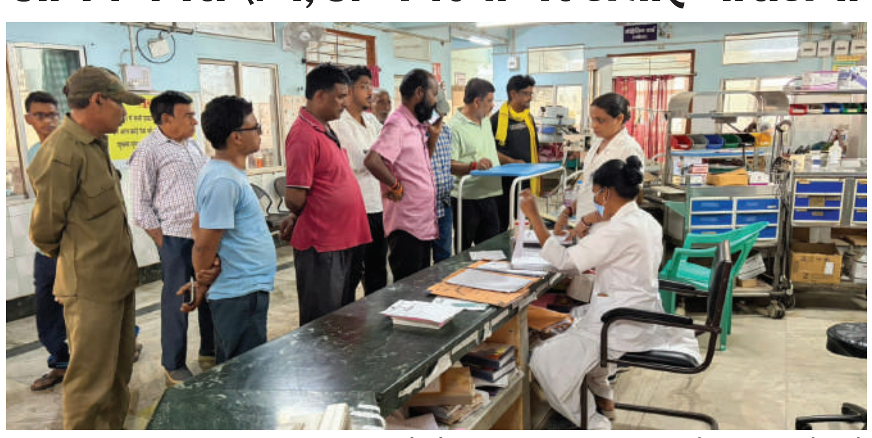

राष्ट्रीय मुख्यधारा

दुमका: दुमका नगर पालिका के नवनिर्वाचित अध्यक्ष अभिषेक चौरसिया ने सोमवार को फूलो-झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल परिसर में गंदगी और अव्यवस्था देखकर उन्होंने नाराजगी जताई। कई कार्यालयों में ताला लटका मिला और मौके पर कोई वरीय पदाधिकारी या प्रबंधक मौजूद नहीं था।

अस्पताल में मौजूद मरीजों और परिजनों ने भी इलाज में लापरवाही, सफाई की कमी और व्यवस्थागत समस्याओं की शिकायत की। इस पर अध्यक्ष अभिषेक चौरसिया ने कहा कि अस्पताल के कर्मचारियों को समय पर उपस्थित होकर अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिलना उनका अधिकार है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने व्यवस्था में सुधार लाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

चौकीदारों के प्रशिक्षण को लेकर प्रशासन की बैठक, दिए गए आवश्यक निर्देश

राष्ट्रीय मुख्यधारा

गोड्डा: जिले में कार्यरत चौकीदारों के प्रशिक्षण कार्यक्रम को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से सोमवार को पुलिस लाइन सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की संयुक्त अध्यक्षता उपायुक्त अंजली यादव और पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार ने की।

बैठक में चौकीदारों को व्यवस्थित और प्रभावी ढंग से प्रशिक्षण देने की रूपरेखा पर चर्चा की गई। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि चौकीदारों को उनके दायित्वों, कर्तव्यों और प्रशासनिक व्यवस्था में उनकी भूमिका के बारे में समुचित प्रशिक्षण दिया जाए।

वहीं पुलिस अधीक्षक ने कहा कि चौकीदार ग्रामीण क्षेत्रों में पुलिस और प्रशासन के बीच अहम कड़ी होते हैं। प्रशिक्षण के दौरान कानून-व्यवस्था, सूचना संकलन, आपदा की स्थिति में सहयोग और संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी देने जैसे विषयों पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया गया। बैठक में प्रशिक्षण कार्यक्रम को निर्धारित समय-सीमा में पूरा कराने पर भी जोर दिया गया।

राजस्व विभाग की समीक्षा में डीसी सख्त, लंबित मामलों के जल्द निष्पादन का निर्देश

राष्ट्रीय मुख्यधारा

गोड्डा: समाहरणालय स्थित सभागार में सोमवार को जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त अंजली यादव की अध्यक्षता में राजस्व विभाग से जुड़े विभिन्न विभागों की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में राजस्व से संबंधित कार्यों की प्रगति की गहन समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने अधिकारियों को लंबित मामलों के त्वरित और पारदर्शी निष्पादन के सख्त निर्देश दिए।

समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने भू-राजस्व, परिवहन, सहकारिता, उत्पाद, निबंधन, खनन, मत्स्य, नगर परिषद एवं लघु सिंचाई विभाग सहित कई विभागों के कार्यों की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि आम लोगों से जुड़े राजस्व मामलों में अनावश्यक विलंब किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होगा और सभी मामलों का समयबद्ध निपटारा सुनिश्चित किया जाए।

बैठक में भूमि सीमांकन, अवैध जमाबंदी और अतिक्रमण से जुड़े मामलों के शीघ्र निष्पादन पर विशेष जोर दिया गया। वहीं परिवहन विभाग को वाहन कर वसूली में तेजी लाने तथा अवैध परिवहन पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। उत्पाद विभाग को अवैध शराब के निर्माण और बिक्री पर निगरानी बढ़ाने तथा नियमित छापेमारी अभियान चलाने को कहा गया।

खनन विभाग की समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने अवैध खनन पर कड़ी कार्रवाई करने तथा राजस्व की वसूली सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही नगर परिषद के कार्यों की समीक्षा करते हुए नगर क्षेत्रों में राजस्व संग्रहण, साफ-सफाई व्यवस्था और विकास कार्यों की प्रगति की जानकारी ली गई।

बैठक में अपर समाहर्ता प्रेमलता मुर्मू, एसडीओ गोड्डा बैद्यनाथ उरांव, एसडीओ महागामा आलोक वरण केसरी, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी रितेश जयसवाल, जिला परिवहन पदाधिकारी कंचन कुमारी भुदोलिया सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

रजरप्पा मंदिर में श्रद्धालु से मारपीट का वीडियो वायरल, चार जैप जवान और एक गृह रक्षक निलंबित

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रजरप्पा : झारखंड के प्रसिद्ध सिद्धपीठ रजरप्पा मंदिर परिसर में श्रद्धालु के साथ कथित मारपीट का मामला सामने आने के बाद प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई की है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद रामगढ़ एसपी ने चार जैप जवान और एक होमगार्ड को निलंबित कर दिया है। साथ ही मंदिर में तैनात इन सुरक्षाकर्मियों को हटाकर दूसरे जवानों की ड्यूटी लगा दी गयी है। मिली जानकारी के अनुसार जमशेदपुर के आदित्यपुर क्षेत्र से आए कुछ श्रद्धालु रविवार को मां छिन्नमस्तिके के दर्शन के लिए रजरप्पा मंदिर पहुंचे थे। उस दिन मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ थी। बताया जाता है कि दर्शन के लिए लगी लंबी कतार से बचने के लिए कुछ लोग निकासी मार्ग से अंदर जाने का प्रयास कर रहे थे। इसी बात को लेकर वहां ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों और श्रद्धालुओं के बीच विवाद हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बहस के दौरान स्थिति अचानक बिगड़ गयी और पुलिसकर्मियों ने एक श्रद्धालु के साथ हाथापाई कर दी। इस दौरान उसकी पत्नी और मां भी मौके पर मौजूद थीं और उसे बचाने की कोशिश करती रहीं। आसपास मौजूद लोगों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया। घटना के दौरान किसी व्यक्ति ने अपने मोबाइल फोन से पूरा घटनाक्रम रिकॉर्ड कर लिया, जो सोमवार को सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस प्रशासन सक्रिय हो गया। रामगढ़ के पुलिस अधीक्षक अजय कुमार ने मामले को गंभीरता से लेते हुए स्वयं रजरप्पा मंदिर पहुंचकर जांच की। उन्होंने मंदिर के पुजारियों, स्थानीय दुकानदारों और पुलिसकर्मियों से पूछताछ कर पूरी जानकारी ली। प्रारंभिक जांच के बाद जैप के चार जवान श्यामलाल महतो, राधेश्याम कुजूर, बहादुर उरांव, जॉनसन सुरीन तथा गृह रक्षक सिकंदर यादव को निलंबित कर दिया गया। एसपी ने बताया कि रविवार होने के कारण मंदिर में करीब 15 से 20 हजार श्रद्धालु पहुंचे थे, जिससे व्यवस्था बनाए रखने में दबाव था। फिलहाल मामले की विस्तृत जांच की जा रही है। घटना को लेकर स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं में भी नाराजगी देखी जा रही है। मौके पर मुख्यालय डीएसपी चंदन कुमार वत्स, चितरपुर सीओ दीपक मिंज, रजरप्पा थाना प्रभारी कृष्ण कुमार सहित कई मौजूद थे।

पेट्रोल डीजल की तस्करी निर्बाध रूप से जारी,प्रशासन मौन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

गोला: पिछले दिनों सड़क किनारे खड़े वाहनों से पेट्रोल और डीजल चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करने के बावजूद इस धंधे को अंजाम दिया जा रहा है। एनएच 23 के चोपादारु के एक होटल के पीछे गिरोह द्वारा मार्ग से गुजरने वाले टैंकर से रोजाना पेट्रोल और डीजल को अवैध तरीके से निकाल कर इसकी तस्करी की जा रही है। पुलिस द्वारा लगातार कार्रवाई करने के बावजूद गिरोह में शामिल लोग धड़ल्ले से अवैध कारोबार में लगे हैं। बताया जाता है कि रात तो रात दिन के उजाले में भी टैंकर से तेल निकाल कर गोला के तस्करों के बीच सप्लाई की जाती है। जानकारों ने बताया कि एक लीटर पेट्रोल की कीमत 70 से 75 रुपए और डीजल 60 से 70 रुपए प्रति लीटर बेचा जाता है। बताया जाता है कि इस धंधे को रामगढ़ के एक व्यक्ति द्वारा संचालित किया जा रहा है। इस संबंध में थाना प्रभारी अभिषेक कुमार ने कहा कि अगर इस तरह का कोई अवैध धंधा करता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

सभी विभागों को राजस्व संग्रहण में तेज़ी लाने के निर्देश

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पलामू: उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी समीरा एस ने सोमवार को राजस्व से जुड़े विभिन्न विभागों की समीक्षा बैठक कर राजस्व संग्रहण की स्थिति का जायजा लिया। बैठक में चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए निर्धारित लक्ष्य के मुकाबले अब तक हुई वसूली की विस्तृत जानकारी ली गई और सभी विभागों को राजस्व संग्रहण में तेजी लाने का निर्देश दिया गया।

खनन विभाग की समीक्षा के दौरान बताया गया कि विभाग को 58433.31 लाख रुपये का वार्षिक लक्ष्य मिला है, जिसके विरुद्ध अब तक 14517.10 लाख रुपये की वसूली हुई है। इस पर उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी समीरा एस ने खान निरीक्षक को राजस्व वसूली में तेजी लाने और अगली बैठक में रॉयल्टी व पेनाल्टी का अलग-अलग विवरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

परिवहन विभाग की समीक्षा में पाया गया कि विभाग को 7608.30 लाख रुपये की वसूली का लक्ष्य दिया गया था, जिसके विरुद्ध अब तक 7587.61 लाख रुपये की वसूली हो चुकी है। वहीं मोटरयान निरीक्षक पलामू को 449 लाख रुपये के लक्ष्य के मुकाबले 296.08 लाख रुपये की वसूली हुई है। उत्पाद विभाग की समीक्षा के दौरान उत्पाद अधीक्षक ने जानकारी दी कि विभाग को 16759.50 लाख रुपये का लक्ष्य दिया गया था, जिसके विरुद्ध फरवरी तक 14812.88 लाख रुपये की वसूली की जा चुकी है।

बैठक में मेदिनीनगर नगर निगम के राजस्व संग्रहण की भी समीक्षा की गई। निगम को 1560.55 लाख रुपये का लक्ष्य दिया गया है, जिसके विरुद्ध अब तक 1185.76 लाख रुपये की वसूली हुई है। इसके अलावा अवर निबंधन, राष्ट्रीय बचत और विद्युत आपूर्ति विभाग की भी समीक्षा करते हुए सभी संबंधित अधिकारियों को शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति के लिए कार्य योजना बनाकर काम करने का निर्देश दिया गया।

बैठक के दौरान भू-लगान, निबंधन, दाखिल-खारिज, सक्सेशन म्यूटेशन, पार्टीशन म्यूटेशन और भूमि सीमांकन की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी समीरा एस ने सभी अंचल अधिकारियों को म्यूटेशन से जुड़े मामलों का निर्धारित समय सीमा में निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इसके साथ ही प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित लोगों को सहायता राशि स्वीकृति, ई-रेवेन्यू कोर्ट की स्थिति, भूमि सीमांकन और झारखंड लगान संग्रहण की भी समीक्षा की गई।

बैठक में अपर समाहर्ता कुंदन कुमार, हुसैनाबाद एसडीओ, सहायक समाहर्ता, तीनों भूमि सुधार उप समाहर्ता, सभी अंचल अधिकारी सहित संबंधित विभागों के अन्य अधिकारी मौजूद थे।

ट्रंप के मूड की तलवार

इस दौर में अमेरिका के साथ हुए हर समझौते के टिकाऊपन पर हमेशा राष्ट्रपति ट्रंप के मूड की तलवार लटकी रहती है। फिर अमेरिका के भीतर स्थितियां अस्थिर हैं। ट्रंप के कदमों पर वहां राजनीतिक आम सहमति नहीं है। अमेरिका ने अब भारत से सौर ऊर्जा से संबंधित पाट-पुर्जों के आयात पर 126 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया है। इसे भारत के फूलते-फलते सौर उद्योग पर घातक प्रहार समझा गया है। डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन ने ये कदम उस समय उठाया, जब अमेरिका में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद टैरिफ वॉर के स्वरूप को लेकर अनिश्चय है। ट्रंप ने जिस कानून के तहत दंडात्मक आयात शुल्क लगाए थे, सुप्रीम कोर्ट ने उसे अवैध ठहरा दिया है। उसके बाद ट्रंप ने दूसरे कानून के तहत सभी देशों पर दस फीसदी टैरिफ लगाया। बाद में कहा गया कि वे इसे 15 फीसदी तक ले जाएंगे। अब बताया गया है कि आम टैरिफ 10 फीसदी रहेगा और ट्रंप बाकी पांच फीसदी का इस्तेमाल विभिन्न देशों के रुख के हिसाब से करेंगे। इस बीच अलग-अलग उत्पादों (मसलन स्टील) पर लगाए गए शुल्क जारी रहेंगे और नए शुल्क भी ट्रंप लगाते रहेंगे, जैसाकि अब उन्होंने सौर ऊर्जा से संबंधित पाट-पुर्जों पर लगाया है। ऐसे में भारत सहित हर देश के सामने यह प्रश्न है कि ट्रंप प्रशासन से द्विपक्षीय व्यापार समझौता करना का क्या औचित्य है? किसी समझौते के तहत हुई लेनदेन से देश के अधिकांश उद्योगों और अर्थव्यवस्था के ज्यादातर क्षेत्रों को लाभ ना हो रहा हो, तो वैसा समझौता करने की ललक क्यों दिखाई जानी चाहिए? मुद्दा यह भी है कि इस दौर में अमेरिका के साथ हुए समझौते के टिकाऊपन पर हमेशा ट्रंप के मूड की तलवार लटकी रहती है। फिर अमेरिका के भीतर स्थितियां अस्थिर हैं। ट्रंप जो कर रहे हैं, उस पर वहां राजनीतिक आम सहमति नहीं है। सुप्रीम कोर्ट के हालिया निर्णय जाहिर हुआ है कि शासन की सभी संस्थाओं के बीच उन कदमों की वैधानिकता पर आम समझ का अभाव है। इसलिए भारत सरकार को ताजा स्थितियों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। अभी भी समय है कि वह पहले इस बारे में देश को भरोसे में ले और राजनीतिक आम सहमति तैयार करे। वरना, समझौते के प्रति उसके उत्साह पर सवाल उठते रहेंगे।

भारत की औद्योगिक सुरक्षा का सशक्त प्रहरी सीआईएसएफ

कांतिलाल मांडोत

भारत के विकास की गति केवल आर्थिक योजनाओं और औद्योगिक विस्तार से तय नहीं होती बल्कि उन संस्थानों की सुरक्षा से भी तय होती है जो देश की आर्थिक शक्ति के आधार हैं। किसी भी राष्ट्र की प्रगति तभी स्थायी और सुरक्षित हो सकती है जब उसके महत्वपूर्ण प्रतिष्ठान पूरी तरह सुरक्षित हों। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की स्थापना की गई। यह बल आज देश की औद्योगिक संरचना की सुरक्षा का सबसे मजबूत आधार बन चुका है और राष्ट्रीय विकास को सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। सीआईएसएफ का स्थापना दिवस प्रतिवर्ष 10 मार्च को मनाया जाता है। यह दिन उन हजारों जवानों के साहस अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा को सम्मान देने का अवसर है जो देश के महत्वपूर्ण संस्थानों की सुरक्षा में निरंतर कार्य कर रहे हैं। वर्ष 2025 में 56वां स्थापना दिवस तमिलनाडु के थक्कोलम में आयोजित किया गया जिसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह तथा केंद्रीय मंत्री एल मुरुगन सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

सीआईएसएफ की स्थापना 10 मार्च 1969 को संसद द्वारा पारित कानून के अंतर्गत की गई थी। उस समय देश में सार्वजनिक क्षेत्र के औद्योगिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा की आवश्यकता तेजी से महसूस की जा रही थी। प्रारंभ में इस बल में केवल तीन बटालियन और लगभग 2800 कर्मी थे। उस समय इसकी भूमिका सीमित थी लेकिन इसका उद्देश्य स्पष्ट था कि देश की औद्योगिक और रणनीतिक संपत्तियों को सुरक्षित रखा जाए। समय के साथ भारत के औद्योगिक क्षेत्र में तेजी से विस्तार हुआ और उसके साथ ही सीआईएसएफ की जिम्मेदारियां भी बढ़ती चली गईं। आज यह बल लगभग दो लाख कर्मियों की शक्ति के साथ देश के सबसे महत्वपूर्ण सुरक्षा संगठनों में शामिल हो चुका है। यह बल देश के 70 से अधिक हवाई अड्डों और सैकड़ों महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा में तैनात है। इसकी कार्यक्षमता और अनुशासन के कारण इसे राष्ट्रीय सुरक्षा तंत्र का एक मजबूत स्तंभ माना जाता है। सीआईएसएफ की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका देश के औद्योगिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा करना है। भारत के पेट्रोलियम संयंत्र इस्पात उद्योग कोयला खदान और ऊर्जा केंद्र देश की आर्थिक रीढ़ हैं। इन प्रतिष्ठानों की सुरक्षा सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है क्योंकि इन पर किसी भी प्रकार का खतरा राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकता है। सीआईएसएफ के प्रशिक्षित जवान इन क्षेत्रों में चौबीसों घंटे सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखते हैं और किसी भी संभावित खतरे को रोकने का कार्य करते हैं। यह बल देश के परमाणु ऊर्जा संयंत्रों और अंतरिक्ष अनुसंधान केंद्रों की सुरक्षा भी करता है। ऐसे संस्थान राष्ट्रीय सुरक्षा और वैज्ञानिक प्रगति के दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। सीआईएसएफ आधुनिक निगरानी प्रणाली तकनीकी उपकरणों और विशेष प्रशिक्षण के माध्यम से इन संस्थानों की सुरक्षा सुनिश्चित करता है। हवाई अड्डों की सुरक्षा में भी सीआईएसएफ की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। विमानन क्षेत्र में सुरक्षा सबसे संवेदनशील विषयों में से एक है क्योंकि यह सीधे लाखों यात्रियों की सुरक्षा से जुड़ा होता है। सीआईएसएफ के जवान यात्रियों की जांच सामान की स्कैनिंग और परिसर की निगरानी जैसे कार्यों को अत्यंत सावधानी और अनुशासन के साथ निभाते हैं। इसी प्रकार मेट्रो रेल नेटवर्क की सुरक्षा भी सीआईएसएफ की जिम्मेदारी का महत्वपूर्ण हिस्सा है। भारत के कई महानगरों में लाखों लोग प्रतिदिन मेट्रो सेवाओं का उपयोग करते हैं। ऐसी स्थिति में यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक हो जाता है। सीआईएसएफ के जवान मेट्रो स्टेशनों और ट्रेनों में सतर्कता के साथ सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखते हैं और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई करते हैं। सीआईएसएफ केवल औद्योगिक और परिवहन प्रतिष्ठानों की सुरक्षा तक सीमित नहीं है बल्कि यह देश की सांस्कृतिक धरोहरों और महत्वपूर्ण सरकारी भवनों की सुरक्षा भी करता है। विश्व प्रसिद्ध स्मारक ताजमहल सहित कई ऐतिहासिक स्थलों की सुरक्षा में

भी सीआईएसएफ की महत्वपूर्ण भूमिका है। यह बल पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ साथ राष्ट्रीय धरोहरों की रक्षा का कार्य भी करता है। समय के साथ बदलती सुरक्षा चुनौतियों को देखते हुए सीआईएसएफ ने स्वयं को आधुनिक तकनीक से सशक्त बनाया है। ड्रोन निगरानी डिजिटल सुरक्षा प्रणाली और आधुनिक हथियारों के उपयोग के माध्यम से यह बल अपनी क्षमता को लगातार बढ़ा रहा है। सुरक्षा के क्षेत्र में नई तकनीकों को अपनाने के कारण यह बल आधुनिक चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना करने में सक्षम बन रहा है। सरकार ने सीआईएसएफ को हाइब्रिड मॉडल के माध्यम से और अधिक मजबूत बनाने का प्रयास किया है। इस मॉडल के अंतर्गत अब निजी औद्योगिक संस्थानों को भी सुरक्षा प्रदान करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इससे देश के औद्योगिक ढांचे की सुरक्षा और अधिक व्यापक और मजबूत हो सकेगी। सीआईएसएफ के जवानों का प्रशिक्षण भी अत्यंत कठोर और व्यवस्थित होता है। भर्ती प्रक्रिया में शारीरिक दक्षता को विशेष महत्व दिया जाता है ताकि जवान हर परिस्थिति में सक्षम और सक्रिय रह सकें। नियमित प्रशिक्षण और अभ्यास के माध्यम से उन्हें आधुनिक सुरक्षा तकनीकों और आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए तैयार किया जाता है। देश की आंतरिक सुरक्षा में भी सीआईएसएफ का योगदान महत्वपूर्ण रहा है। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा बलों के साथ समन्वय कर इसने कई अभियानों में सहयोग दिया है। राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत बनाने में इस बल की सक्रिय भूमिका ने इसे एक विश्वसनीय सुरक्षा संस्था के रूप में स्थापित किया है। सीआईएसएफ का आदर्श वाक्य संरक्षण और सुरक्षा है। यह केवल एक नारा नहीं बल्कि बल के प्रत्येक जवान की कार्य भावना का प्रतीक है। सीआईएसएफ के जवान हर परिस्थिति में राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हैं। उनके साहस अनुशासन और समर्पण के कारण ही देश की महत्वपूर्ण परिसंपत्तियां सुरक्षित रह पाती हैं। भारत ने वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए औद्योगिक विकास और आर्थिक विस्तार अत्यंत आवश्यक है। ऐसे में देश के औद्योगिक और रणनीतिक संस्थानों की सुरक्षा की जिम्मेदारी निभाने वाला एक मजबूत सुरक्षा बल भी उतना ही आवश्यक है। सीआईएसएफ इस दिशा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह बल न केवल औद्योगिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा सुनिश्चित कर रहा है बल्कि राष्ट्रीय विकास को सुरक्षित बनाने में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। अंततः यह कहा जा सकता है कि सीआईएसएफ भारत की औद्योगिक सुरक्षा का एक मजबूत स्तंभ है। स्थापना के समय सीमित संसाधनों से शुरू हुआ यह बल आज देश की सुरक्षा व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। अनुशासन साहस और समर्पण की भावना से प्रेरित इसके जवान राष्ट्र की सेवा में निरंतर कार्य कर रहे हैं और भारत के विकास को सुरक्षित और स्थिर बनाए रखने में अपनी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभा रहे हैं।

जेडीयू में निशांत की एंट्री परिवारवाद या सियासी जरूरत?

अजय कुमार,

बिहार की राजनीति में कभी-कभी ऐसे मोड़ आते हैं जो केवल एक व्यक्ति की एंट्री नहीं, बल्कि पूरे राजनीतिक ढांचे की दिशा बदलने की क्षमता रखते हैं। जनता दल यूनाइटेड में निशांत कुमार का औपचारिक प्रवेश भी ऐसा ही एक क्षण है। लंबे समय तक राजनीति से दूरी बनाए रखने वाले बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे का पार्टी की सदस्यता लेना महज पारिवारिक घटना नहीं है, बल्कि उस राजनीतिक युग के अंत और दूसरे युग की शुरुआत का संकेत भी माना जा रहा है जिसमें जेडीयू की पहचान पूरी तरह नीतीश कुमार के व्यक्तित्व से जुड़ी रही है।करीब दो दशकों तक बिहार की राजनीति में नीतीश कुमार निर्णायक भूमिका में रहे। 2005 में जब उन्होंने सत्ता संभाली तो राज्य की पहचान अव्यवस्था, अपराध और कमजोर बुनियादी ढांचे से जुड़ी हुई थी। उसके बाद सड़क, बिजली, शिक्षा और महिला सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में कई योजनाएं लागू की गईं। पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण, साइकिल योजना और छात्रवृत्ति कार्यक्रम जैसे फैसलों ने उन्हें "सुशासन बाबू" की छवि दी। 2010 के विधानसभा चुनाव में जेडीयू ने 115 सीटें जीतकर अपने राजनीतिक चरम को छुआ था। लेकिन समय के साथ समीकरण बदले। 2020 के चुनाव में पार्टी 43–45 सीटों तक सिमट गई। हालांकि 2025 के विधानसभा चुनाव में जेडीयू ने लगभग 85 सीटें जीतकर वापसी की, फिर भी यह स्पष्ट हो गया कि पार्टी की ताकत अब पहले जैसी नहीं रही।इसी पृष्ठभूमि में निशांत कुमार का राजनीति में आना महत्व रखता है। 40 वर्ष के इंजीनियर निशांत अब तक सार्वजनिक जीवन से दूर रहे। उनका स्वभाव अंतर्मुखी बताया जाता रहा है और वे लंबे समय तक आध्यात्मिक रुचियों में व्यस्त रहने के कारण भी चर्चा में रहे। ऐसे व्यक्ति का अचानक सक्रिय राजनीति में उतरना स्वाभाविक रूप से जिज्ञासा और संदेह दोनों पैदा करता है। लेकिन राजनीति में अक्सर परिस्थितियां व्यक्ति को आगे धकेल देती हैं। जेडीयू भी उसी दौर से गुजर रही है जहां संगठन को भविष्य का चेहरा चाहिए।

बिहार की राजनीति में क्षेत्रीय दलों का अनुभव बताता है कि जब कोई पार्टी लंबे समय तक एक नेता पर निर्भर रहती है तो उसके बाद नेतृत्व का संकट पैदा हो जाता है। राष्ट्रीय जनता दल में लालू प्रसाद यादव के बाद तेजस्वी यादव का उभार इसी कारण हुआ। समाजवादी पार्टी में मुलायम सिंह यादव के बाद अखिलेश यादव का नेतृत्व सामने आया। तमिलनाडु में करुणानिधि के बाद एम.के. स्टालिन ने पार्टी संभाली। इन उदाहरणों से यह भी स्पष्ट है कि पारिवारिक उत्तराधिकार भारतीय राजनीति की एक स्वीकृत वास्तविकता बन चुका है। यही वजह है कि नीतीश कुमार, जो वर्षों तक परिवारवाद की आलोचना करते रहे, अंततः उसी रास्ते पर चलते दिखाई दिए।जेडीयू का सामाजिक आधार भी इस निर्णय को समझने में मदद करता है। पार्टी की ताकत मुख्यतः कुर्मी, कोइरी और अति पिछड़ा वर्ग के वोटों पर टिकी रही है। 2010 के चुनाव में जेडीयू-भाजपा गठबंधन को लगभग 39 प्रतिशत वोट मिले थे, जिसमें जेडीयू का बड़ा हिस्सा इन वर्गों से आया। लेकिन पिछले कुछ चुनावों में यह आधार धीरे-धीरे खिसकने लगा। भाजपा का प्रभाव बढ़ा और कई इलाकों में उसका संगठन जेडीयू से ज्यादा मजबूत होता गया। राजनीतिक विश्लेषण बताते हैं कि बिहार में भाजपा का वोट प्रतिशत 2010 के लगभग 16–17 प्रतिशत से बढ़कर हाल के वर्षों में 25 प्रतिशत के आसपास पहुंच गया है। ऐसे में जेडीयू के सामने दोहरी चुनौती है अपना सामाजिक आधार बचाना और गठबंधन की राजनीति में अपनी पहचान बनाए रखना।यहीं पर निशांत कुमार की भूमिका अहम हो सकती है। जेडीयू के भीतर यह धारणा बन रही है कि अगर पार्टी के पास नीतीश कुमार के परिवार से कोई चेहरा रहेगा तो संगठन में एकजुटता बनी रहेगी। क्षेत्रीय दलों के इतिहास में यह अक्सर देखा गया है कि करिश्माई नेता के बाद पार्टी बिखर जाती है। बिहार में भी कई छोटे दल इसी कारण खत्म हो गए। इसलिए जेडीयू के नेताओं को लगता है कि निशांत की मौजूदगी कम से कम पार्टी को एक धुरी दे सकती है।

हालांकि चुनौतियां कम नहीं हैं। बिहार की राजनीति में गठबंधन की प्रकृति बेहद जटिल है। भाजपा और जेडीयू का रिश्ता पिछले डेढ़ दशक में कई बार टूटा और जुड़ा है। 2013 में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को लेकर दोनों दल अलग हुए। 2017 में फिर साथ आए। 2022 में जेडीयू ने महागठबंधन का रास्ता चुना और 2024 में एक बार फिर एनडीए में लौट आई। इन उतार-चढ़ावों ने जेडीयू के कार्यकर्ताओं और मतदाताओं के बीच भी असमंजस पैदा किया। अगर भविष्य में भाजपा बिहार में अपना मुख्यमंत्री चेहरा आगे बढ़ाती है तो जेडीयू का राजनीतिक महत्व और घट सकता है।निशांत कुमार को इसी परिस्थिति में अपनी पहचान बनानी होगी। उनके सामने पहला काम संगठन को मजबूत करना होगा। जेडीयू के पास आज भी कई अनुभवी नेता हैं, लेकिन उनमें से अधिकांश की पहचान क्षेत्रीय स्तर तक सीमित है। यदि युवा नेतृत्व को आगे लाकर संगठन में नई ऊर्जा भरी जाती है तो पार्टी को लाभ हो सकता है। बताया जा रहा है कि युवा विधायकों और करीबी सहयोगियों की एक टीम पहले से तैयार की जा रही है जो राजनीतिक प्रशिक्षण और रणनीति में निशांत की मदद करेगी।इतिहास बताता है कि राजनीति में शुरुआती छवि अंतिम नहीं होती। ओडिशा के नवीन पटनायक इसका उदाहरण हैं। 1997 में जब वे राजनीति में आए थे तो उन्हें भी अनुभवहीन और संकोची कहा जाता था। लेकिन कुछ ही वर्षों में उन्होंने अपनी शैली विकसित की और 24 साल तक राज्य के मुख्यमंत्री रहे। बिहार की परिस्थितियां अलग जरूर हैं, पर यह भी सच है कि राजनीति में धैर्य और समय बहुत कुछ बदल देते हैं।

फिलहाल निशांत कुमार के सामने सबसे बड़ी कसौटी यही है कि वे खुद को केवल "नीतीश कुमार के बेटे" से आगे साबित करें। अगर वे संगठन में संवाद बढ़ा सके, सामाजिक आधार को मजबूत कर सके और गठबंधन की राजनीति में संतुलन बना सके तो जेडीयू को नई दिशा मिल सकती है। लेकिन अगर वे केवल प्रतीकात्मक नेता बनकर रह गए तो पार्टी के भीतर खींचतान बढ़ना तय है।बिहार की राजनीति हमेशा व्यक्तित्वों के इर्द-गिर्द घूमती रही है। लालू प्रसाद यादव, नीतीश कुमार और अब तेजस्वी यादव इन सभी ने अपने-अपने दौर में राज्य की राजनीति को दिशा दी है। निशांत कुमार का राजनीतिक सफर अभी शुरू हुआ है। यह कहना जल्दबाजी होगी कि वे अपने पिता की विरासत संभाल पाएंगे या नहीं। लेकिन इतना तय है कि उनकी एंट्री ने बिहार की राजनीति में एक नई बहस और नई प्रतीक्षा जरूर पैदा कर दी है। आने वाले वर्षों में यह साफ होगा कि यह कदम जेडीयू को स्थिरता देगा या पार्टी को एक नए संघर्ष के दौर में ले जाएगा।

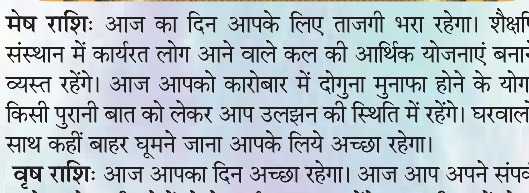

मेष राशि: आज का दिन आपके लिए ताजगी भरा रहेगा। शैक्षणिक संस्थान में कार्यरत लोग आने वाले कल की आर्थिक योजनाएं बनाने में व्यस्त रहेंगे। आज आपको कारोबार में दोगुना मुनाफा होने के योग है। किसी पुरानी बात को लेकर आप उलझन की स्थिति में रहेंगे। घरवालों के साथ कहीं बाहर घूमने जाना आपके लिये अच्छा रहेगा।

वृष राशि: आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आप अपने संपर्क में आने वाले सभी लोगों से प्रेमपूर्ण व्यवहार करेंगे, आपकी बातों से कुछ लोग प्रभावित होंगे। आर्थिक क्षेत्र में स्थिरता बनी रहेगी। आप दोस्तों के साथ डिनर पर जायेंगे। जो लोग मीडिया से जुड़े है उनके लिए आज का दिन यादगार साबित होगा और कार्यों की प्रशंसा होगी।

मिथुन राशि: आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। किसी व्यक्ति से आपको उम्मीद से अधिक फायदा होगा। घर के किसी काम को पूरा करने में बड़े-बुजुर्ग की राय आपके लिए कारगर साबित होगी। थोड़ी मेहनत से किसी बड़े धन लाभ होने की संभावना है। नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं को आज किसी बड़ी कंपनी में जॉब मिलेगी।

कर्क राशि: आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आप अपने व्यक्तित्व को निखारने का प्रयास करेंगे। खेल कूद से जुड़े लोग अच्छी प्रदर्शन के लिए कुछ नई ट्रिक्स आजमाएंगे। कपड़े का कारोबार कर रहे लोगों को आज बढ़िया मुनाफा हो सकता है। पूर्व में किये गये कार्यों का आज बेहतरीन परिणाम प्राप्त होगा इस राशि वाले छात्रों को आज पढ़ाई पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है

सिंह राशि: आज आपके लिए यादगार रहेगा। आज असंभव सा लगने वाला कार्य आसानी से पूर्ण हो जायेगा। ऑफिस में सीनियर्स आपके काम को देखकर खुश होंगे। लवमेट के लिए आज का दिन अनुकूल रहेगा। माता-पिता आपको बड़ा गिफ्ट देंगे जिससे मन अति प्रसन्न होगा। तकनीकी के क्षेत्र में कार्यरत लोग आगे भविष्य सम्बन्धी योजनाएं बनायेंगे जो आपके लिए फायदेमंद रहेगी साथ ही नई तकनीकि को सीखने का भी प्रयास करेंगे।

कन्या राशि: आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आपका दिन घूमने-फिरने में अधिक बीतेगा। इस राशि के व्यापारी वर्ग को अचानक बड़ा धन लाभ होगा। पैसे का लेन –देन बढ़ने की संभावना है। घर में नए मेहमान के आने घर में उत्सव का माहौल बनेगा। बच्चे आज आपसे किसी खिलौने की मांग कर सकते है। कृषि कार्य से जुड़े लोगों को आज आर्थिक योजनाओं का प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा, जिससे आर्थिक स्थिति सुधरेगी।

तुला राशि: आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आप अपने कार्यक्षेत्र में बेहतर ढंग से काम करने की कोशिश करेंगे आज आपकी मेहनत रंग लाएगी आज व्यवसाय में बढ़िया लाभ होने की सम्भावना है। क़ानूनी क्षेत्र से जुड़े आज किसी महत्ववपूर्ण केस की तैयारी में व्यस्त रहेंगे। बड़ों का सहयोग आपके करियर को आगे बढ़ाने में मदद करेगा।

वृश्चिक राशि: आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आपको अपनी मेहनत का सकारात्मक परिणाम प्राप्त होगा। आज किसी रचनात्मक कार्य में आपका नाम होगा और आपको प्रसिद्धि मिलेगी। आपको आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। आज कुछ समय निकाल कर बच्चों की समस्याएं जरूर सुने और समाधान भी अवश्य निकालें।

धनु राशि: आज आप अपने खर्चे पर कंट्रोल करने की कोशिश करेंगे। विद्यार्थियों को आज अपने टाइम टेबल में बदलाव करने की जरूरत है अलास्य का त्याग करें सफलता अवश्य मिलेगी। आज हर कोई आपकी बातों से प्रभावित होगा। जल्द ही कुछ नई जिम्मेदारियां आपको मिलेगी, जिनको आप अच्छी तरह से निभाएंगे।

मकर राशि : आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज अत्यधिक समय परिवार के साथ बिताएंगे साथ ही घर में विशेष अनुष्ठान करवाने की योजना भी बनायेंगे। आज आपके लिए किसी भी मामले में निर्णय लेने में थोड़ी मुश्किल होगी साथ ही पिता जी की सलाह फायदेमंद साबित होगी। आज आपका मन अध्यात्म की ओर भी रहेगा, आप धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन करवा सकते है।

कुंभ राशि:आज आपका दिन मिला-जुला अनुभव वाला रहेगा। घर पर अचानक ख़ास रिश्तेदार आ सकता है, जिससे घर के माहौल में कुछ अच्छे बदलाव आयेंगे। आज आपको किसी भी तरह के वाद-विवाद से बचने की जरूरत है। किसी से बातचीत करते समय आपको अपनी वाणी पर संयम रखना होगा।

मीन राशि:आज आपका दिन शानदार रहेगा। आपको परिवार से जुड़ी कुछ नई जिम्मेदारियां निभानी पड़ेंगी, जो कि आप अच्छे से संभाल लेंगे। आज आपके बॉस आपके घर डिन्नर पर आ सकते है। दोस्तों की मदद से आपके काम की प्लानिंग सफल होगी।

सावित्रीबाई ज्योतिराव फुले की महिला शिक्षा और सशक्तिकरण में भूमिका

संजय गोस्वामी

सावित्रीबाई ज्योतिराव फुले एक जानी-मानी भारतीय समाज सुधारक, शिक्षाविद और कवि थीं, जिन्होंने उन्नीसवीं सदी में महिलाओं की शिक्षा और उन्हें मज़बूत बनाने में अहम भूमिका निभाई। उस समय की कुछ पढ़ी-लिखी महिलाओं में गिनी जाने वाली सावित्रीबाई को अपने पति ज्योतिराव फुले के साथ पुणे के भिड़े वाडा में पहला लड़कियों का स्कूल खोलने का क्रेडिट दिया जाता है। उन्होंने बाल विधवाओं को पढ़ाने और उनकी आज़ादी के लिए बहुत कोशिश की, बाल विवाह और सती प्रथा के खिलाफ़ कैंपेन चलाया और विधवाओं की दोबारा शादी की वकालत की। महाराष्ट्र के समाज सुधार आंदोलन की एक जानी-मानी हस्ती, उन्हें बी. आर. अंबेडकर और अन्नाभाऊ साठे जैसे लोगों के साथ दलित मांग जाति का आइकॉन माना जाता है। उन्होंने छुआछूत के खिलाफ़ कैंपेन चलाया और जाति और लिंग के आधार पर भेदभाव को खत्म करने में एक्टिव रूप से काम किया। सावित्रीबाई का जन्म 3 जनवरी, 1831 को ब्रिटिश इंडिया के नायगांव (अभी सतारा ज़िले में) में एक किसान परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम खंडोजी नेवेशे पाटिल था और उनकी सबसे बड़ी बेटी लक्ष्मी थीं। उन दिनों लड़कियों की शादी जल्दी कर दी जाती थी, इसलिए आम रीति-रिवाजों के हिसाब से, 9 साल की सावित्रीबाई की शादी 1840 में 12 साल के ज्योतिराव फुले से कर दी गई। ज्योतिराव आगे चलकर एक विचारक, लेखक, सोशल एक्टिविस्ट और जाति-विरोधी समाज सुधारक बने। उन्हें महाराष्ट्र के समाज सुधार आंदोलन के जाने-माने लोगों में गिना जाता है। सावित्रीबाई की पढ़ाई शादी के बाद शुरू हुई। उनके पति ने उन्हें पढ़ना-लिखना सिखाया, जब उन्होंने उनकी सीखने और खुद को शिक्षित करने की इच्छा देखी। उन्होंने एक नॉर्मल स्कूल से तीसरे और चौथे साल की परीक्षा पास की और पढ़ाने का शौक रखने लगीं। उन्होंने अहमदनगर में सुश्री फरार इंस्टीट्यूशन से ट्रेनिंग ली। ज्योतिराव सावित्रीबाई के सभी सामाजिक कामों में मज़बूती से उनके साथ खड़े रहे। पुणे (उस समय पूना) में लड़कियों के लिए पहला स्वदेशी स्कूल ज्योतिराव और सावित्रीबाई ने 1848 में शुरू किया था, जब सावित्रीबाई अभी टीनएज में थीं। हालाँकि इस कदम के लिए उन्हें परिवार और समाज दोनों से अलग-थलग कर दिया गया था, लेकिन इस पक्के इरादे वाले जोड़े को उनके एक दोस्त उस्मान शेख और उनकी बहन फातिमा शेख ने पनाह दी, जिन्होंने फुले जोड़े को स्कूल शुरू करने के लिए अपनी जगह भी दी। सावित्रीबाई स्कूल की पहली टीचर बनीं। ज्योतिराव और सावित्रीबाई ने बाद में मांग और महार जातियों के बच्चों के लिए स्कूल शुरू किए, जिन्हें अछूत माना जाता था। 1852 में तीन फुले स्कूल चल रहे थे। उस साल 16 नवंबर को, ब्रिटिश सरकार ने फुले परिवार को शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया, जबकि सावित्रीबाई को बेस्ट टीचर चुना गया। उस साल उन्होंने महिलाओं में उनके अधिकारों, सम्मान और दूसरे सामाजिक मुद्दों के बारे में जागरूकता पैदा करने के मकसद से महिला सेवा मंडल भी शुरू किया। वह विधवाओं के सिर मुंडवाने के मौजूदा रिवाज का विरोध करने के लिए मुंबई और पुणे में नाइयों की हड़ताल कराने में सफल रहीं। फुले दंपत्ति द्वारा चलाए जा रहे तीनों स्कूल 1858 तक बंद हो गए। इसके कई कारण थे, जिनमें 1857 के भारतीय विद्रोह के बाद प्राइवेट यूरोपियन डोनेशन का सूख जाना, करिकुलम पर मतभेद के कारण स्कूल मैनेजमेंट कमेटी से ज्योतिराव का इस्तीफा और सरकार से सपोर्ट वापस लेना शामिल था। हालात से हारे बिना ज्योतिराव और सावित्रीबाई ने फातिमा शेख के साथ मिलकर दबे-कुचले समुदायों के लोगों को भी पढ़ाने का जिम्मा उठाया। इतने सालों में, सावित्रीबाई ने 18 स्कूल खोले और अलग-अलग जातियों के बच्चों को पढ़ाया। सावित्रीबाई और फातिमा शेख ने महिलाओं के साथ-साथ दबी-कुचली जातियों के दूसरे लोगों को भी पढ़ाना शुरू किया। यह बात कई लोगों को अच्छी नहीं लगी, खासकर पुणे की ऊंची जाति के लोगों को, जो दलितों की पढ़ाई के खिलाफ थे। सावित्रीबाई और फातिमा शेख को वहां के लोगों ने धमकाया और उन्हें समाज में परेशान और बेइज्जत भी किया गया। जब सावित्रीबाई स्कूल की तरफ जाती थीं, तो उन पर गोबर, कीचड़ और पत्थर फेंके जाते थे। हालांकि, ऐसे जुल्म भी पक्के इरादे वाली सावित्रीबाई को उनके मकसद से रोक नहीं पाए और वह दो साड़ियां साथ रखती थीं। सावित्रीबाई और फातिमा शेख के साथ बाद में सगुना बाई भी जुड़ गईं, जो आखिरकार एजुकेशन मूवमेंट में एक लीडर बन गईं। इस बीच, 1855 में फुले दंपत्ति ने किसानों और मजदूरों के लिए एक नाइट स्कूल भी खोला ताकि वे दिन में काम कर सकें और रात में स्कूल जा सकें। स्कूल छोड़ने वालों की संख्या को रोकने के लिए, सावित्रीबाई ने बच्चों को स्कूल जाने के लिए स्टाइपेंड देने की प्रैक्टिस शुरू की। वह जिन छोटी लड़कियों को पढ़ाती थीं, उनके लिए वह एक प्रेरणा बनी रहीं। उन्होंने उन्हें लिखने और पेंटिंग जैसी एक्टिविटीज़ करने के लिए हिम्मत दी। सावित्रीबाई की एक स्टूडेंट मुक्ता साल्वे का लिखा एक निबंध उस समय दलित फेमिनिज़्म और लिटरेचर का चेहरा बन गया। उन्होंने पेरेंट्स को शिक्षा के महत्व के बारे में अवेयर करने के लिए रेगुलर इंटरवल पर पेरेंट-टीचर मीटिंग कीं ताकि वे अपने बच्चों को रेगुलर स्कूल भेजें। 1863 में, ज्योतिराव और सावित्रीबाई ने भी शुरू किया।'बालहत्या रोकथाम गृह' नाम का एक केयर सेंटर, शायद भारत में बना पहला शिशु हत्या रोकथाम गृह था। इसे इसलिए बनाया गया था ताकि गर्भवती ब्राह्मण विधवाएं और रेप पीड़ित अपने बच्चों को सुरक्षित जगह पर जन्म दे सकें, जिससे विधवाओं की हत्या को रोका जा सके और शिशु हत्या की दर भी कम हो सके। 1874 में, ज्योतिराव और सावित्रीबाई, जो वैसे निःसंतान थे, ने काशीबाई नाम की एक ब्राह्मण विधवा से एक बच्चा गोद लिया, जिससे समाज के प्रगतिशील लोगों को एक मज़बूत संदेश मिला। गोद लिया हुआ बेटा, यशवंतराव, बड़ा होकर डॉक्टर बना। ज्योतिराव ने विधवाओं की दोबारा शादी की वकालत की, वहीं सावित्रीबाई ने बाल विवाह और सती प्रथा जैसी सामाजिक बुराइयों के खिलाफ़ बहुत मेहनत की। ये दो सबसे सेंसिटिव सामाजिक मुद्दे थे जो धीरे-धीरे महिलाओं के वजूद को कमज़ोर कर रहे थे। उन्होंने बाल विधवाओं को पढ़ा-लिखाकर और उन्हें मज़बूत बनाकर मुख्यधारा में लाने की भी कोशिश की और उनकी दोबारा शादी की भी वकालत की। इन कोशिशों का रूढ़ीवादी ऊँची जाति के समाज ने कड़ा विरोध भी किया।

'पुष्पेश पब्लिकेशन', श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013 के लिए स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **पूर्णेन्दु 'पुष्पेश'** द्वारा प्रकाशित तथा 'गोपीन्दु इंटरप्राइजेज' प्रेस, चास, बोकारो में मुद्रित। पंजीकृत कार्यालय- गोपीन्दु भवन, श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013. झारखंड। रांची कार्यालय- 93, मेजर कोठी, इटकी रोड, हेहल, झारखंड।
संपादक: Purnendu 'Pusshpesh'*; प्रबंध संपादक: **राजेश मोहन सहाय**; धनबाद ब्यूरोचीफ: **राजीव रंजन**। बिहार प्रभारी: **संतोष श्रीवास्तव.** Mob: 9288319159; Website : www.rashtriyamukhyadhara.com *समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। ◦ यहाँ प्रकाशित आलेखों में व्यक्त सत्य, तथ्य और विचार लेखकों के सर्वथा निजी हैं।

संक्षिप्त समाचार

पटना हाईकोर्ट में वकील दंपति को दी गई श्रद्धांजलि

पटना। पटना हाई कोर्ट के सीनियर लॉयर अजय ठाकुर के बेटे ऋतिक ठाकुर, वैष्णवी सिंह और अवध बिहारी ओझा को पटना हाई कोर्ट में श्रद्धांजलि दी गई। ऋतिक और वैष्णवी को याद करते हुए सीनियर और जूनियर लॉयर भावुक हो गए। पटना हाई कोर्ट और सिविल कोर्ट के लॉयर ने श्रद्धांजलि देने के साथ आज खुद को न्यायिक कार्यों से दूर कर लिया है। वकील कोर्ट आ रहे हैं, लेकिन न्यायिक कार्यों में हिस्सा नहीं ले रहे हैं। सीनियर अधिवक्ता अरविंद कुमार ने शोक संवेदना प्रकट करते हुए कहा कि, 'ऋत्विक और बहु वैष्णवी दोनों पटना उच्च न्यायालय में उभरते हुए अधिवक्ता थे। सिलीगुड़ी से अपनी गाड़ी से छुट्टियां मना कर पटना लौट रहे थे। इस दौरान सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। उच्च स्तर की मेधा को तराशना कितना कठिन होता है। वैष्णवी का तो आर्गुमेंट,कॉन्फिडेंस और टैलेंट देखकर लगता था कि आने वाला समय में वो देश की नामचीन वकीलों में एक होगी। लेकिन भगवान ने क्या कर दिया। उन्होंने बताया कि, 'कल सारा दिन परिजनों के साथ रहा। उन्हें सांत्वना देता रहा और रामनामी-फूलों से लिपटी दोनों के पार्थिव शरीर देख कर कुछ समझ नहीं पा रहा था। आज बहुत ही दुखी मन से श्रद्धांजलि दे रहा हूं।' वैष्णवी सिंह की दोस्त नाजिया सबा ने याद करते हुए कहा कि, मृत्यु संपूर्ण अधिवक्ता समाज और हाई कोर्ट के लिए दुख और क्षति का विषय है। पटना हाई कोर्ट ने एक प्रतिभावान, मेहनती, अधिवक्ता वैष्णवी सिंह को खो दिया। उनके साथ काम करने के बाद मैंने उन्हें करीब से जाना। काफी सिंपल, वकालत के प्रति जुनून उनके अंदर भरा हुआ था। उन्होंने बताया कि, वैष्णवी ने लाइम लाइट से काफी दूर रहकर सिर्फ अपने काम पर फोकस किया। अपने ससुर अजय कुमार ठाकुर सर के लिए वो एक बैकबोन थी। एक प्रसिद्ध अधिवक्ता की बहू होते हुए भी उन्हें कभी वकालत को हल्के में नहीं लिया। उनके हर कदम पर उनके लिए पिलर की तरह खड़ी रही। ऋतिक के परिजन अमित ने दुख जताते हुए कहा कि, 'बिहार के जाने माने उद्योगपति कंचन जी की भांजी और बिहार के प्रसिद्ध ट्रांसपोर्टर के मालिक रानू जी की बेटी वैष्णवी और उनके पति ऋतिक की सड़क दुर्घटना में असामयिक निधन का दुःखद समाचार मिला। दिवंगत आत्माओं को ईश्वर अपने श्रीचरणों में स्थान दें, साथ ही इस अपार दुख को सहने की शक्ति प्रदान करें। वे दोनों पटना उच्च न्यायालय के सीनियर अधिवक्ता अजय कुमार ठाकुर जी के बेटे एवं बहु थे।' ठाकुर परिवार मधुबनी के हरलाखी से ताल्लुक रखता है। अजय ठाकुर पूर्व में हरलाखी विधानसभा सीट से चुनाव लड़े थे, लेकिन शिकस्त मिली। अजय ठाकुर के पिता स्वर्गीय रामनरेश ठाकुर पटना हाई कोर्ट के जज थे। फिलहाल, पूरा परिवार पटना की भूतनाथ रोड में पानी टंकी के पास रहता है।

टी-20 वर्ल्डकपः ईशान के गले लगकर गर्लफ्रेंड ने दी बधाई, क्रिकेटर ने अपनी जीत पर बहन को किया याद

पटना। भारत ने न्यूजीलैंड को हराकर तीसरी बार टी–20 वर्ल्डकप जीता है। इस जीत के साथ बिहार की राजधानी पटना समेत पूरे प्रदेश में जमकर आतिशबाजी की गई। पटना की सड़कों पर उतरकर लोगों ने जमकर पटाखे फोड़े। ट्रक के हॉर्न पर खड़े होकर जीत का जश्न मनाया। आकाश पटाखों की आवाज से गूंज उठा। रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर बॉलिंग का फैसला लिया था। पहले बैटिंग करने उतरी टीम इंडिया ने टी–20 वर्ल्डकप फाइनल में रिकॉर्ड 255 रन बनाए। बिहार के ईशान किशन 24 बॉल पर 54 रन बनाकर पेवेलियन लौट गए। ईशान ने 4 चौके और 4 छक्के लगाए। 16वें ओवर की पांचवीं बॉल पर ईशान किशन आउट हो गए। टीम इंडिया की जीत के बाद ईशान और उनकी गर्लफ्रेंड अदिति हुंडिया की तस्वीर सामने आई है। इसमें वो ईशान को निहारती दिख रही हैं। फाइनल से एक दिन पहले ईशान किशन की चचेरी बहन और जीजा की सड़क हादसे में मौत हो गई। इस सदमे के बावजूद ईशान ने बेहतर प्रदर्शन किया और 24 बॉल पर 54 रन बनाए। टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद ईशान ने कहा, 'फाइनल से ठीक पहले एक कार दुर्घटना में मैंने अपनी चचेरी बहन को खो दिया। वो चाहती थी मैं बड़े स्कोर बनाऊं। मैं उनके लिए खेला। मैं यह जीत उन्हें समर्पित करता हूं।' बता दें शनिवार को ईशान की चचेरी बहन और जीजा शादी में शामिल होने के लिए जा रहे थे तभी सिलीगुड़ी में सड़क दुर्घटना का शिकार हो गए। दोनों की मौत हो गई, लेकिन दो बच्चे बच गए। इनमें से एक केवल छह महीने का है और दूसरे की उम्र 3 साल है। भतीजी और दामाद की मौत के कारण ईशान के पिता प्रणव पांडे फाइनल देखने अहमदाबाद नहीं पहुंच पाए।

पटना में बन रहा बिहार का दूसरा अंतरराष्ट्रीय हॉकी ग्राउंड

पटना। पटना के पहले अंतरराष्ट्रीय हॉकी ग्राउंड का निर्माण अंतिम चरण में है। इसमें नीदरलैंड से मंगाई गई पॉलीटेन ब्लू एस्ट्रोटर्फ लगाई जाएगी। पॉलीटेन ब्लू एस्ट्रोटर्फ अंतरराष्ट्रीय स्तर की सबसे लेटेस्ट टर्फ है। राजगीर के बाद अब राजधानी के हॉकी ग्राउंड में भी एस्ट्रोटर्फ लगाया जाएगा। इस पूरे ग्राउंड को 8.44 करोड़ की लागत से तैयार किया जा रहा है। यह बिहार का दूसरा इंटरनेशनल स्टैंडर्ड का हॉकी मैदान होगा। इसका काम मार्च अंत तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। बुडको द्वारा इस अंतरराष्ट्रीय हॉकी ग्राउंड का निर्माण किया जा रहा है। इसका निर्माण राजेंद्र नगर फिजिकल कॉलेज की खाली जमीन पर हो रहा है। यह ग्राउंड 99 मीटर लंबी और 60 मीटर चौड़ी है। अभी स्प्रिंकलर सिस्टम लगना बाकी है। इसमें फ्लडलाइट्स, खिलाड़ियों के लिए छात्रावास, चेंजिंग रूम, वार्म-अप क्षेत्र, और दर्शकों के बैठने के लिए स्टैंड होंगे। इसके बनने से खिलाड़ियों का नियमित अभ्यास शुरू हो सकेगा। हालांकि, अभी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के आयोजन में एक साल से अधिक का समय लग सकता है। इस ग्राउंड तक पहुंचने के लिए फिलहाल सीधी सड़क नहीं है। जिस जमीन पर अंतरराष्ट्रीय हॉकी ग्राउंड बवननाया जा रहा है, पहले दलदली जमीन हुआ करती थी। यह लगभग 2 मीटर तक पानी में डूबा दलदली एरिया हुआ करता था। चारों ओर से लगातार पानी रिसाव, 3 मीटर तक ऊंची घास और दलदल की कई परतों के कारण यह मैदान वर्षों तक किसी भी खेल गतिविधि के लायक नहीं था। मैदान को खेलने योग्य बनाने के लिए हजारों ट्रॉली विशेष मिट्टी मंगाई गई है। दलदली पॉकेट्स को हटाने के लिए मशीनों से खुदाई कर रबल भरकर मैदान को स्थिर किया गया है।

'पार्टी के सक्रिय सदस्य के रूप में भूमिका निभाएंगे निशांत'

हाजीपुर। जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने घोषणा की है कि निशांत कुमार ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली है। यह घोषणा वैशाली के हाजीपुर में की गई। कुशवाहा ने बताया कि पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं की मांग थी कि निशांत पार्टी में शामिल होकर सक्रिय भूमिका निभाएं और उसे मजबूत करें। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने की अटकलों के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं के बीच मतभेद की खबरें सामने आई थीं। इस दौरान पार्टी कार्यालय में तोड़फोड़ की घटना भी हुई थी। कई नेताओं ने निशांत कुमार से पार्टी में सक्रिय भूमिका निभाने की मांग की थी। लंबे समय के बाद अब निशांत कुमार ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की है। कुशवाहा ने आगे कहा कि निशांत कुमार ने लाखों कार्यकर्ताओं और नेताओं से मुलाकात कर उनसे बातचीत की है। अब वे पार्टी के सक्रिय सदस्य के रूप में अपनी भूमिका निभाएंगे, कार्यकर्ताओं के साथ बैठकें करेंगे और उनसे सीधा संवाद स्थापित करेंगे। कुशवाहा ने पटना में पार्टी कार्यालय में हुई तोड़फोड़ और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को राज्यसभा भेजने की अटकलों को लेकर कार्यकर्ताओं में नाराजगी की खबरों को खारिज कर दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी का कोई भी कार्यकर्ता नाराज नहीं है। जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा दो दिवसीय महनार महोत्सव में शामिल होने के लिए अपने निर्वाचन क्षेत्र पहुंचे थे, जहां उन्होंने यह बयान दिया।

हड़ताल पर गए सीओ-आरओ को विजय सिन्हा की चेतावनी

पटना में बोले डिप्टी सीएम-काम पर लौटें, नहीं तो सेवा समाप्ति

एजेंसी, पटना

बिहार के राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अंचलाधिकारी (CO) और राजस्व अधिकारी (RO) कई दिनों से हड़ताल पर हैं। इस बीच विभाग के मंत्री और डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने उन्हें चेतावनी दी है। पटना में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर डिप्टी सीएम विजय ने चेतावनी देते हुए कहा कि, 'यदि कर्मचारी जल्द काम पर नहीं लौटे तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।' साथ ही उन्होंने बताया कि विभाग के 100 दिन पूरे होने के मौके पर यह प्रेस कॉन्फ्रेंस की गई, जिसमें विभाग के कामकाज और योजनाओं की जानकारी भी दी गई।

हड़ताल के दिनों की गिनती कर रही सरकार- विजय सिन्हाः डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने हड़ताली कर्मचारियों को सख्त संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि, 'जो लोग हड़ताल पर गए हैं, वो जल्द काम पर लौटें। नौकरी सेवा के भाव से करें। नहीं तो सरकार ने कामकाज प्रभावित न हो, इसके लिए वैकल्पिक व्यवस्था भी तैयार कर ली है।'

सहानुभूति को कमजोरी न समझें- विजय सिन्हाः विजय कुमार सिन्हा ने कर्मचारियों से अपील करते हुए कहा कि, 'कामकाज की वैकल्पिक व्यवस्था भी हम लोग बना लिए हैं। समय रहते सभी कर्मचारियों से अनुरोध कर रहा हूं।' हमारी भी उनके साथ सहानुभूति है, क्योंकि वह हमारे विभाग के हैं। लेकिन सहानुभूति को कमजोरी समझेंगे तो सरकार पूरी सख्ती के साथ कार्रवाई करेगी।'

भू-माफियाओं की साजिश का आरोपः प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने हड़ताल के पीछे साजिश की भी आशंका जताई। उन्होंने कहा कु, 'साजिश करने वाले जो भू माफिया हैं, वैसे लोगों को आने वाले दिनों में अफसोस होगा, क्योंकि इससे हम प्रभावित नहीं होने वाले हैं। जो संकल्प NDA सरकार को इतने बड़े जनादेश के साथ मिला है, उसे जनादेश का सम्मान करने के लिए जो भी कीमत अदा करने पड़ेगा, उसे हम करेंगे।'

काम पर नहीं लौटे तो निलंबन की चेतावनीः डिप्टी सीएम ने स्पष्ट किया कि यदि कर्मचारी जल्द काम पर नहीं लौटते हैं तो सरकार सख्त कदम उठाएगी। उन्होंने कहा, 'अगर तमाम कर्मचारी काम पर नहीं लौटेंगे तो हम अस्थाई बहाली का भी रास्ता खुला रखेंगे। इंतजार की घड़ी अब समाप्त हो रही है।'

100 दिनों के कामकाज का भी दिया ब्यौराः विभाग के 100 दिन पूरे होने पर मंत्री ने बताया कि इस दौरान कई अहम पहल की गईं। उन्होंने कहा कि, 'बिहार से जुड़ी सभी जमीनों के लिए बिहार भूमि पोर्टल की शुरुआत की गई है।' उन्होंने बताया कि, '12 दिसंबर से संवाद की शुरुआत की गई थी और 31 दिसंबर को भी वह सहरसा में बैठकर काम कर रहे थे। उस दिन जब लोग नए साल का जश्न मना रहे थे, तब भी विभाग काम कर रहा था।' मंत्री के मुताबिक, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी उनके द्वारा किए गए कामों की सराहना की है।

पटना-बाढ़ सिविल कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

एजेंसी, पटना

पटना सिविल कोर्ट को एक अज्ञात मेल के जरिए बम से उड़ने की धमकी मिली है। एहतियातन सिविल कोर्ट की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। मेन गेट पर मौजूद पुलिसकर्मी अंदर जाने वाले लोगों की बारीकी से तलाशी ले रहे हैं। मास्क और हेलमेट पहनकर जाने वाले लोगों को रोक दिया जा रहा है। पहले मास्क और हेलमेट उतरवाया जा रहा है, फिर एंट्री दी जा रही है। पीरबहोर पुलिस के मुताबिक, 'सुबह मेल के जरिए धमकी आई है। हालांकि, अभी तक जांच के दौरान वैसा कुछ भी नहीं मिला है।' पटना सिविल कोर्ट खुला है। वकील सामान्य दिनों की तरह आ जा रहे हैं। इसका असर परिसर के अंदर नहीं दिख रहा है। पीरबहोर थानेदार सज्जाद गद्दी ने बताया कि, धमकी मिलते ही सुबह में रूटीन वर्क के दौरान कोर्ट को सेनीटाइज किया गया, ताकि काम प्रभावित नहीं हो।'

कोर्ट परिसर की सुरक्षा हर तरह से चाक चौबंधः पुलिस के मुताबिक, पटना सिविल कोर्ट परिसर की सुरक्षा हर तरह से चाक चौबंध कर दी गई है। सुबह के वक्त पुलिस की मौजूदगी में पूरे परिसर को सेनिटाइज किया गया। कोर्ट परिसर की सुरक्षा में तैनात कर्मियों को प्रॉपर जांच करने के लिए सख्त हिदायत दी गई है। वहीं, बाढ़ सिविल कोर्ट को भी बम से उड़ने की धमकी मिली है, सुरक्षा की दृष्टि कोण से बाढ सिविल कोर्ट में भी चौकसी बढ़ा दी गई है। कोर्ट के अंदर जाने आने वाले लोगों की पुलिस द्वारा जांच की जा रही है। हालांकि सिविल कोर्ट को आज बंद नहीं किया गया है, लेकिन जांच का दायरा बढ़ा दिया गया है। बम से उड़ाने की धमकी पर सिविल कोर्ट के वकील का कहना है कि हर महीने बार-बार इस तरह की धमकी कोर्ट को दी जाती है।

❒ सुबह मिला ईमेल, एंट्री प्वाइंट पर सुरक्षा बढ़ाई, लगातार धमकी मिलने पर भी नहीं पकड़ाए आरोपी

मुर्गे को लेकर दुकानदार और डीलर में विवाद

एजेंसी, पटना

पटना के चित्रगुप्त नगर इलाके के राजेंद्र नगर हरियाली सब्जी मंडी के पास सोमवार को बर्ड फ्लू से ग्रसित मुर्गे की आशंका में दुकानदार और डीलर के बीच विवाद हो गया। दुकानदार मोहम्मद अरमान का आरोप है कि सुबह के वक्त डीलर ने मुर्गे लाकर दिए थे। देने के महज आधे घंटे के भीतर एक एक कर के मुर्गे मरने लगे। जिस वक्त डीलर ने मुर्गी दिए थे, उसे वक्त दुकान पर मेरे कर्मी मौजूद थे। कर्मियों ने मुझे फोन करके इसके बारे में बताया। मैं दुकान पर पहुंचा और देखा तो मुर्गे मर रहे थे। फिर इसके बाद मैं डीलर को कॉल किया। डीलर से मैंने बोला कि बर्ड फ्लू वाले मुर्गे हमें नहीं चाहिए। आपने जो मुर्गे दिए हैं, सभी बर्ड फ्लू से ग्रसित हैं। इस बात से डीलर नाराज हो गया। दो बाइक से चार-पांच की संख्या में डीलर और उसके जाने वाले मेरी दुकान पर आए और मेरे पॉकेट से जबरन 5700 लेकर चले गए। मैं इस बात का विरोध किया तो मेरे साथ मारपीट की गई। सिर पर चाकू जैसे नुकीले आर्बिट्स से हमले कर दिए। जिसमें मेरा सिर फट गया। दुकान पर हो हल्ला सुनकर आसपास के दुकानदार आने लगे तो सभी भाग गए।

❒ डीलर पर चाकू मारने और पैसे लूटने का आरोप, कहा- बर्ड फ्लू वाले मुर्गे दे दिए

चिराग को बिहार का सीएम बनाने की मांग

एजेंसी, पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा के लिए नामांकन दाखिल करने के बाद सबसे बड़ा सवाल है कि बिहार का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा। इसी बीच NDA के भीतर से ही एक नई मांग सामने आई है। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के कार्यकर्ताओं की ओर से चिराग पासवान को बिहार का अगला मुख्यमंत्री बनाने की मांग उठाई गई है। इसे लेकर पटना में बीजेपी कार्यालय के बाहर एक पोस्टर भी लगाया गया, जिससे राजनीतिक चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया है। पोस्टर में लिखा है- 'ना दंगा ना फसाद हो, बिहार का CM सिर्फ चिराग हो।'

चिराग को मोदी का हनुमान भी बतायाः बीजेपी कार्यालय के बाहर लगाए गए इस पोस्टर में साफ तौर पर चिराग पासवान को मुख्यमंत्री बनाने की मांग की गई है। पोस्टर में लिखा है- 'ना दंगा हो, ना फसाद हो, बिहार का CM सिर्फ चिराग हो। सजाओ इनके सर पर ताज, तभी आएगा बिहार में स्वर्ण काल।' इसके साथ ही पोस्टर में यह भी लिखा गया है कि 'मोदी जी का मिला अपने हनुमान को आशीर्वाद, चिराग होंगे बिहार के नए सरताज।' पोस्टर के जरिए यह संदेश देने की कोशिश की गई है कि अगर एनडीए की सरकार बनती है तो मुख्यमंत्री का चेहरा चिराग पासवान होना चाहिए। पोस्टर में यह भी लिखा गया है कि 'बिहार मांगे चिराग, वक्त अब आ गया है युवा मुख्यमंत्री बनाने का। NDA की होगी सरकार, CM होगा सिर्फ चिराग।'

LJP (रामविलास) के जिला अध्यक्ष ने लगाए पोस्टरः ये पोस्टर लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के पटना जिला अध्यक्ष इमाम गजाली की ओर से लगवाए हैं। पोस्टर लगने के बाद बिहार की राजनीति में यह चर्चा तेज हो गई है कि क्या NDA में चिराग पासवान को मुख्यमंत्री पद के लिए आगे बढ़ाया जा सकता है या नहीं।

सांसद अरुण भारती ने भी जताई थी इच्छाः इससे पहले लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के सांसद अरुण भारती ने भी चिराग पासवान को मुख्यमंत्री के रूप में देखने की इच्छा जताई थी। कुछ दिन पहले पटना एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा था कि, 'मुख्यमंत्री को लेकर अंतिम फैसला एनडीए के बड़े नेता मिलकर करेंगे।' हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि व्यक्तिगत तौर पर वह अपने नेता चिराग पासवान को बिहार के बड़े नेता और राज्य के मुखिया के रूप में देखना चाहते हैं।

चिराग को देश के भविष्य के रूप में देखती जनताः भारती ने कहा कि, 'जनता चिराग को बिहार के भविष्य के रूप में देखती है। प्रभारी के तौर पर जिन जिलों का दौरा किया, वहां कार्यकर्ताओं की मांग है कि चिराग आने वाले समय में बड़ी भूमिका निभाएं।'

◆ बीजेपी ऑफिस के बाहर लगे पोस्टर, लिखा- 'ना दंगा, ना फसाद हो, बिहार का सीएम सिर्फ चिराग हो'

मोकामा थाना पुलिस ने 390 किलो गांजा बरामद किया, 3 तस्कर गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

पटना जिले के मोकामा थाना पुलिस ने सोमवार को मादक पदार्थों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर 390 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। इस मामले में तीन तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। मोकामा थाना प्रभारी कुणाल कुमार ने बताया कि पुलिस को क्षेत्र में मादक पदार्थों की एक बड़ी खेप आने की गुप्त सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घेराबंदी की और तलाशी अभियान चलाया।

तस्करों से पूछताछ जारीः तलाशी के दौरान पुलिस ने मौके से 390 किलोग्राम गांजा बरामद किया। बरामद किए गए गांजे की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लाखों रुपए आंकी जा रही है। थाना प्रभारी ने पुष्टि की है कि इस अवैध कारोबार में संलिप्त तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस फिलहाल इन तस्करों से पूछताछ कर रही है ताकि गांजे की यह खेप कहाँ से लाई गई थी और इसे कहाँ पहुँचाया जाना था, इसका पता लगाया जा सके।

मुख्य सरगना की तलाश में जुटीः पुलिस इस गिरोह के अन्य सदस्यों और मुख्य सरगना की तलाश में जुट गई है। इस पूरे मामले को लेकर प्राथमिकी (FIR) दर्ज कर ली गई है। बरामदगी की गंभीरता को देखते हुए, पटना ग्रामीण एसपी (SP Rural) द्वारा एक आधिकारिक प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से इस ऑपरेशन का विस्तृत विवरण और तस्करों के नेटवर्क का खुलासा किया जाएगा।

पुलिस को बड़ी खेप आने की सूचना मिली थी

प्रिंस राज बने राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष

एजेंसी, पटना

राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (RLJP) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक सोमवार को पटना स्थित प्रदेश कार्यालय, विधायक कॉलोनी कौटिल्य नगर में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस ने की। बैठक में सर्वसम्मति से पूर्व सांसद प्रिंस राज पासवान को पार्टी का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष चुना गया। इस फैसले की घोषणा खुद पशुपति पारस ने की। उन्होंने कहा कि पार्टी के सभी नेताओं और सदस्यों की सहमति से प्रिंस राज को यह जिम्मेदारी दी गई है।

दो महीने बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष बन सकते प्रिंसः पारस ने बताया कि अभी प्रिंस राज को राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है। करीब दो महीने बाद उन्हें पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि अब पार्टी से जुड़े सभी संगठनात्मक फैसले, बिहार का दौरा, बैठकों का आयोजन और पार्टी को आगे बढ़ाने की रणनीति तय करने की जिम्मेदारी प्रिंस राज पासवान की होगी। पशुपति पारस ने भरोसा जताते हुए कहा कि प्रिंस राज के नेतृत्व में पार्टी और मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में जब भी पार्टी लोकसभा और राज्यसभा चुनाव लड़ेगी, तब बेहतर प्रदर्शन करेगी और अच्छा स्कोर करेगी।

पारस बोले- मेरी राय मुख्यमंत्री बनें नीतीश के बेटेः वहीं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार की एंट्री को लेकर भी पशुपति पारस ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि राजनीति में आने वाले सभी युवाओं का स्वागत है। निशांत कुमार भी अगर राजनीति में आ रहे हैं तो यह अच्छी बात है। निशांत कुमार को मुख्यमंत्री बनाने की मांग पर पारस ने कहा कि यह फैसला विधायक दल की बैठक में तय होगा। हालांकि उन्होंने अपनी राय रखते हुए कहा कि उनके अनुसार निशांत कुमार को मुख्यमंत्री बनना चाहिए।

पटना में जलवायु अनुकूल बकरीपालन पर कार्यशाला

एजेंसी, पटना

पटना के एक निजी होटल में सोमवार को 'जलवायु अनुकूल बकरीपालन एवं प्रबंधन' विषय पर एक कार्यशाला आयोजित की गई। इसका उद्देश्य ग्रामीण आजीविका को मजबूत करना और किसानों की आय बढ़ाना है। इस कार्यक्रम में किसानों, पशुपालकों और विशेषज्ञों ने भाग लिया, जहाँ बकरी पालन को आधुनिक और वैज्ञानिक तरीकों से अपनाने पर जोर दिया गया। राज्य सरकार ने बकरी पालकों को अनुदान देने की भी घोषणा की है। कार्यशाला के वक्ताओं ने जलवायु परिवर्तन को एक वैश्विक चुनौती बताया। उन्होंने कहा कि बढ़ते तापमान, अनियमित वर्षा, बाढ़ और सूखे जैसी स्थितियाँ कृषि तथा पशुपालन दोनों को प्रभावित कर रही हैं। ऐसे में जलवायु के अनुकूल बकरी पालन और बेहतर प्रबंधन तकनीकों को अपनाना आवश्यक है। विशेषज्ञों ने इस कार्यशाला को ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने, किसानों की आय बढ़ाने और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का समाधान खोजने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया। बिहार जैसे कृषि प्रधान राज्य में, जहाँ बड़ी आबादी कृषि और पशुपालन पर निर्भर है, बकरी पालन ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने का एक प्रभावी माध्यम बन गया है। छोटे और सीमांत किसान, भूमिहीन परिवार तथा महिलाएँ बड़ी संख्या में इस व्यवसाय से जुड़ रहे हैं।

बकरी पालन को अक्सर 'गरीब परिवारों का एटीएम' कहा जाता है, क्योंकि आवश्यकता पड़ने पर किसान आसानी से बकरी बेचकर तत्काल आर्थिक सहायता प्राप्त कर सकते हैं। देश में बकरियों की कुल संख्या लगभग 12 करोड़ है, जो विश्व की कुल बकरियों का लगभग 20 प्रतिशत है। बिहार में बकरियों की संख्या लगभग 1.28 करोड़ है, जिससे यह राज्य संख्या के आधार पर देश में चौथे स्थान पर है। राज्य में बकरी पालन स्वरोजगार का एक प्रभावी माध्यम बन रहा है।

सरकार दे रही अनुदानः बकरी पालन को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार द्वारा समेकित बकरी एवं भेड़ विकास कार्यक्रम के तहत विभिन्न क्षमता के बकरी फार्म की स्थापना पर 50 से 60 प्रतिशत तक अनुदान दिया जा रहा है। इस योजना के तहत 20 बकरी + 1 बकरा, 40 बकरी + 2 बकरा, 100 बकरी + 5 बकरा तथा 500 बकरी + 25 बकरा क्षमता के फार्म स्थापित किए जा रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2016-17 से 2025-26 तक कुल 3639 परिवारों को विभिन्न क्षमता के बकरी फार्म स्थापित करने में सहायता दी जा चुकी है। बीपीएल परिवारों को बकरियों का वितरण बीपीएल परिवारों के बीच तीन प्रजनन योग्य बकरियों का वितरण भी अनुदानित दर पर किया जा रहा है। इस योजना में सामान्य वर्ग को 80 प्रतिशत और अनुसूचित जाति एवं जनजाति के परिवारों को 90 प्रतिशत तक अनुदान दिया जाता है। अब तक 34,218 परिवारों को कुल 1,02,654 बकरियों का वितरण किया जा चुका है, जिससे उनकी आय में वृद्धि के साथ-साथ मांस की उपलब्धता भी बढ़ी है। राज्य में बढ़ा मांस उत्पादन बिहार में वर्ष 2004-05 में जहां 176 हजार टन मांस का उत्पादन होता था, वहीं 2023-24 में यह बढ़कर 404.30 हजार टन हो गया है। राज्य में प्रति व्यक्ति मांस की उपलब्धता भी बढ़कर 3.19 किलोग्राम हो चुकी है। गोट सिमेन बैंक की स्थापना होगी बकरियों की नस्ल सुधार और उत्पादन बढ़ाने के लिए राज्य में गोट सिमेन बैंक की स्थापना की योजना को भी मंजूरी दी गई है। इसके माध्यम से बकरियों में कृत्रिम गर्भाधान को बढ़ावा मिलेगा, जिससे नस्ल में सुधार, मेमनों की मृत्यु दर में कमी और उत्पादन में वृद्धि होगी। वैज्ञानिक तरीके अपनाने पर जोर कार्यशाला में किसानों से अपील की गई कि वे बकरी पालन को केवल पारंपरिक तरीके से नहीं बल्कि वैज्ञानिक और आधुनिक तकनीकों के साथ अपनाएँ।

सही प्रबंधन, बेहतर नस्ल और संतुलित पोषण के माध्यम से बकरी पालन ग्रामीण आजीविका का मजबूत स्तंभ बन सकता है। राज्य सरकार का लक्ष्य है कि आने वाले वर्षों में बकरी पालन को एक सशक्त ग्रामीण उद्योग के रूप में विकसित किया जाए।

❒ किसानों को वैज्ञानिक तरीके अपनाने की सलाह, सरकार देगी अनुदान

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, मंगलवार, 10 मार्च, 2026

संक्षिप्त समाचार

ट्रक की टक्कर से स्वागत गेट गिरा, ट्रैफिक सिपाही समेत दो घायल

कानपुर एजेंसी। कानपुर। किदवईनगर विधायक महेश त्रिवेदी के घर रविवार को डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के आगमन के दौरान पीएसी के ट्रक की टक्कर से लोहे का स्वागत गेट सुरक्षा पर लगे दो पुलिसकर्मियों पर भरभराकर गिर गया। हादसे में ट्रैफिक सिपाही शशिकांत व एक पीएसी जवान घायल हो गए। विधायक महेश त्रिवेदी के बेटे शिवम और बहू सोनम को आशीर्वाद देने डिप्टी सीएम किदवईनगर स्थित उनके आवास पहुंचने वाले थे। स्वागत के लिए संजय वन गेट के पास लोहे का गेट लगाया गया था जहां ट्रैफिक सिपाही शशिकांत ड्यूटी पर तैनात थे। इस दौरान सुरक्षा में पीएसी के जवान भी लगाए गए थे जिन्हें छोड़ने ट्रक आया था। दोपहर को जवानों को उतारने के बाद ट्रक वापस संजय वन गेट की ओर लौट रहा था तभी हादसा हो गया। किदवईनगर थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार राम ने बताया कि ट्रक की टक्कर से गेट गिरने से दो लोग घायल हुए थे जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया।

युवती ने फंदा लगाया, लोडर हुआ पंचर, गई जान

कानपुर एजेंसी। चकेरी थाना क्षेत्र के अहिरवां में युवती ने फंदा लगा लिया। परिजन युवती की सांसें चलती देख उसे उतारकर लोडर पर लाद पास के अस्पताल ले जाने लगे। रास्ते में लोडर का टायर पंचर हो गया। इस बीच इलाज न मिल पाने से युवती ने दम तोड़ दिया। अहिरवां के संजीवनगर निवासी रूप देवी सब्जी विक्रेता हैं। उन्होंने बताया कि पति मुन्ना हादसे में दिव्यांग हो गए। तबसे ही वह सब्जी बेचकर परिवार का भरण पोषण कर रही हैं। बेटी आकांक्षा गौतम (19) ने पिछले साल हाईस्कूल की परीक्षा पास की थी। इसके बाद से उसकी मानसिक स्थिति बिगड़ गई। इलाज कराया जा रहा था। शनिवार को उसने अचानक कमरा अंदर से बंद कर फंदा लगा लिया। रूप देवी सब्जी बेचकर घर पहुंचीं तो पड़ोसियों की मदद से दरवाजा तोड़कर उसे नीचे उतारा। उसे लोडर से निजी अस्पताल ले जाने के लिए निकलीं लेकिन लोडर पंचर होने से समय रहते अस्पताल नहीं पहुंच सकीं। ई-रिक्शे से लेकर अस्पताल पहुंचीं तो डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। थाना प्रभारी अजय प्रकाश ने बताया कि युवती के आत्महत्या करने का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

मोहद्दीपुर फ्लाईओवर हादसे में मृतक उमेश के परिजनों को मिला आर्थिक सहयोग

गोरखपुर, एजेंसी। गोरखपुर। मोहद्दीपुर फ्लाईओवर पर चार मार्च को हुए भीषण सड़क हादसे में जान गंवाने वाले उमेश शर्मा के परिवार को प्रशासन की ओर से रविवार को जेल रोड तिराहा स्थित आवास पर आर्थिक सहायता दी गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर डीएम दीपक मीणा ने मृतक के परिजनों को मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से पांच लाख रुपये का चेक सौंपा। परिजनों ने सरकार से मांग की कि है कि मृतक की पत्नी को सरकारी नौकरी, परिवार को सरकारी आवास, आयुष्मान कार्ड की सुविधा तथा दोनों बच्चों की पढ़ाई का पूरा खर्च सरकार द्वारा उठाया जाए ताकि भविष्य सुरक्षित हो सके। मेयर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, ग्रामीण विधायक विपिन सिंह से बातचीत में मृतक उमेश शर्मा के भाई राजेश शर्मा ने बताया कि परिवार पूरी तरह टूट गया है। उमेश ही घर के मुख्य कमाने वाले सदस्य थे। उनके जाने के बाद परिवार के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। आरोपी गोल्डेन साहनी को कड़ी सजा दी जाए। उमेश के परिवार में पत्नी संजू शर्मा (47), बेटी तान्या शर्मा (19) और पुत्र राजीव शर्मा (12) हैं। डीएम ने परिजनों को हर संभव सहायता का भरोसा दिलाया।

इंसान की आंख में पानी रहेगा तो आदमियत बचेगी

गोरखपुर एजेंसी। गोला उपनगर के बेवरी चौराहा स्थित एक हॉल में शनिवार की देर रात्रि सरयू साहित्य मंच के तत्वावधान में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन और मुशायरा का आयोजन किया गया। हास्य व्यंग्य कवि डॉ. दिनेश मिश्र बावरा ने कहा कि धरती की कोख में पानी रहेगा तो आदमी बचेगा और आदमी की आंख में पानी रहेगा तो आदमियत बचेगी। इसमें देश के विभिन्न हिस्सों से आए कवियों ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को देर रात तक बांधे रखा। कार्यक्रम में सामाजिक सरोकारों, राष्ट्रप्रेम और मानवीय मूल्यों पर आधारित कविताओं ने खूब तालियां बटोरीं। कार्यक्रम की शुरुआत कवयित्री शशि श्रेया की सरस्वती वंदना से हुई। मुख्य आकर्षण रहे प्रसिद्ध कवि दिनेश बावरा ने अपनी रचनाओं व आलोचनाओं से लोगों को गुदगुदाया। उन्होंने कहा कि बुंदी का लड्डू रोज कहता है कि छोटे प्रयास से बड़ा बना जा सकता है, जलेबी कहती है कि स्वरूप मायने नहीं रखता यदि भीतर रस है। उन्होंने काव्य के माध्यम से पानी की महत्ता व पर्यावरण संरक्षण पर जागरूकता का संदेश दिया। कवि सम्मेलन में प्रमुख रूप से प्रेमनाथ मिश्र, अज्म शकिरी, फैज खलीलाबादी, विनोद राजयोगी, मनोज मौर्य, कौशल नादान और रमेश तिवारी सहित कई कवियों ने अपनी-अपनी रचनाओं से श्रोताओं का मनोरंजन किया। अध्यक्षता डॉ. अनिल तिवारी ने की।

खाड़ी देशों में बारूद के धमाके, बाजारों में बढ़ी महंगाई

व्यापारी बोले- होने लगी स्टॉक की कमी, आगे बढ़ेगा दबाव

लखनऊ, एजेंसी। खाड़ी देशों में चल रहे युद्ध के कारण बाजारों में चीजों के दाम बढ़ने लगे हैं। जिस तरह के हालात हैं उससे 30-40 फीसदी तक तेल और उर्वरकों की कीमतें बढ़ने की आशंका है।

पश्चिम एशिया में जारी तनाव और ईरान से जुड़े हालात के चलते खाड़ी देशों से आयात-निर्यात प्रभावित होने लगा है। वहां बरस रहे बारूद के धमाकों की गूंज का असर यहां राजधानी के बाजार पर भी पड़ रहा है। कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि और गैस सिलिंडर के दाम बढ़ने की आशंका के बीच व्यापारियों में चिंता बढ़ गई है।

विशेषज्ञों का कहना है कि यदि स्थिति जल्द सामान्य नहीं हुई तो उर्वरकों की आपूर्ति भी प्रभावित हो सकती है, जिससे खाद्य उत्पादन पर असर पड़ने और कीमतों में 30 से 40 फीसदी तक वृद्धि की आशंका है।

बख्शी तालाब स्थित चंद्रभानु कृषि महाविद्यालय के कृषि विशेषज्ञ डॉ. सत्येंद्र कुमार सिंह के अनुसार सऊदी अरब, कत्तर, ओमान और यूएई यूरिया, सल्फर और अमोनिया के प्रमुख आपूर्तिकर्ता हैं। ईरान से आने वाला अमोनिया फसलों के लिए आवश्यक पोषक तत्व तैयार करने में उपयोग होता है। आपूर्ति बाधित होने से उर्वरकों की उपलब्धता कम हो सकती है, जिससे किसानों की लागत बढ़ेगी और सरकार की सब्सिडी पर भी दबाव पड़ेगा।

अभी से स्टॉक की कमी : खाद कारोबारी अनुपम अग्रवाल का कहना है कि इस समय आलू की खोदाई और सरसों की कटाई का दौर चल रहा है, जबकि नई बोआई में अभी समय है। इसके बावजूद बाजार में स्टॉक की कमी दिखाई दे रही है। खाड़ी देशों से आपूर्ति बाधित होने का असर स्पष्ट दिख रहा है। यदि सरकार को विदेश से

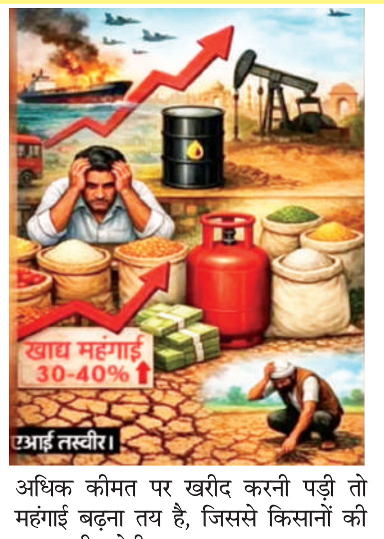

अधिक कीमत पर खरीद करनी पड़ी तो महंगाई बढ़ना तय है, जिससे किसानों की लागत भी बढ़ेगी।

चिकनकारी : 15 करोड़ के ऑर्डर होल्ड पर, कई रद्द : ईद के मद्देनजर खाड़ी देशों से मिलने वाले ऑर्डर प्रभावित होने से लखनऊ के चिकनकारी उद्योग को बड़ा झटका लगा है। लखनऊ चिकनकारी हैंडीक्राफ्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष संजीव अग्रवाल के मुताबिक करीब 15 करोड़ रुपये के ऑर्डर फिलहाल होल्ड पर चले गए हैं, जबकि कई संभावित ऑर्डर रद्द हो गए। इससे लगभग 50 करोड़ रुपये के निर्यात कारोबार पर असर पड़ा है। उन्होंने बताया कि कुल निर्यात का करीब 25 फीसदी हिस्सा खाड़ी देशों को जाता है, जबकि शेष 75 फीसदी यूरोप और अमेरिका के बाजारों में भेजा जाता है।

सेला चावल का निर्यात भी प्रभावित : पांडेयगंज के गल्ला कारोबारी राजेंद्र अग्रवाल ने बताया कि सेला चावल का बड़ा हिस्सा ईरान को निर्यात होता है, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों में निर्यात रुक गया है। इसका असर कीमतों पर भी पड़ा है। पहले 7000 रुपये प्रति क्विंटल बिकने वाला सेला चावल अब करीब 6000 रुपये प्रति क्विंटल पर आ गया है। ऑल इंडिया राइस एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन ने सरकार से बंदरगाहों पर पड़े माल की पेनाल्टी में राहत देने और फंसे भुगतान को बैंकों के माध्यम से जारी कराने की मांग की है।

31 मार्च तक नहीं बढ़ेगा परिवहन भाड़ा : अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने के बावजूद भारतीय पेट्रोलियम कंपनियों ने फिलहाल दाम न बढ़ाने की बात कही है, लेकिन बाजार में आशंका बनी हुई है। ट्रांसपोर्टर राज नारायण ने बताया कि पेट्रोलियम उत्पादों की कीमत बढ़ने पर परिवहन भाड़ा भी बढ़ता है। हालांकि कंपनियों से अनुबंध होने के कारण 31 मार्च तक भाड़ा नहीं बढ़ाया जाएगा, ताकि व्यापार पर अतिरिक्त बोझ न पड़े।

अखिलेश के नेतृत्व में 2027 में बनेगी सपा की सरकार

आजमगढ़ में शिवपाल यादव ने कही ये बात

वाराणसी, एजेंसी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव व पूर्व मंत्री शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में आजमगढ़ की सभी सीटों पर समाजवादी पार्टी जीत दर्ज करेगी और प्रदेश में अखिलेश यादव के नेतृत्व में सपा की सरकार बनेगी। वे रविवार को एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आजमगढ़ पहुंचे थे।

सठियांव क्षेत्र में पूर्व मंत्री चंद्रदेव राम यादव करेली के आवास पर मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने भाजपा सरकार और कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर पर तीखा हमला बोला। दरअसल 22 फरवरी को आजमगढ़ में आयोजित रैली में ओमप्रकाश राजभर ने दावा किया था कि 2027 में एनडीए जिले की सभी सीटों पर जीत हासिल करेगा और समाजवादी पार्टी की स्थिति 2017 से भी खराब होगी। इस पर पलटवार करते हुए शिवपाल यादव ने कहा कि छोटे स्तर के लोगों का जवाब देना उचित नहीं है।

उन्होंने कहा कि आज ओमप्रकाश राजभर समाजवादी पार्टी की वजह से ही विधायक हैं और आने वाले चुनाव में उन्हें सब पता चल जाएगा। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अगर सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी इतनी ही मजबूत है तो सीधे ओमप्रकाश राजभर को ही प्रधानमंत्री बन जाना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर उन्होंने प्रदेश की कानून व्यवस्था पर भी सवाल उठाए।

शिवपाल यादव ने कहा कि प्रदेश में महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं, जबकि सरकार रात में सुरक्षा के बड़े-बड़े दावे करती है। उन्होंने भाजपा के नारे ÷सबका साथ, सबका विश्वास÷ पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार ने किसी को भी

विश्वास में नहीं लिया, यहां तक कि विपक्ष को भी नहीं। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने भ्रष्टाचार के सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं और गड्ढा मुक्त सड़कों का दावा भी पूरी तरह फेल साबित हुआ है।

इस दौरान ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती पर दर्ज मुकदमे को लेकर भी उन्होंने भाजपा पर निशाना साधा और कहा कि भाजपा सरकार झूठे मुकदमे दर्ज कराती है, लेकिन अदालत से ही न्याय मिलेगा। वहीं नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के सवाल पर शिवपाल यादव ने कहा कि हम लोग तो उन्हें दो बार प्रधानमंत्री बनाना चाहते थे, लेकिन वे राज्यसभा जाकर ही खुश हो गए।

शिवपाल यादव ने कहा कि बढ़ती महंगाई और गैस सिलेंडर के दामों से जनता परेशान है। ऐसे में 2027 के चुनाव में समाजवादी पार्टी संगठन को मजबूत कर आजमगढ़ की सभी 10 विधानसभा सीटों पर जीत दर्ज करेगी और प्रदेश में सरकार बनाएगी।

हाथ में घाव किया, फिर ठूंसी गोली

आगरा में शख्स ने खुद को क्यों दिया इतना दर्द, वजह सुन रह जाएंगे सन्न

आगरा एजेंसी। आगरा में जमीन विवाद में विपक्षियों को फंसाने के लिए पिता-पुत्र ने गोली मारने का झूठा ड्रामा रच दिया। डॉक्टरों की जांच में खुलासा हुआ कि गोली चलाई नहीं गई थी, बल्कि घाव बनाकर हाथ में ठूंस दी गई थी।

जमीन के विवाद में शमसाबाद के एक युवक ने पिता को गोली मारी जाने की सूचना दी। सदर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायल को मेडिकल के लिए अस्पताल भेजा। वहां घाव देख डॉक्टर चौंक पड़े। घायल के हाथ में उल्टी गोली फंसी थी। गोली चलाई नहीं बल्कि घाव बनाकर ठूंसी गई थी। विपक्षियों को जेल भिजवाने की पिता-पुत्र की साजिश का खुलासा होने पर पुलिस अब उन पर कड़ी कार्रवाई करने की तैयारी कर रही है।

पुलिस हेल्पलाइन नंबर 112 पर शमसाबाद के गोपालपुरा निवासी कृष्णकांत शर्मा ने शनिवार रात 8 बजे पुलिस को सूचना दी। बताया कि उनके पिता अशोक पर 16 बीघा उखर्रा रोड पर जानलेवा हमला किया गया है। उन्हें गोली मारी गई है। थाना सदर पुलिस मौके पर पहुंची। घायल अशोक को अस्पताल में भर्ती कराया। गोली दाहिने हाथ की बाजू में लगी थी।

कृष्णकांत ने तहरीर देकर गांव के ही रिश्तेदार होतीलाल और उसके पुत्र हेमंत, उमेश और दो अज्ञात पर आरोप लगाया। पुलिस ने तत्काल प्राथमिकी दर्ज की लेकिन उसे मामला संदिग्ध लग रहा था। डॉक्टरों ने जब जांच की तो आरोपी को लगी गोली के बंदूक से नहीं चलने की पुष्टि हुई। कोई गोली मारता तो गोली आगे की ओर से शरीर में लगती लेकिन एक्सरे में गोली उल्टी ओर से लगी दिख रही थी। डॉक्टरों ने घाव कर गोली उसमें फंसाने की पुष्टि की।

पुलिस को आरोपियों से अशोक और उसके परिवार का जमीन का विवाद होने की जानकारी मिली।

पीलीभीत-पूरनपुर हाईवे पर पलटी स्लीपर बस, मच गई चीख-पुकार; 15 से अधिक यात्री घायल

पीलीभीत एजेंसी। पीलीभीत के गजरौला थाना क्षेत्र में सोमवार तड़के सड़क हादसा हो गया। दिल्ली से लखीमपुर खीरी जा रही स्लीपर बस अनियंत्रित होकर हाईवे पर पलट गई। हादसे में 15 से अधिक यात्री घायल हो गए। तीनों यात्रियों के पैरों में गंभीर चोट आई है।

दिल्ली से लखीमपुर जा रही बस पीलीभीत-पूरनपुर हाईवे पर अनियंत्रित होकर पलट गई। तेज रफ्तार होने के कारण बस काफी दूर तक घिसटती चली गई। हादसे में बस में सवार लखीमपुर और बहराइच जिले के 15 से अधिक यात्री गंभीर घायल हो गए। सभी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

निजी स्लीपर बस लखीमपुर और बहराइच जिले के अलग-अलग स्थानों के 35 से 40 यात्रियों को लेकर दिल्ली से रवाना हुई थी। सोमवार तड़के करीब साढ़े तीन बजे पीलीभीत-पूरनपुर हाईवे पर गजरौला थाना क्षेत्र में गांव कैंच के समीप बस अनियंत्रित होकर पलट गई। बस के पलटते ही चीख पुकार मच गई। जैसे तैसे कुछ यात्री बस से बाहर आए और घायलों को बाहर निकालने का प्रयास किया। सूचना पर थाना पुलिस भी पहुंच गई।

यात्री बोले- नशे में था चालक : हादसे में पारुल (25) पत्नी दीपक निवासी बहराइच, बानो (50) पत्नी तस्सुन बहराइच, चार वर्षीय दृष्टि पुत्री दुखहरण, नेपाल निवासी लक्ष्मी, लखीमपुर खीरी निवासी सनी (18), अजय पुत्र जय भगवान आदि 15 यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। तीन यात्रियों को गंभीर चोट आई है। घायलों का जिला अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। यात्रियों ने चालक के नशे में होने की बात कही है। पुलिस घटना की जांच कर रही है।

बदायूं में युवाओं ने मनाया जीत का जश्न : भारत की जीत पर बदायूं शहर के विभिन्न स्थानों पर लोगों ने आतिशबाजी कर और एक-दूसरे को बधाई देकर जीत का जश्न मनाया। युवाओं में खासा उत्साह देखने को मिला। ढोल-नगाड़ों की गूंज और देशभक्ति के नारों से पूरा माहौल गूंज उठा। रानी लक्ष्मीबाई चौक पर देर रात तक जश्न मनाया गया।

अमेरिका-इस्राइल और ईरान युद्ध के कारण संकट: संभल कर खर्च करें गैस

लखनऊ, एजेंसी। अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध के कारण लोगों को एलपीजी सिलिंडर मिलने में मुश्किल आ सकती है। उन्हें संभलकर इस्तेमाल करने की हिदायत दी जा रही है।

एलपीजी ग्राहकों को सलाह दी जा रही है कि गैस संभल कर खर्च करें। 15 दिन में मिलने वाला गैस सिलिंडर अब 25 दिन पर मिलेगा। यह संकट अमेरिका, ईरान, इस्राइल के बीच चल रही तनातनी के चलते उत्पन्न हुआ है। हालांकि, होली पर्व पर गैस सिलिंडर की कोई किल्लत नहीं थी, मगर डिलीवरीमैन के अभाव में यह ग्राहकों के घर नहीं पहुंच सका।

डिस्ट्रीब्यूटर्स एसोसिएशन के मुताबिक बुकिंग के नए नियम को तत्काल प्रभाव से

लागू कर दिया गया है। सिंगल सिलिंडर कनेक्शन के लिए अब 21 दिन से पहले दोबारा बुकिंग नहीं कराई जा सकेगी, जो पहले 15 दिन पर होती थी। डबल सिलिंडर कनेक्शन वाले 25 दिन के अंतराल के बाद ही बुकिंग कर सकेंगे।

एसोसिएशन के सदस्य प्रमोद बंसल ने बताया कि रविवार को घरेलू गैस सिलिंडर की कीमत 950.50 रुपये और व्यावसायिक की 2006 रुपये हो गई है। इंडियन ऑयल गैस सिलिंडर के ग्राहक तीन तरह से बुकिंग करा सकते हैं।

सहालग में संकट: कारोबारियों ने यह भी बताया कि युद्ध के चलते संकट का असर शादी समारोह तक पहुंच गया है। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्रालय ने व्यावसायिक गैस सिलिंडरों की आपूर्ति के लिए सख्ती की है। इससे सहालग में संकट उत्पन्न हो सकता है। अब बॉटलिंग प्लांट में मौजूद स्टॉक के आधार पर ही बिलिंग की जाएगी और एडवांस बुकिंग पर रोक लगा दी गई है। व्यावसायिक उपभोक्ताओं, कैटरिंग व्यवसायियों के सामने अब असहज स्थिति है। बुकिंग पर पाबंदी लगने से ऐन वक्त पर आपूर्ति न मिलने पर आयोजनों में समस्या आ सकती है।

रोडवेज बस में धुआं और लपटें उठता देख मची खलबली

अलीगढ़ एजेंसी। अलीगढ़-पलवल-खैर हाईवे स्थित अटलपुर गांव के पास रोडवेज बस के इंजन से अचानक धुआं व लपटें उठना शुरू हो गईं। इससे बस में बैठी सवारियों में खलबली मच गई। चालक-परिचालक ने बस को रोककर पानी डालकर आग को बुझाया।

नोएडा डिपो की रोडवेज बस अलीगढ़ बस स्टैंड से करीब 40 यात्रियों को लेकर रविवार की दोपहर को नोएडा के लिए जा रही थी। गर्मी के चलते रास्ते में बस का इंजन हीट हो गया। उससे धुआं और लपटें उठना शुरू हो गईं। इसे देख अंदर बैठीं सवारियों में खलबली मच गई। चालक ने बस को गांव अटलपुर के पास रोक लिया। स्थानीय लोगों ने बताया है कि चालक ने पास में लगे हैंडपंप से इंजन पर पानी डाला और आग पर काबू किया।

टीम इंडिया की जीत पर कप्तान सूर्यकुमार यादव के गांव में मना जश्न

वाराणसी, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेले जा रहे विश्व कप फाइनल मुकाबले को लेकर सैदपुर तहसील के इंडिया टीम के टी-20 के कप्तान सूर्यकुमार यादव के हथौड़ा गांव में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव के पैतृक गांव में ग्रामीणों ने टीम इंडिया की जीत के लिए पूजा-अर्चना कर दुआ मांगी। टीम इंडिया की जीत के बाद गांव में लोगों ने अतिशबाजी के साथ ही मिठाई बांटकर जश्न मनाया।

सूर्यकुमार यादव के चाचा राज कपूर यादव ने परिवार के अन्य सदस्यों के साथ क्षेत्र के प्रसिद्ध मारकंडेय महादेव मंदिर में पूजा-अर्चना कर टीम इंडिया की जीत की कामना की। पूजा के दौरान परिवार के लोगों ने भगवान से प्रार्थना की कि भारतीय टीम विश्व कप जीतकर देश का नाम रोशन करे।

परिजनों का कहना है कि भगवान मारकंडेय महादेव की कृपा से भारतीय टीम जरूर जीत हासिल करेगी। पूजा के बाद परिवार के लोग और गांववासी मैच को लेकर काफी उत्साहित नजर आए। फाइनल मुकाबले को लेकर गांव के लोग काफी उत्साहित हैं और उन्हें उम्मीद है कि अगर टीम इंडिया जीत दर्ज करती है तो हथौड़ा गांव में भी भव्य जश्न मनाया जाएगा।

अतिशबाजी कर खिलाई मिठाई

दादा बोले, टीम इंडिया के खिलाड़ी हैं बेहतरीन

सूर्यकुमार यादव के दादा विक्रमा यादव, जो आज भी अपने पैतृक गांव हथौड़ा में रहते हैं, टीम इंडिया की जीत को लेकर पूरी तरह आश्वस्त दिखे। उन्होंने कहा कि सूर्यकुमार एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं और जिस टीम में वह खेल रहे हैं, उसमें सभी खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर के अनुभवी और प्रतिभाशाली हैं। उन्होंने बताया कि हाल ही में परिवार की ओर से सूर्यकुमार से फोन पर बातचीत भी हुई थी। बातचीत के दौरान उन्होंने अपने दादा का हालचाल पूछा और जल्द ही अपने पैतृक गांव आने की इच्छा भी जताई।

गांव में मैच देखने की खास तैयारी

फाइनल मुकाबले को लेकर गांव में अलग ही उत्साह है। ग्रामीणों ने एक साथ बैठकर मैच देखने की तैयारी की है। गांव के बबलू यादव, अमरनाथ यादव, ध्रुव यादव, सतीश यादव, अद्वित यादव, मनीष यादव, सोनू यादव, शशि यादव और आलोक यादव समेत कई लोग मैच शुरू होने का इंतजार कर रहे हैं। गांव के बच्चों ने भारत की जीत पर जश्न मनाने के लिए पहले से ही आतिशबाजी की व्यवस्था कर रखी है।

गाजीपुर से जुड़ी हैं सूर्यकुमार की जड़ें

भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव का जन्म भले ही मुंबई में हुआ हो, लेकिन उनके परिवार की जड़ें गाजीपुर जिले के सैदपुर तहसील के हथौड़ा गांव से जुड़ी हैं। उनके दादा विक्रमा यादव आज भी गांव में रहते हैं और परिवार के लोग समय-समय पर यहां आते रहते हैं।

वाहनों की भिड़ंत के बाद सड़क पर चालकों में झड़प, इसी बीच कारोबारी की कार से 12 लाख का सोना चोरी

मेरठ, एजेंसी। खरखोदा में मेरठ बुलंदशहर हाईवे पर नालपुर स्थित एनसीआर मेडिकल कालेज के पास सोना कारोबारी की कार की भिड़ंत एक थ्री व्हीलर से हो गई। दोनों वाहन मालिकों में समझौता हो गया। इसी दौरान सोना कारोबारी की कार में रखा करीब 12 लाख का सोने से भरा बैग चोरी हो गया। पीड़ित ने मामले की सूचना पुलिस को दी। सूचना के बाद पुलिस ने छानबीन की लेकिन कोई सुराग नहीं लग सका। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि पुलिस कार्रवाई करने के स्थान पर मामले को दबाने में लगी है।

जनपद बुलंदशहर के खुर्जा निवासी दीपांशु पुत्र जितेंद्र के अनुसार उसकी खुर्जा में ज्वेलरी की दुकान है। वह ज्वेलरी का काम करता है। रविवार शाम वह मेरठ में घंटा घर से देव ज्वैलर्स के यहां से करीब 12 लाख की कीमत के सोने के आभूषण लेकर चला था। रात्रि करीब 10:30 बजे जैसे ही उसकी कार मेरठ बुलंदशहर हाईवे पर नालपुर स्थित एनसीआर मेडिकल कॉलेज के पास पहुंची, तभी मेडिकल कॉलेज से निकले थ्री व्हीलर से कार की भिड़ंत हो गई।

हादसे के बाद कुछ लोगों ने उसके साथ मारपीट करनी शुरू कर दी, लेकिन बाद दोनों पक्षों में समझौता हो गया। समझौते में थ्री व्हीलर चालक ने ऑनलाइन सोना कारोबारी से 10 हजार रुपए भी ले लिए। सोना कारोबारी जैसे ही अपनी कार को लेकर अपने घर की तरफ चला। करीब एक किलोमीटर चलने पर उसने देखा कि उसकी कार से ज्वेलरी का बैग गायब था।उसने इसकी सूचना अपने परिजन व पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मामले को संदिग्ध बताया, जिस पर सोना कारोबारी के परिजन हंगामा करने लगे।

संक्षिप्त समाचार

ईरान की मदद क्यों नहीं कर रहे हूती विद्रोही

नई दिल्ली। इजराइल और अमेरिका के ईरान पर हमले के बाद पूरे मिडिल ईस्ट में तनाव फैल गया है। इस जंग में ईरान, इजराइल,सऊदी, लेबनान, UAE जैसे मिडिल ईस्ट के कुल 12 देश शामिल हो चुके हैं। हालांकि जंग के 9 दिन बीत जाने के बाद भी अब तक यमन इससे दूर है। यमन में हूती विद्रोही रहते हैं जो कि ईरान के सहयोगी माने जाते हैं। अक्टूबर 2023 में गाजा जंग शुरू होने के बाद कई बार इजराइल और हूती विद्रोही एक-दूसरे पर हमला कर चुके हैं। पिछले साल जून में इजराइल और ईरान के बीच 12 दिन जंग चली थी, तब भी हूती विद्रोही इस जंग में शामिल थे। हालांकि इस बार 28 फरवरी से जब अमेरिका और इजराइल ने ईरान पर हमले शुरू किए, तब से अब तक हूती विद्रोहियों ने ईरान का समर्थन केवल बयानों के जरिए ही किया है। हालांकि यह साफ नहीं है कि वे आगे भी इस जंग से दूर रहेंगे या नहीं। अल जजीरा के मुताबिक एक्सपर्ट्स का यह मानना है कि हूती जंग में हिस्सा लेंगे। फिलहाल उनका इससे दूर रहना किसी रणनीति से जुड़ा हो सकता है। मिडिल ईस्ट मामलों पर नजर रखने वाले लुका नेवोला ने अल जजीरा से कहा कि हूती विद्रोहियों की सबसे बड़ी प्राथमिकता यह है कि अमेरिका और इजराइल की सीधी जवाबी कार्रवाई से बचा जाए। पिछले साल अगस्त में इजराइल ने यमन में हवाई हमले किए थे, जिनमें हूती सरकार के कम से कम 12 सीनियर मेंबर मारे गए थे। इनमें प्रधानमंत्री अहमद अल-रहवी और आर्मी चीफ मोहम्मद अल-घुमारी भी शामिल थे। यह हूती विद्रोहियों के लिए बहुत बड़ा नुकसान था। अमेरिका तथा इजराइल के साथ टकराव में उनकी सबसे बड़े नुकसान में से एक माना गया था।

नेपाल की संघीय संसद के नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाई गई

काठमांडू। नेपाल की संघीय संसद के नवनिर्वाचित सदस्यों को सिंहदरबार में सोमवार को राष्ट्रीय सभा के अध्यक्ष नारायण प्रसाद दाहाल ने नेपाल के संविधान के अनुच्छेद 86 की धारा 2 के अनुसार पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण के बाद अध्यक्ष दाहाल ने संसद का आधिकारिक प्रतीक चिन्ह प्रदान करके उनके सफल कार्यकाल के लिए शुभकामना दी। राष्ट्रीय सभा में कुल 59 सदस्य होते हैं। संवैधानिक प्रावधान के अनुसार हर दो साल में इसके एक-तिहाई सदस्यों का चुनाव कराया जाता है। राष्ट्रीय सभा की 18 सीटों के लिए चुनाव 25 जनवरी को आयोजित किए गए थे। इन चुनावों में विभिन्न प्रांतों से नए सदस्य निर्वाचित हुए हैं। कोशी प्रदेश से रोशनी मेचे, सोमनाथ पोर्टेल और सुनील बहादुर थापा निर्वाचित हुए। मधेश प्रदेश से रेखा कुमारी झा, धर्मेंद्र पासवान, रंजीत कर्ण और महन्थ ठाकुर चुने गए। इसी तरह बागमती प्रदेश से गीता देवकोटा और प्रेम प्रसाद दंगाल निर्वाचित हुए। गंडकी प्रदेश से जगत तिमिल्सिना और समझना देवकोटा ने जीत दर्ज की। लुम्बिनी प्रदेश से राम कुमारी झांकी, चंद्रबहादुर केसी और वासुदेव घिमिरे निर्वाचित हुए। कर्णाली प्रदेश से मीना सिंह रखाल और ललित जंग शाही चुने गए, जबकि सुदूरपश्चिम प्रदेश से लीला कुमारी भंडारी और खम्ब बहादुर खाती राष्ट्रीय सभा के सदस्य बने हैं।

स्कॉटलैंड में ग्लासगो रेलवे स्टेशन पास की इमारत में लगी आग के कारण बंद किया गया

एडिनबर्ग (स्कॉटलैंड)। स्कॉटलैंड के दक्षिण-पूर्वी हिस्से में स्थित देश के दूसरे सबसे बड़े शहर ग्लासगो में रेलवे स्टेशन के पास एक ऐतिहासिक इमारत में लगी आग के बाद ट्रेनों की आवाजाही रोक दी गई है। आग बुझाने के प्रयास जारी हैं। 1851 में बनी चार मंजिला इस इमारत का कुछ हिस्सा ढह गया है। आग की विभीषिका को देखते हुए ग्लासगो रेलवे स्टेशन को बंद कर दिया गया है। उत्तरी आयरलैंड के प्रमुख अखबार बेलफास्ट टेलीग्राफ की रिपोर्ट के अनुसार आग पर फिलहाल नियंत्रण नहीं पाया जा सका है। यह इमारत व्यावसायिक है। यूनियन स्ट्रीट पर निर्मित इस इमारत में महंगे शोरूम हैं। दमकल विभाग का कहना है कि सूचना मिलते ही रविवार शाम

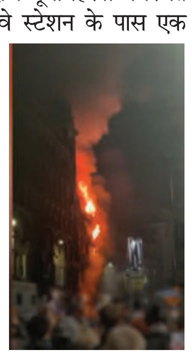

चार बजे जवान मशीनरी के साथ आग बुझाने पहुंचे। आग निचली मंजिल पर लगी है। कोशिश की जा रही है कि यह ऊपर न फैले। बताया गया है कि सारी रात क्रेन से पानी का छिड़काव किया गया, मगर आग अभी पूरी तरह बुझ नहीं सकी है। नेशनल रेल ने कहा कि फिलहाल ग्लासको स्टेशन बंद रहेगा। आग पर नियंत्रण पा लिया गया, तो इसे आज देरात तक खोला जा सकता है। ग्लास्को स्कॉटलैंड के सबसे बिजी स्टेशनों में से एक है। स्कॉटरेल ने अपनी सेवा में बड़ी रुकावट को स्वीकार किया है। रेलवे स्टेशन से गुजरने वाली ट्रेनों के ठहराव अर्गिल स्ट्रीट और एंडरसन में बनाए गए हैं। स्कॉट रेल सर्विस के अधिकारी मार्क इल्र्डटन ने असुविधा के लिए यात्रियों से माफी मांगी है।

काठमांडू की हवा प्रदूषित,एक्यूआई 200 के पास

काठमांडू। नेपाल की राजधानी काठमांडू इस समय गंभीर वायु प्रदूषण की चपेट में है। शहर का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 200 के करीब पहुंच गया है। इस सूचकांक को "बहुत अस्वस्थ" की श्रेणी कहा जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार हवा में मौजूद बेहद सूक्ष्म कण पीएम2.5 प्रदूषण का मुख्य कारण हैं। ये कण स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक होते हैं और खासतौर पर बच्चों, बुजुर्गों तथा पहले से बीमार लोगों के लिए गंभीर जोखिम पैदा करते हैं। वातावरण विभाग के महानिदेशक ज्ञान राज सुवेदी ने बताया कि काठमांडू में खराब वायु गुणवत्ता के पीछे शहरी उत्सर्जन और प्रतिकूल मौसम की स्थिति दोनों जिम्मेदार हैं। शांत हवाएं और बारिश की कमी के कारण धुआं, धूल और अन्य प्रदूषक वातावरण में फैल नहीं पाते और घाटी में ही जमा हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि वाहनों से निकलने वाला धुआं, विशेष रूप से डीजल चालित वाहन जो तय मानकों से अधिक धुआं छोड़ते हैं, प्रदूषण का बड़ा स्रोत बन गए हैं। इसके अलावा औद्योगिक गतिविधियां, निर्माण कार्य से उठने वाली धूल, बायोमास जलाना और घरेलू ईंधन का उपयोग भी हवा को खराब कर रहे हैं। वातावरण विभाग का मानना है कि काठमांडू के आसपास के क्षेत्रों से आने वाला प्रदूषण और मौसमी जंगल की आग भी स्थिति को और गंभीर बना रहे हैं। इसके अलावा तेजी से बढ़ते शहरीकरण के कारण ऊर्जा खपत, परिवहन की मांग और औद्योगिक गतिविधियां बढ़ी हैं, जिससे पीएण2.5, कार्बन मोनोऑक्साइड और नाइट्रोजन डाइऑक्साइड जैसे प्रदूषकों की मात्रा में वृद्धि हो रही है। आंकड़ों के अनुसार काठमांडू में प्रदूषण कोई नई समस्या नहीं है। वर्ष 2025 के आखिरी में शहर में पीएम2.5 का औसत स्तर 45.1 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज किया गया था, जो लगभग एक्यूआई 128 के बराबर है। यह स्तर विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा तय वार्षिक सुरक्षित सीमा 5 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से लगभग नौ गुना अधिक है। वर्तमान में काठमांडू दुनिया के सबसे अधिक प्रदूषित प्रमुख शहरों में तीसरे स्थान पर है। पिछले 30 दिनों से काठमांडू की वायु गुणवत्ता लगातार "अस्वस्थ" श्रेणी में बनी हुई है।

राजस्थान, गुजरात और हिमाचल में हीटवेव की चेतावनी

नई दिल्ली/शिमला/जयपुर/भोपाल। मार्च के दूसरे हफ्ते में ही तेज गर्मी होने लगी है। मौसम विभाग ने सोमवार को राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र और हिमाचल में हीटवेव का अलर्ट जारी किया है। महाराष्ट्र के अकोला और राजस्थान के पिलानी-बाड़मेर में पारा 40°C का आंकड़ा पार कर गया है। विभाग ने जम्मू-कश्मीर, झारखंड, ओडिशा, बंगाल, बिहार, सिक्किम, केरल और आंध्र प्रदेश में बारिश की संभावना जताई है। IMD का कहना है कि एक नया वेस्टर्न डिस्टर्बेंस हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में बारिश करवाएगा। मध्य प्रदेश के रतलाम का तापमान 38.6 डिग्री रहा। नई दिल्ली में भी दिन का टेंपरेचर 35.6 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। कश्मीर में टेम्परेचर 9.4 से 10.7 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। 10-12 मार्च तक कुपवाड़ा, बांदीपोरा, गंदेरबल और अनंतनाग के कुछ ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की बर्फबारी हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार इन दिनों राजस्थान के रेगिस्तानी इलाकों से गर्म हवाएं आ रही हैं। जिसका असर मैदानी राज्यों में देखने को मिल रहा है। हवा की दिशा उत्तर-पूर्व से अब पश्चिम और उत्तर-पश्चिम हो गई है। वहीं, हवा में नमी बहुत कम है। इससे आने वाले दिनों में तापमान और बढ़ेगा। इससे धूप का तीखापन भी बढ़ सकता है।

चुनावी हिंसा पर 'शून्य सहनशीलता' की नीति अपनाएगा आयोग

एजेंसी, कोलकाता

पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच भारत निर्वाचन आयोग के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने राजनीतिक दलों को आश्वस्त किया है कि पश्चिम बंगाल में स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित करने के लिए आयोग सभी आवश्यक कदम उठाएगा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि चुनावी हिंसा के मामले में आयोग की नीति "शून्य सहनशीलता" की होगी। कोलकाता में सोमवार को आयोजित बैठक के दौरान ज्ञानेश कुमार ने कहा कि भारत में चुनाव पूरी तरह कानून के अनुसार कराए जाते हैं और चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता बनाए रखने के लिए आयोग कोई कसर नहीं छोड़ेगा। इस बैठक में चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी के साथ पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी और आयोग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

सूत्रों के अनुसार, बैठक का उद्देश्य विभिन्न राजनीतिक दलों की चिंताओं और सुझावों को सुनना तथा चुनाव प्रक्रिया को और मजबूत बनाने में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना था। बैठक को व्यवस्थित तरीके से संचालित किया गया, जिसमें प्रत्येक राजनीतिक दल को अपनी बात रखने के लिए लगभग 15 मिनट का समय दिया गया। बैठक में कई राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय दलों के प्रतिनिधि शामिल हुए। इनमें आम आदमी पार्टी, भारतीय जनता पार्टी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी), भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और नेशनल पीपुल्स पार्टी के प्रतिनिधि मौजूद थे। राज्य स्तरीय दलों में ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक और ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया।

बैठक के दौरान कुछ दलों ने पश्चिम बंगाल में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की सराहना भी की। आयोग के अधिकारियों के अनुसार, कुछ प्रतिनिधियों ने भरोसा जताया कि यह प्रक्रिया मतदाता सूची को अधिक सटीक बनाने में मदद करेगी। इसके साथ ही कई दलों ने चुनाव के दौरान कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर चिंता भी जताई। उन्होंने मतदाताओं को डराने-धमकाने की संभावनाओं को रोकने के लिए कड़े कदम उठाने की मांग की। कुछ प्रतिनिधियों ने चुनाव के दौरान कच्चे बम, अवैध हथियारों के इस्तेमाल तथा धनबल और बाहुबल के प्रभाव की आशंका भी जताई।

राजनीतिक दलों ने शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के लिए बड़ी संख्या में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की तैनाती की मांग भी उठाई। साथ ही कई दलों ने सुझाव दिया कि मतदान एक या दो चरणों में कराया जाए ताकि हिंसा की संभावना कम हो और प्रक्रिया सुचारू रूप से पूरी हो सके। इन चिंताओं के जवाब में मुख्य चुनाव आयुक्त ने दोहराया कि आयोग पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से चुनाव कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पूरी पारदर्शिता के साथ किया गया है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने यह भी बताया कि मतदाता सूची में नए नाम जोड़ने, नाम हटाने या विवरण में सुधार के लिए प्रपत्र 6, 7 और 8 अभी भी जमा किए जा सकते हैं। बैठक के अंत में विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने आगामी चुनाव शांतिपूर्ण और बिना हिंसा के संपन्न कराने में आयोग को पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया।

ईरान बोला- मजबूरी में जंग लड़ रहे

एजेंसी, तेल अवीव/तेहरान

♦ तुर्किये-साइप्रस और अजरबैजान पर हमले से इनकार किया इजराइली हमले में ईरान के नए सुप्रीम लीडर घायल

ईरान ने कहा है कि वह मजबूरी में जंग लड़ रहा है, यह उसकी पसंद नहीं है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने सोमवार को एक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान कहा कि जंग देश पर जबरन थोपी गई है। जब उनसे सीजफायर के लिए मध्यस्थता की संभावना के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि फिलहाल इस तरह की बात करना गलत होगा। बघाई ने कहा कि इस समय सैन्य टकराव जारी है और ऐसे में देश की रक्षा के अलावा किसी दूसरे विषय पर चर्चा करना सही नहीं है। उन्होंने कहा कि ईरान ने इस जंग की शुरुआत नहीं की थी। उनके अनुसार देश को अपनी रक्षा के लिए लड़ना पड़ रहा है। इसके अलावा उन्होंने तुर्किये, साइप्रस और अजरबैजान पर हमले से भी इनकार किया है। उन्होंने कहा कि पिछले सप्ताह इन देशों की दिशा में ईरान की जमीन से कोई हमला शुरू नहीं किया गया। इस बीच टाइम्स ऑफ इजराइल ने बताया कि ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के बेटे मुजतबा खामेनेई घायल हो गए हैं। उन्हें बीती रात ईरान का नया सुप्रीम लीडर घोषित किया गया था।

35 साल से ईरान की सर्वोच्च सत्ता पर काबिज थे अली खामेनेईः ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की 28 फरवरी को US-इजराइल के हमले में मौत हो गई थी। अयातुल्ला 1989 में रुहोल्लाह खुमैनी के निधन के बाद से ईरान के सर्वोच्च नेता के पद पर काबिज थे। ईरान में 1979 की इस्लामिक क्रांति के दौरान, जब शाह मोहम्मद रजा पहलवी को हटाया गया तो खामेनेई ने क्रांति में बड़ी भूमिका निभाई थी। इस्लामिक क्रांति के बाद खामेनेई को 1981 में राष्ट्रपति बनाया गया था। वह 8 साल तक इस पद पर रहे। 1989 में ईरान के सुप्रीम लीडर खुमैनी की मौत के बाद उन्हें उत्तराधिकारी बनाया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक अयातुल्ला धर्मगुरु की एक पदवी है।

जींद : फैक्टरी में लगी आग में झुलसी एक और महिला ने तोड़ा दम, मरने वालों की संख्या हुई सात

एजेंसी, जींद

सफीदों की गीता कालोनी में रंग फैक्टरी में लगी आग में झुलसी एक और महिला मजदूर की पानीपत के निजी अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। इसके साथ ही मरने वाली महिला मजदूरों की संख्या सात हो गई है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपित फैक्टरी मालिक को अदालत में पेश कर दो दिन के रिमांड पर लिया है।

सफीदों के गीता कालोनी में अवैध रूप से चल रही रंग गुलाल की फैक्टरी में सात मार्च को लगी आग में झुलसी न्यू गीता कालोनी निवासी ममता (35) की पानीपत के निजी अस्पताल में बीती रात उपचार के दौरान मौत हो गई। जिसके साथ मरने वाली महिला मजदूरों की संख्या सात हो चुकी है। सफीदों निवासी महिला मजदूर पूजा, पिंकी, गुड्डी, ऊषा की आग में झुलसने से मौके पर मौत हो गई थी। जबकि महिला मजदूर सरिता तथा धनपति की पीजीआई रोहतक में उपचार के दौरान रविवार को मौत हो गई थी। घटना के दौरान फैक्टरी में 21 मजदूर थे। जिसमें चार महिला मजदूर छत से कूद कर बच निकली थी। जबकि 17 मजदूर अंदर थे जो झुलस गए थे। इसमें 13 महिलाएं थी जिनमें से सात महिलाओं की अब तक मौत हो चुकी है। एसपी कुलदीप सिंह ने सोमवार को बताया कि सफीदों में अवैध फैक्टरी मे लगी आग की जांच अब एएसपी सोनाक्षी के नेतृत्व में गठित एसआईटी करेगी। जिसमें डीएसपी सफीदों, शहर थाना प्रभारी, सफीदों सीआईए प्रभारी के महिला पुलिसकर्मियों को शामिल किया गया है। गठित एसआइटी 15 दिन मे जांच पूरी कर अपनी रिपोर्ट एसपी कुलदीप सिंह सौपेंगी।

ममता बनर्जी के धरने का चौथा दिन, रवींद्र संगीत सुनाया, बोलीं धरना स्थल पर भाजपा पर्चे बांट रही

एजेंसी, कोलकाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का धरना सोमवार को चौथे दिन भी जारी है। आज धरना स्थल पर ममता ने रवींद्र संगीत दल के साथ गाना गाया। ममता ने आरोप लगाया कि उनके धरना स्थल पर भाजपा और उसकी एजेंसियों पर्चे बांट रहे हैं। ममता ने TMC कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया कि वे पर्चे बांट रहे लोगों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दें। पर्चों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 14 मार्च को कोलकाता में होने वाली रैली का प्रचार किया जा रहा है। ममता ने अपने समर्थकों से कहा, किसी अन्य राजनीतिक दल के कार्यक्रमों में ऐसे पर्चे बांटने का उन्हें कोई अधिकार नहीं है। उन्हें पकड़ो और पुलिस के हवाले कर दो। बनर्जी ने राज्य मंत्री शशि पांजा को भी इस मामले में पुलिस में शिकायत दर्ज कराने का निर्देश दिया। उन्होंने यह भी दावा किया कि पर्चे बांटने में शामिल लोग पूछताछ के बाद भाग गए। ममता ने राज्य में स्पेशल इंटेसिव रिविजिन (SIR) में वोटर लिस्ट से नाम हटाने के विरोध में 6 मार्च दोपहर 2 बजे से कोलकाता के एस्प्लेनेड मेट्रो चैनल पर धरना शुरू किया है। ममता ने आरोप लगाया कि भाजपा चुनावी प्रक्रिया में हेरफेर करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया, "उनके पास जनता का समर्थन नहीं है। वे वोट चोर हैं। वे एजेंसियों का इस्तेमाल करते हैं।"

मुख्य चुनाव आयुक्त को TMC ने काले झंडे दिखाएः पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले सियासी माहौल गर्म होता दिख रहा है। इसी बीच मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को कोलकाता पहुंचते ही विरोध का सामना करना पड़ा। रविवार रात विमान से कोलकाता एयरपोर्ट पर उतरने के बाद उनका न्यूटाउन के एक होटल में ठहरने का कार्यक्रम था। लेकिन उनके पहुंचने से पहले ही होटल के बाहर राजरहाट-न्यूटाउन इलाके के कई लोग इकट्ठा हो गए। प्रदर्शनकारियों के हाथों में काले झंडे और बैनर थे और वे "गो बैक" के नारे लगा रहे थे।

विरोध करने वालों में अधिकतर लोग सत्ताधारी दल TMC के कार्यकर्ता और समर्थक बताए जा रहे हैं। उनका आरोप है कि SIR प्रक्रिया के दौरान कई मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। इसी के विरोध में लोग सड़क पर उतरे हैं। मौके पर पहुंचे राजरहाट-न्यूटाउन विधायक तपस चटर्जी ने कहा- इस इलाके के कई लोगों के नाम वोटर लिस्ट से हटा दिए गए हैं। चुनाव आयुक्त यहां ठहरने आ रहे हैं, इसलिए आम लोग अपनी नाराज़गी जताने के लिए इकट्ठा हुए हैं। हम एक भी मतदाता का नाम सूची से हटने नहीं देंगे।

सऊदी अरब ने दक्षिण-पूर्व में ऑयलफील्ड को निशाना बना रहे ड्रोन को किया नष्ट

एजेंसी, इस्तांबुल

पश्चिम एशिया में पिछले 10 दिनों से जारी सैन्य संघर्ष के कारण पूरे खाड़ी क्षेत्र में सुरक्षा और ऊर्जा आपूर्ति को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। सऊदी अरब ने अपने दक्षिण-पूर्वी हिस्से में स्थित एक प्रमुख ऑयलफील्ड को निशाना बना रहे ड्रोन को मार गिराया। सऊदी एयर डिफेंस ने रियाद के पास भेजे गए दो अन्य ड्रोन और एक बैलिस्टिक मिसाइल को भी रास्ते में ही नष्ट कर दिया। उधर ईरानी हमलों के बाद बहरीन की बाप्को एनर्जीज ने इसे अप्रत्याशित घटना बताते हुए आपात योजना लागू कर दी है, जिससे क्षेत्र में सुरक्षा और ऊर्जा आपूर्ति को लेकर चिंता बढ़ गई है।

तुर्किये की सरकारी समाचार एजेंसी अनादोलु एजेंसी के मुताबिक सऊदी अरब के रक्षा मंत्रालय ने रविवार देर रात बताया कि देश की वायु रक्षा प्रणाली ने दक्षिण-पूर्व में स्थित शायबा ऑयलफील्ड को निशाना बना रहे एक ड्रोन को मार गिराया। यह ऑयलफील्ड रब-अल-खली रेगिस्तान में स्थित है। मंत्रालय के प्रवक्ता के अनुसार, राजधानी रियाद के उत्तर में लक्ष्य बनाकर भेजे गए दो अन्य ड्रोन को भी सऊदी एयर डिफेंस ने रास्ते में ही नष्ट कर दिया। इसके अलावा प्रिंस सुल्तान एयर बेस की ओर दागी गई एक बैलिस्टिक मिसाइल को भी इंटरसेप्ट कर गिरा दिया गया। वहीं, रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी वीडियो में हाल के दिनों में लॉन्च किए गए कई ड्रोन को सऊदी वायु रक्षा प्रणाली के द्वारा नष्ट करते हुए दिखाया गया है।

इससे पहले सऊदी सिविल डिफेंस ने जानकारी दी थी कि सेंट्रल सऊदी अरब के अल-खार्ज गवर्नरेट में एक मेंटेनेंस और क्लीनिंग कंपनी के रिहायशी इलाके पर किए गए हमले में एक भारतीय और एक बांग्लादेशी नागरिक की मौत हो गई, जबकि 12 बांग्लादेशी घायल हो गए थे। विगत 28 फरवरी को अमेरिका एवं इजराइल द्वारा ईरान पर संयुक्त रूप से हमला किए जाने के बाद से ही पश्चिम एशिया अशांत है। ईरानी अधिकारियों के मुताबिक इस हमले में सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई समेत 1,200 से अधिक लोग मारे गए और 10,000 से अधिक घायल हुए। इसके जवाब में ईरान ने इजराइल, इराक, जॉर्डन और खाड़ी देशों की ओर मिसाइल और ड्रोन हमले किए, जहां अमेरिकी सैन्य ठिकाने मौजूद हैं। बहरीन न्यूज एजेंसी के अनुसार कंपनी ने सोमवार को कहा कि स्थानीय बाजार की सभी जरूरतें पहले से तय इमरजेंसी प्लान के तहत पूरी की जा रही हैं, ताकि ईंधन की आपूर्ति जारी रहे और घरेलू मांग पर कोई असर न पड़े। कंपनी ने कहा कि वह अपने सहयोगियों और संबंधित संस्थाओं को हालात से जुड़े ताजा सूचना देती रहेगी।

महाराष्ट्र में नए ऑटो रिक्शा परमिट पर लगी रोक

एजेंसी, मुंबई

महाराष्ट्र में नए ऑटो रिक्शा परमिट जारी करने पर फिलहाल रोक लगा दी गई है। प्रदेश के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने सोमवार को बताया कि सूबे में आज से नए ऑटो रिक्शा परमिट जारी नहीं किए जाएंगे। सरनाईक ने कहा कि नए ऑटो रिक्शा परमिट के लिए नई पॉलिसी बनाई जाएगी। इसके बाद फिर से नए ऑटो रिक्शा परमिट जारी करने का निर्णय लिया जाएगा।

परिवहन मंत्री ने मुंबई में मीडिया से बातचीत में कहा कि राज्य के बड़े शहरों में ऑटो रिक्शा की संख्या काफी बढ़ गई है, जिससे ट्रैफिक जाम की समस्या गंभीर होती जा रही है। खासकर मुंबई और उसके आस-पास के इलाकों में रिक्शा की बढ़ती संख्या से ट्रैफिक पर काफी दबाव पड़ रहा है। इसे देखते हुए राज्य में ऑटो रिक्शा का परमिट जारी नहीं करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि ऑटो रिक्शा के परमिट का हस्तांतरण पूर्ववत किया जा सकता है। प्रताप सरनाईक ने कहा कि इस संबंध में महाराष्ट्र सरकार ने केंद्र सरकार से बातचीत की थी।

उन्होंने कहा कि राज्य में करीब 14 लाख ऑटो रिक्शा परमिट बांटे गए हैं। कुछ जगहों पर ऐसी शिकायतें हैं कि एक ही परिवार के कई सदस्यों को परमिट दिए गए हैं। साथ ही, कुछ मामलों में सरकार को ऐसी शिकायतें मिली हैं कि बांग्लादेशी नागरिकों ने भी गैर-कानूनी तरीके से परमिट हासिल किए हैं। इन सभी बातों को ध्यान में रखते हुए परमिट सिस्टम को ज्यादा पारदर्शी और नियंत्रणीय बनाने के लिए यह फैसला लिया गया है। उन्होंने यह भी साफ किया कि राज्य में 5 लाख से ज़्यादा आबादी वाले शहरों में ऑटो रिक्शा परमिट के बारे में फैसला लेने का अधिकार राज्य सरकार के पास है इसलिए, लोकल हालात, ट्रांसपोर्ट की जरूरतों और नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जल्द ही नई पॉलिसी तैयार की जाएगी।

खाड़ी देशों से 50 हजार नेपाली नागरिकों ने लौटने के लिए आवेदन दिया

एजेंसी, काठमांडू

अमेरिका–ईरान युद्ध के कारण खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच वहां काम कर रहे 50 हजार से अधिक नेपाली श्रमिकों ने अपनी वापसी के बारे में सरकार को आवेदन दिया है। तनाव बढ़ने के बाद सरकार ने खाड़ी देशों में कार्यरत नेपाली श्रमिकों का विवरण एकत्र करने के लिए विदेश मंत्रालय को निर्देश दिया था। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि खाड़ी क्षेत्र में तेजी से बदलती स्थिति पर सरकार लगातार नजर बनाए हुए है। इसके बाद कांसुलर विभाग ने ऑनलाइन पंजीकरण प्रणाली 3 मार्च से शुरू की, जिसमें कुल 51,405 नेपाली श्रमिकों ने अपनी जानकारी दर्ज कराई है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लोक बहादुर पौडेल के अनुसार पंजीकरण में दी गई जानकारी के आधार पर श्रमिकों की सुरक्षा स्थिति का आकलन किया जा रहा है और उसी के अनुसार प्राथमिकता तय कर बचाव प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन दर्ज जानकारी के आधार पर हमने यह पहचान की है कि कौन नेपाली सुरक्षित है और कौन असुरक्षित। जिन्होंने खुद को असुरक्षित बताया है, उनके बारे में दूतावास के माध्यम से जानकारी ली जाएगी। यदि किसी को अत्यधिक जोखिम में पाया गया तो उसे प्राथमिकता के आधार पर निकालने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।"

प्रवक्ता के अनुसार समस्याओं में फंसे नेपाली श्रमिकों के लिए उनके नियोक्ताओं के साथ भी

समन्वय किया जाएगा। सरकार ने खाड़ी क्षेत्र में रह रहे सभी नेपाली नागरिकों से अपनी स्थिति बताने के लिए ऑनलाइन फॉर्म भरने का अनुरोध किया है। हालांकि अब तक कितने लोगों ने खुद को सुरक्षित या असुरक्षित बताया है, इसकी जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है।

युद्ध के कारण हवाई सेवा प्रभावितः 28 फरवरी से शुरू हुए ईरान इजरायल और अमेरिका के बीच चल रहे युद्ध के कारण काठमांडू और खाड़ी देशों के बीच हवाई सेवा लगभग 10 दिनों तक बंद रही। फिलहाल Emirates और अन्य कुछ एयरलाइनों के माध्यम से यूएई से आंशिक उड़ानें शुरू हो चुकी हैं, लेकिन दोहा–काठमांडू उड़ान अभी तक शुरू नहीं हुई है। उड़ानें बाधित होने के कारण नेपाली नागरिकों सहित सैकड़ों यात्री खाड़ी के विभिन्न शहरों में फंसे हुए हैं और कई श्रमिक अभी तक स्वदेश नहीं लौट पाए हैं।

ईरान के मिसाइल हमले से एक नेपाली नागरिक की मौत भी हो चुकी है। 18 फागुन को अबूधाबी स्थित जायद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर ईरानी ड्रोन को निष्क्रिय करने के दौरान गोरखा जिला के निवासी 29 वर्षीय दिवस श्रेष्ठ की मौत हो गई थी। वे एक मिडिल ईस्ट कंपनी में सुरक्षा गार्ड के रूप में कार्यरत थे। यूएई सरकार के अनुसार इस हमले में नेपाल, बांग्लादेश और पाकिस्तान के एक-एक नागरिक की मृत्यु हुई थी।

अबूधाबी स्थित नेपाली दूतावास की प्रवक्ता रंजिता दहाल के अनुसार शुरुआत में श्रमिकों में काफी डर था, लेकिन अब स्थिति को लेकर जागरूकता बढ़ने के साथ भय कुछ कम हुआ है। उन्होंने बताया कि दूतावास 24 घंटे हेल्पलाइन सेवा दे रहा है और जो नेपाली आपात स्थिति में तुरंत स्वदेश लौटना चाहते हैं, उनके लिए एयरलाइंस के साथ समन्वय किया जा रहा है। इस बीच कुवैत में ट्रांजिट के दौरान फंसे 50 नेपाली नागरिकों के लिए नेपाली दूतावास और नॉन रेजिडेंट नेपाल एसोशिएशन ने मिलकर भोजन और आवास की व्यवस्था की है।

RNI : JHAHIN/2014/54374
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
https://rashtriyamukhyadhara.com/

टी20 विश्व कप जीत के बाद सूर्यकुमार यादव का अगला लक्ष्य ओलंपिक स्वर्ण पदक

एजेंसी, नई दिल्ली

टीम इंडिया के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप का खिताब जीतने के बाद अब अपना अगला बड़ा लक्ष्य तय कर लिया है। उन्होंने कहा कि टीम का अगला लक्ष्य ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतना और उसी साल होने वाला अगला टी20 विश्व कप जीतना है। अहमदाबाद में न्यूज़ीलैंड को 96 रन से हराकर खिताबी जीत के बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में सूर्या ने कहा,"अब हमारा अगला लक्ष्य ओलंपिक है। ओलंपिक गोल्ड और उसी साल होने वाला टी20 विश्व कप भी। इसे भूलिए मत।" बता दें कि 2028 ग्रीष्मकालीन ओलंपिक अगस्त 2028 में लॉस एंजेलिस में आयोजित होंगे। वहीं टी20 विश्व कप का अगला संस्करण उसी साल ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में खेला जाएगा। सूर्यकुमार यादव के इस बयान से उनके भविष्य को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लग गया है। इससे पहले रोहित शर्मा ने 2024 में टी20 विश्व कप जीतने के बाद अंतरराष्ट्रीय टी20 क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। सूर्यकुमार यादव ने कहा कि विश्व कप जीत का एहसास अभी पूरी तरह से महसूस नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, "अभी हम मैच से बाहर आए हैं, इसलिए इस जीत को पूरी तरह महसूस करने में थोड़ा समय लगेगा।

जब हम घर जाएंगे और अगले दिन उठेंगे, तब शायद इस जीत का असली एहसास होगा। पिछले दो साल का सफर अविश्वसनीय रहा है।" भारत ने टूर्नामेंट में खेले गए नौ में से आठ मैच जीते। हालांकि शुरुआत आसान नहीं रही। टीम को पहले मैच में संयुक्त राज्य अमेरिका के खिलाफ संघर्ष करना पड़ा और सुपर-8 चरण में दक्षिण अफ्रीका से हार का सामना करना पड़ा। कप्तान ने कहा कि चेन्नई में जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच के बाद टीम ने अलग अंदाज का क्रिकेट खेलना शुरू किया और आत्मविश्वास बढ़ता गया। सूर्यकुमार यादव ने बताया कि 2024 के टी20 विश्व कप फाइनल में लिया गया उनका यादगार कैच उनके जीवन का टर्निंग प्वाइंट बना। उसी के बाद जब उन्हें कप्तानी मिली तो उन्होंने 2026 में भारत में होने वाले विश्व कप को लक्ष्य बनाकर टीम को तैयार करना शुरू किया। उन्होंने कहा कि टीम ने 2024 के बाद से आक्रामक और अलग अंदाज का क्रिकेट खेलना शुरू किया। इसी रणनीति के साथ भारत ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 भी जीती और अब घरेलू मैदान पर टी20 विश्व कप का खिताब अपने नाम किया। सूर्यकुमार यादव ने कहा, "हम इसी तरह आक्रामक क्रिकेट खेलते रहना चाहते हैं और 2027, 2028 और 2029 में भी यही रवैया जारी रहेगा।"

एएफसी एशियाई कप फुटबॉल में आज चीनी ताइपे से होगा भारतीय टीम का मुकाबला

एजेंसी, होबर्ट

ऑस्ट्रेलिया में जारी एएफसी महिला एशियाई कप फुटबॉल में भारतीय महिला फुटबॉल टीम मंगलवार को चीनी ताइपे से खेलेगी। भारतीय टीम के लिए ये मैच बेहद अहम है। उसे क्वार्टर फाइनल के लिए अपनी संभावनएं बनाये रखने के लिए ये अंतिम ग्रुप मैच दो गोल के अंतर से जीतना होगा। इसके अलावा कुछ अन्य परिणाम उसके अनुसार रहने की उम्मीद करनी होगी। भारतीय टीम के लिए हालांकि अपने से ऊंची रैंकिंग वाली चीनी ताइपे को हराना आसान नहीं होगा। चीनी ताइपे ने एक अन्य मैच में चीन को 1-0 से हराया है जिससे उसके लय में होने को अंदाजा होता है। भारतीय टीम अपने पहले मैच में वियतनाम से 1-2 से हार गयी थी। वहीं दूसरी मैच में उसे जापान से 11-0 से हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में उसे चीनी

ताइपे को हराने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। जापान के हाथों भारतीय टीम को 11-0 से हार का सामना करना पड़ा है। इस प्रकार शुरुआती दो मैच हाकर भारतीय टीम ग्रुप सी में अंतिम स्थान पर फिसल गयी है। अब भारतीय टीम को अर क्वार्टर फाइनल के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखनी है। तो उसे 10 मार्च को चीनी ताइपे के खिलाफ मुकाबले में बड़ी जीत हासिल करनी होगी। चीनी ताइपे ने एक अन्य मैच में चीन को 1-0 से हराया है जिससे उसके लय में होने को अंदजा होता है। भारतीय महिला फुटबॉल टीम जापान के खिलाफ मुकाबले में लय में नहीं दिखी। पूर्व चैंपियन जापान मैच शुरू के बाद ही हावी हो गयी। उसने शुरूआती हाफ में ही 5-0 की बढ़त के साथ ही अपनी जीत की संभावना पक्की कर ली। टीम ने दूसरे हाफ में भी छह गोल किये। जापान के खिलाफ इस मैच में भारतीय टीम कहीं भी मुकाबले में नहीं दिखी। इससे साफ है कि भारतीय टीम को अभी काफी सुधार की जरुरत है। दो बार की विजेता जापान ने मैच में अधिकतरा समय गेंद अपने पास रखी। वहीं चार महीने के बाद अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने उतरी भारतीय टीम पूरे मुकाबले में कही नहीं दिखी। जापान की ओर से युजुकी यामामोटो ने चौथे मिनट, युई हसेगावा ने 13वें, हिनाता मियाजावा ने 20वें, 35वें, 81वें, किको सेइके ने 45वें, 55वें, जबकि रिको उईकी ने 47वें, 50वें, 65वें और माया हिजिकाता ने 62वें मिनट में गोल किये। अब भारतीय टीम को अपनी आगे की संभावनाएं बनाये रखने के लिए अपने अंतिम ग्रुप मैच में चीनी ताइपे को कम से कम दो गोल के अंतर से हराना होगा।

धोनी ने गंभीर की प्रशंसा करते हुए कहा, आपकी मुस्कान शानदार लग रही

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने आईसीसी टी20 विश्वकप में भारतीय टीम की जीत के बाद मुख्य कोच गौतम गंभीर की प्रशंसा करते हुए उनके प्रति आभार जताया है। धोनी फाइनल के दौरान वीवीआईपी बॉक्स में पूर्व कप्तान रोहित शर्मा और आईसीसी चेयरमैन जय शाह के साथ बैठे थे। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा कर अपनी खुशी भी व्यक्त की है। धोनी ने लिखा, "कोच साहब, आपकी मुस्कान बहुत शानदार लग रही है। मुस्कान के साथ आपकी जीत कमाल की है, बहुत अच्छा किया।," गौरतलब है कि गंभीर की छवि काफी सख्त कोच की रही है और वह अपने नाम के अनुरुप हमेशा ही गंभीर मुद्रा में दिखते हैं। इसके अलावा धोनी से भी उनके

संबंध अच्छे नहीं माने जाते रहे हैं। धोनी ने इस बार गर्मजोशी से गंभीर के प्रति अपनी बात कही है। उन्होंने टीम में नए नेतृत्व के तहत हुए बदलाव को भी सही बताया। उन्होंने साथ ही लिखा, "अहमदाबाद में इतिहास बन गया। टीम, सहयोग स्टाफ और भारतीय क्रिकेट टीम के सभी प्रशंसकों को बहुत-बहुत बधाई। आप सभी को खेलते देखना बहुत खुशी की बात है।" "कोच साहब" वाली टिप्पणी मजाकिया अंदाज में गंभीर के लिए थी, जो गंभीर छवि के लिए जाने जाते हैं। धोनी की गंभीर की जीत के बाद मुस्कान पर की गई मजाकिया टिप्पणी से भी पता चलता है कि दोनों के बीच मतभेद की जो बातें आती रही हैं। वे सभी गलत हैं। सोशल मीडिया पर आम तौर पर गंभीर और धोनी को अच्छा दोस्त नहीं माना जाता पर इन दोनो ने ही कई बार उन्होंने इन अफवाहों को गलत साबित किया है। धोनी ने मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की भी प्रशंसा की है। बुमराह ने न्यूजीलैंड के शीर्ष क्रम को अपनी गेंदबाजी से ढ़हा दिया था। इसी को देखते हुए धोनी ने लिखाः "बुमराह के बारे में कुछ ना लिखूं तो ही अच्छा है चैंपियन गेंदबाज।" इससे साफ है कि बुमराह के बारे में कुछ भी लिखना बेकार है।

अभिषेक के लिए लकी साबित हुआ शिवम से उधार लिया बल्ला

एजेंसी, अहमदाबाद

भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने टी20 विश्वकप 2026 के खिलाफ मुकाबले में शानदार अर्धशतकीय पारी खेलकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई है। अभिषेक के लिए इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल तक के मैच अच्छे नहीं रहे थे। ऐसे में उनके ऊपर फाइनल में बड़ी पारी खेलने का दबाव था जिसमें वह सफल रहे पर क्या आप जानते हैं जिस बल्ले से अभिषेक ने ये आक्रामक पारी खेली वह उन्होंने शिवम दुबे से उधार लिया हुआ था जो उनके लिए लकी साबित हुआ। बल्ला बदलने की योजना अभिषेक ने मैच की सुबह की। एक रिपोर्ट के अनुसार , अभिषेक ने फाइनल जीतने के बाद कहा, आज मैंने शिवम दुबे के बल्ले से बल्लेबाजी की, इसलिए उसे धन्यवाद देता हुं। सुबह मुझे कुछ अलग करने का मन हुआ और मैंने ऐसा किया। अभिषेक ने केवल 18 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा कर लिया था और भारतीय टीम को

एक अच्छी शुरुआत दिलाई थी। वह 21 गेंदों में 52 रनों की पारी खेलकर पेवेलियन लौट पर तब तक भारतीय टीम को एक अच्छी शुरुआत मिल गयी थी। इस पारी से उनका आत्मविश्वास भी बढ़ा है। वहीं टूर्नामेंट की शुरुआत उनके लिए अच्छी नहीं रही थी। पहली तीन पारियों में तो वह शून्य पर ही आउट हो गये थे। चौथे मैच में भी केवल 15 रन ही बना पाये। एक मैच में जिम्बाब्वे के खिलाफ उन्होंने 55 रन बनाये पर सुपर 8 के आखिरी मैच में सिर्फ 10 रन बना सके। सेमीफाइनल में भी अभिषेक केवल 9 रन ही बना पाये। ऐसे में उन पर दबाव था कि फाइनल मैच में कुछ बड़ा करें जिसमें वह सफल रहे।

गंभीर ने ट्रॉफी जीतने पर खुशी जताते हुए आलोचकों को दिया करारा जवाब

मेरी जवाबदेही टीम के प्रति, द्रविड़ और लक्ष्मण के प्रति आभार जताया

एजेंसी, अहमदाबाद

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने टी20 विश्वकप जीतने के बाद खुशी जताते हुए कहा है कि उनका काम करने का तरीका अलग हैं, इसलिए वह कई लोगों को समझ में नहीं आता पर उनकी रणनीति स्पष्ट रहती है। साथ ही कहा कि उनकी उनकी जवाबदेही टीम और उन 30 लोगों के लिए है जिसके कारण वह कोच हैं। इसलिए बाहर या सोशल मीडिया पर क्या चल रहा है उससे उन्हें मतलब नहीं है। गंभीर ने कहा, 'मेरी जवाबदेही सोशल मीडिया पर लोगों के लिए नहीं है। मेरी जवाबदेही उन 30 लोगों के लिए है जो चेंज रूम में हैं।' गंभीर के कोच बनने के बाद से सही टीम ने तीन बड़ी ट्रॉफी जीती है हालांकि वह टेस्ट प्रारुप में अधिक सफल नहीं रही है। गंभीर ने कहा कि खिलाड़ियों ने मुझे वह कोच बनाया। साथ ही कहा कि वह ये ट्रॉफी पूर्व कोच राहुल द्रविड़ और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण को समर्पित करता हूं। साथ ही कहा कि द्रविड़ टीम को यहां तक लाये हैं जबकि लक्ष्मण ने सीओई में खिलाड़ियों को निखारा है। साथ ही कहा कि चयन समिति के प्रमुख अजीत अगरकर का भी में आभार जताता हूं। उन्होंने आलोचना झेलने के बाद भी ईमानदारी से काम किया है। साथ ही कहा कि बीसीसीआई के पूर्व

सचिव जय शाह ने भी सबसे खराब दौर में मुझसे बात की थी। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने जिस कुशलता से टीम को संभाला है उससे भी मेरा काम आसान हो गया। वह ऐसे कप्तान हैं जो सभी को साथ लेकर चलते हैं। उनका लक्ष्य ट्रॉफी जीतना रहा है निजी उपलब्धियों के पीछे वह नहीं जाते। . हम कई साल तक निजी उपलब्धियों से ही खुश हो गये जबकि हमारा ध्यान ट्रॉफी जीतने की खुशी मनाना रहना चाहिये। गंभीर के कार्यकाल में अब तब टीम ने दो-दो आईसीसी ट्रॉफी जीती हैं और ये उपलब्धि हासिल करने वाले वह एकमात्र कोच हैं। इसके अलावा भारतीय टीम ने एशिया कप भी जीता था। भारतीय टीम ने अब तीसरी बार टी20 विश्वकप जीता है। इस प्रकार वह अपनी धरती पर ये खिताब जीतने वाली पहली टीम है।

संक्षिप्त

यूकी भांबरी और आंद्रे गोरान्सन की जोड़ी इंडियन वेल्स मास्टर्स के प्री-क्वार्टर फाइनल में

इंडियन वेल्स। भारत के शीर्ष डबल्स खिलाड़ी यूकी भांबरी और उनके स्वीडिश जोड़ीदार आंद्रे गोरान्सन ने इंडियन वेल्स मास्टर्स में शानदार प्रदर्शन करते हुए प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। इंडो-स्वीडिश जोड़ी ने पहले दौर के मुकाबले में फ्रांस के फैब्रिस मार्टिन और नीदरलैंड्स के डेविड पेल की जोड़ी को सीधे सेटों में 6-1, 6-3 से हराया। अनसीडेड भांबरी और गोरान्सन की जोड़ी ने मुकाबले में शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा। उन्होंने पहले दौर के इस मुकाबले में विरोधी जोड़ी की सर्विस को पांच बार तोड़ा। 66 मिनट तक चले इस मुकाबले में भांबरी और गोरान्सन ने पांच ऐस लगाए, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी सिर्फ तीन ऐस ही लगा सके। वहीं पेल और मार्टिन ने मैच के दौरान छह डबल फॉल्ट भी किए, जिसका फायदा इंडो-स्वीडिश जोड़ी को मिला। प्री-क्वार्टर फाइनल में अब भांबरी और गोरान्सन का सामना नीदरलैंड्स के सैंडर एरेंड्स और चेक गणराज्य के जीरी लेहेका की जोड़ी से होगा। एरेंड्स और लेहेका की जोड़ी ने दूसरे वरीय ब्रिटिश खिलाड़ियों जूलियन कैश और लॉयड ग्लासपूल को हराकर बड़ा उलटफेर किया है।

टूर्नामेंट में एकमात्र भारतीय खिलाड़ी- विश्व रैंकिंग में 23वें स्थान पर काबिज यूकी भांबरी इस साल के पहले मास्टर्स सीरीज टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाले एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हैं।भांबरी का यह प्रदर्शन भारतीय टेनिस के लिए भी सकारात्मक संकेत माना जा रहा है और उनसे टूर्नामेंट में आगे भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है।

अब मुंह छिपाकर बयानबाजी नहीं कर सकेंगे खिलाड़ी : फीफा

एजेंसी, लंदन

अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल संघ (फीफा) का कहना है कि अब खिलाड़ी मुंह ढ़ककर किसी प्रकार की बयानबाजी नहीं कर सकेंगे। फीफा ने ये कदम हाल में एक फुटबॉलर विनीसियस जूनियर के खिलाफ हुई नस्लीय टिप्पणी के मामले को लेकर उठाया है। फीफा के अनुसार अब बचानबाजी करने वालों की पहचान आसान होगी। गौरतलब है कि फुटबॉल के मैदान में पिछले कुछ समय से अनुशासनहीनता की घटनाएं बढ़ गयी हैं। इसी को देखते हुए फीफा और अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल एसोसिएशन बोर्ड (आईएफएबी) ने अपनी सालाना आम बैठक में इस नियम को मंजूरी दी है। इसके तहत खिलाड़ी अब विरोधियों से बात करते समय अपना मुंह जर्सी सहित किसी से भी नहीं ढक सकेंगे। यह कदम नस्लवाद और बदसलूकी रोकने के लिए उठाया गया है। गौरतलब है कि कई अवसरों पर खिलाड़ी अपमानजनक या नस्लीय टिप्पणी करते समय कैमरों और रेफरी से बचने के लिए अपना मुंह ढक लेते थे, जिससे सही जांच करना कठिन हो जाता था। अब नए नियम से दोषियों की पहचान आसान हो जाएगी। हाल ही में चैंपियंस लीग प्लेऑफ के पहले चरण में हुए मुकाबले के दौरान जियानलुका प्रेस्टियानी ने विनीसियस जूनियर की ओर नस्लीय टिप्पणी करते हुए अपना मुंह जर्सी से ढक लिया था। इस घटना के बाद यूएफा ने प्रारंभिक जांच के दौरान प्रेस्टियानी पर एक मैच का अस्थायी प्रतिबंध लगाया था। इस मामले की जांच अभी चल रही है। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फैन्टिनो ने भी इस घटना के बाद माना था कि फुटबॉल में नस्लवाद एक गंभीर चुनौतियों में से एक है। इसके खिलाफ कई नीयम बनाये गये हैं पर इसपर नियंत्रण नहीं हो पाया है। फुटबॉल प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है मैदान पर किसी भी तरह की नस्लीय टिप्पणी या अपमानजनक व्यवहार स्वीकार नहीं है और और खिलाड़यों पर सख्त कार्रवाई होगी।

राष्ट्रीय ट्रायल के 50 मीटर 3पी राइफल में तिलोत्तमा सेन की लगातार तीसरी जीत

एजेंसी, नई दिल्ली

राष्ट्रीय चैंपियन तिलोत्तमा सेन ने शानदार फॉर्म जारी रखते हुए डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में चल रहे नेशनल सेलेक्शन ट्रायल्स (ग्रुप ए) में 50 मीटर राइफल 3 पोजीशंस के फाइनल में लगातार तीसरी जीत दर्ज की। नेशनल सेलेक्शन ट्रायल्स टी3 का समापन मंगलवार को 10 मीटर एयर पिस्टल महिला वर्ग की क्वालिफिकेशन और फाइनल के साथ होगा। उन्होंने इससे पहले जनवरी में हुए नेशनल सेलेक्शन ट्रायल्स टी1 और टी2 के फाइनल भी जीते थे और अब टी3 का फाइनल भी अपने नाम कर लिया। पुरुष वर्ग के फाइनल में किरण अंकुश जाधव ने शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि 10 मीटर एयर पिस्टल टी3 फाइनल में उधयवीर सिद्धू विजेता बने। तिलोत्तमा प्रोन सीरीज के बाद चौथे स्थान पर थीं, लेकिन उन्होंने

स्टैंडिंग सीरीज़ में शानदार वापसी करते हुए 357.0 के स्कोर के साथ पहला स्थान हासिल किया। निश्छल सिंह 356.6 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहीं, जो तिलोत्तमा से सिर्फ 0.4 अंक पीछे थीं। ओलंपियन अंजुम मौदगिल ने 345.8 के स्कोर के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। साक्षी सुनील पडेकर, मेहुली घोष, श्रियांका सदांगी, लज्जाकुमारी गॉस्वामी और नुपुर कुमरावत अन्य फाइनलिस्ट रहीं। पुरुषों के फाइनल में 10 मीटर एयर राइफल के राष्ट्रीय चैंपियन किरण अंकुश जाधव ने रोमांचक मुकाबले में शीर्ष स्थान हासिल किया। नेवी के इस शूटर ने 353.6 का स्कोर बनाया और नीरज कुमार (353.3) को महज 0.3 अंक से पीछे छोड़ दिया। गोल्डी गुर्जर 342.4 के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रहे। निशान बुधा (329.6), अखिल श्योरन (321.7), सिधार्थ गौर (311.0), अर्जुन बाबूता (297.5) और सूर्य प्रताप सिंह (296.4) शीर्ष आठ में शामिल रहे। 10 मीटर एयर पिस्टल पुरुष वर्ग में उधयवीर ने शुरुआत से ही शानदार निरंतरता बनाए रखी और 243.2 के स्कोर के साथ पहला स्थान हासिल किया। केदारलिंग उचगांवें, जिन्होंने क्वालिफिकेशन में शीर्ष स्थान हासिल किया था, 242.6 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि 50 मीटर पिस्टल के विश्व चैंपियन रविंदर सिंह 221.9 के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रहे। इससे पहले महिलाओं के 50 मीटर राइफल 3 पोजीशंस क्वालिफिकेशन में अंजुम मौदगिल ने 588 के स्कोर के साथ शीर्ष स्थान पर रहते हुए फाइनल के लिए क्वालिफाई किया। उनके बाद निश्छल और मेहुली ने 587-587 का स्कोर किया। लज्जाकुमारी (586), तिलोत्तमा (585), नुपुर (584), श्रियांका (584) और साक्षी (584) शीर्ष आठ में शामिल रहीं। पुरुष वर्ग में अखिल श्योरन ने 589 के स्कोर के साथ क्वालिफिकेशन में पहला स्थान हासिल किया। उनके बाद नीरज कुमार और किरण अंकुश जाधव ने 588-588 का स्कोर किया। सिधार्थ गौर (587), गोल्डी गुर्जर (586), अर्जुन बाबूता (585), निशान बुधा (584) और सूर्य प्रताप सिंह बंशतु (584) फाइनल के लिए क्वालिफाई करने वाले शीर्ष आठ शूटर रहे।

एएफसी महिला एशियन कप में चीनी ताइपे के खिलाफ 'फाइनल' के लिए तैयार भारत

एजेंसी, सिडनी

भारतीय सीनियर महिला फुटबॉल टीम एएफसी महिला एशियन कप ऑस्ट्रेलिया 2026 के ग्रुप-सी के अपने तीसरे और अंतिम मुकाबले में चीनी ताइपे से भिड़ने के लिए तैयार है। यह मैच 10 मार्च को सिडनी के वेस्टर्न सिडनी स्टेडियम में खेला जाएगा। मुकाबला भारतीय समयानुसार दोपहर 2:30 बजे शुरू होगा। भारत फिलहाल दो मैचों में शून्य अंक के साथ ग्रुप में चौथे स्थान पर है। टीम को वियतनाम के खिलाफ 1-2 और जापान के खिलाफ 0-11 से हार का सामना करना पड़ा। जापान दो मैचों में छह अंकों के साथ शीर्ष पर है, जबकि चीनी ताइपे और वियतनाम तीन-तीन अंकों के साथ क्रमशः

दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। हालांकि, ब्लू टाइग्रेस के पास अभी भी क्वार्टर-फाइनल में पहुंचने का मौका है। इसके लिए भारत को चीनी ताइपे को कम से कम दो गोल के अंतर से हराना होगा और साथ ही जापान को वियतनाम के खिलाफ मंगलवार को होने वाले मुकाबले में जीत दर्ज करनी होगी। एक गोल के अंतर से जीत भी भारत के लिए पर्याप्त हो सकती है, बशर्ते सोमवार को बांग्लादेश और उज्बेकिस्तान के बीच खेला गया मैच ड्रॉ पर खत्म हो। तीनों ग्रुप की शीर्ष दो टीमें और दो सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान की टीमें क्वार्टर-फाइनल में पहुंचेंगी। भारत की मुख्य कोच अमेलिया वालवर्डे ने पिछले दो मैचों के परिणामों को पीछे छोड़ने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि दोनों मैच (वियतनाम और जापान के खिलाफ) बिल्कुल अलग थे। सबसे पहली चीज हमें यह करनी है कि जो हो चुका है उसे जितनी जल्दी हो सके पीछे छोड़ दें। हमें इस मैच की अच्छी तैयारी करनी है और इसमें कोई संदेह नहीं है। वालवर्डे ने कहा कि हम इस मैच के महत्व को समझते हैं। हमने पिछले मैच को पीछे छोड़ दिया है और अब हमारे पास यह अवसर है, जिसे हमें पूरी गंभीरता के साथ लेना होगा। उन्होंने आगे कहा, "खिलाड़ी पूरी तरह फोकस्ड हैं और हम अपने मौकों को गोल में बदलने पर काम कर रहे हैं। हमें पता है कि यह हमारे लिए फाइनल जैसा मैच है। खिलाड़ी कई महीनों से अपने देश के लिए इतिहास रचने के लिए मेहनत कर रहे हैं। इसलिए हमें यह समझना होगा कि हमारे पास क्वालिफाई करने का स्पष्ट मौका है और हम इस चरण को अच्छे तरीके से खत्म करना चाहते हैं।" हालांकि भारतीय कोच चाहती हैं कि उनकी टीम अपने खेल की एक खास शैली के साथ मैदान में उतरे, लेकिन वह चीनी ताइपे के खतरे से भी अच्छी तरह वाकिफ हैं। उन्होंने कहा, "अगर हम पहले मैच के दूसरे हाफ जैसा प्रदर्शन दोहरा पाए, तो हम जीत के काफी करीब होंगे।

15 मार्च से होगी न्यूजीलैंड-दक्षिण अफ्रीका टी20 सीरीज

बेहतर प्रदर्शन के इरादे से उतरेंगी ली तहूहू

एजेंसी, ऑकलैंड

न्यूजीलैंड टीम 15 मार्च से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी। इसमें एकदिवसीय प्रारुप को अलविदा कहने वाली तेज गेंदबाज ली तहूहू का प्रयास बेहतर प्रदर्शन कर टी20 टीम में अपनी जगह पक्की करना रहेगा। तहूहू ने एकदिवसीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। वह हालांकि टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलती रहेंगी। तहुहू ने कहा कि उनका प्रयास टीम को टी20 विश्व कप 2026 में जीत दिलाना है। उन्होंने कहा कि साल 2024 में टी20 विश्व कप जीतना टीम के लिए बड़ी उपलब्धि थी और वह इंग्लैंड में होने वाले टूर्नामेंट में खिताब बचाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इस क्रिकेटर का कहना है कि अब अपना पूरा ध्यान टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट पर लगाएंगी। उन्होंने कहा कि टीम के लिए आगे भी रन बनाना उनके लिए उत्साहजनक होगा। साथ ही कहा कि आगे कई रोमांचक मौके हैं और मैं टी20 फॉर्मेट में टीम के लिए बेहतर प्रदर्शन करना

चाहती हूं। उनके पास दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में 5 विकेट लेकर 100 विकेट का रिकॉर्ड बनाने का अवसर है। ली ने कहा कि न्यूजीलैंड के लिए खेलना उनके लिए हमेशा सम्मान की बात रही है। उन्होंने कहा, टीम की की जर्सी पहनकर उतरना उनके लिए गर्व का क्षण होता है। इस क्रिकेटर ने कहा कि अपने देश और परिवार का प्रतिनिधित्व करते हुए 100 से ज्यादा मैच खेलना उनके लिए किसी सपने के सच होने की तरह है। उन्होंने साथ ही कहा, मैं खेल में बताये हर पल को हमेशा याद रखूंगी और इस प्रारुप में अपनी उपलब्धियों पर बेहद गर्व महसूस करती हूं।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, मंगलवार, 10 मार्च, 2026

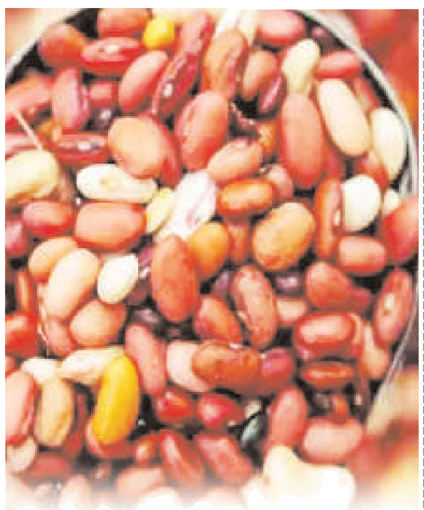

किचन में मौजूद ऐसी चीजें जिनकी नहीं होती कभी एक्सपायरी

बाजार से खाने-पीने की चीजें खरीदकर घर लाते ही सबसे पहले लोग उसे खराब होने से बचाने के लिए स्टोर करने का सही तरीका खोजते और अपनाते हैं। खाने-पीने की चीजें अक्सर जल्दी खराब हो जाती हैं, यही वजह है कि लोग उसे जल्दी खाकर खत्म कर देते हैं। पर क्या आप जानते हैं आपकी किचन में मौजूद खाने पीने की कई ऐसी चीजें हैं, जिन्हें उनके पोषण तत्वों के साथ लंबे समय तक स्टोर किया जा सकता है। आइए जानते हैं किचन में मौजूद ऐसी ही कुछ खाने की चीजों के बारे में जिनकी नहीं होती कभी एक्सपायरी।

ड्राई बीन्स

अध्ययन के अनुसार, बीन्स का सेवन व्यक्ति 30 साल बाद भी खाने के लिए कर सकता है। बीन्स आपातकालीन भोजन के लिए प्रोटीन से भरपूर भोजन का एक बेहतर विकल्प माना गया है। बीन्स को अच्छी तरह से एयर टाइट कंटेनर में लंबे समय तक स्टोर किया जा सकता है।

चीनी

लंबे समय तक स्टोर की जाने वाली चीजों में चीनी का भी नाम शामिल है। चीनी भी लंबे समय तक अपने पोषण से भरपूर गुणों को खोए बिना स्टोर की जा सकती है। इसके लिए आप चीनी को किसी एयरटाइट कंटेनर में बंद करके लंबे समय तक के लिए रखें।

नमक

नमक को भी चीनी की ही तरह लंबे समय के लिए अपनी गुणवत्ता खोए बिना स्टोर किया जा सकता है। नमक को ठीक से स्टोर करने से न तो इसमें कभी गुलठियां पड़ती हैं और न ही कभी इसमें कीड़े लगते हैं।

सरसों के दाने

अगर आप अच्छे ब्रांड के सरसों दाने इस्तेमाल करते हैं तो खुला रहने के बावजूद आप इन्हें एक वर्ष से अधिक समय तक भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

सफेद चावल

सफेद चावल को अनिश्चित काल तक स्टोर करके रखा जा सकता है। एक शोध की मानें तो सफेद चावल 30 वर्षों तक अपने पोषक तत्व और स्वाद को बनाए रख सकते हैं।

एडवेंचर पसंद लोग कर सकते हैं यह चार तरह की एयर एक्टिविटी

हर व्यक्ति का स्वभाव अलग होता है। कुछ लोगों को एडवेंचर करना काफी पसंद होता है और वह हमेशा ही कुछ मजेदार व साहसिक करने की फिराक में रहते हैं। ऐसे लोगों के लिए तरह-तरह के एयर स्पोर्ट्स करना एक अलग अनुभव हो सकता है। खासतौर पर, अगर आप पूरे सप्ताह काम करने के बाद वीकेंड पर खुद को एक बार फिर से रिचार्ज करना चाहती हैं और कुछ नया करने की इच्छा रखती हैं तो ऐसे में आपको इन एयर स्पोर्ट्स को एक बार जरूर आजमाना चाहिए।

एक क्लिप से कूदना, रस्सियों से लटकना और कुछ कैनवास की मदद से हवा में उड़ने का अपना एक अलग ही आनंद होता है। अगर आप अपने जीवन में कुछ अलग व यादगार करना चाहते हैं तो यह एयर स्पोर्ट्स यकीनन आपको निराश नहीं करेंगे। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी ही एयर स्पोर्ट्स एक्टिविटीज के बारे में बता रहे हैं, जो आपके सपनों व जीवन जीने के तरीके को एक पंख देंगे–

पैराग्लाइडिंग का उठाएं लुत्फ

अगर आप एयर स्पोर्ट्स के जरिए एक असीम सुकून व आनंद का अनुभव करना चाहती हैं तो ऐसे में पैराग्लाइडिंग को एक बार जरूर आजमाएं। भले ही आप एक बिगनर है, लेकिन फिर भी पैराग्लाइडिंग का आनंद लिया जा सकता है, क्योंकि इसमें आपको असिस्ट करने के लिए एक एक्सपर्ट साथ में होता है। भारत में, कई स्कूल और फ्लाइंग क्लब पैराग्लाइडिंग और अन्य एयरोस्पोर्ट पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं। यह एयर एक्टिविटी भारत में बेहद पॉपुलर है और वर्तमान में कई हॉलिडे डेस्टिनेशन में पैराग्लाइडिंग करने की सुविधा मौजूद है। आप हिमाचल प्रदेश, जम्मू, उत्तराखंड व महाराष्ट्र आदि जगहों पर पैराग्लाइडिंग का अनुभव कर सकते हैं।

विंगसूट फ़्लाइंग

विंगसूट फलाइंग एक खतरनाक एक्टिविटी है जिसमें विशेष रूप से डिजाइन किए गए जंपसूट के उपयोग की आवश्यकता होती है जिसे विंगसूट या बर्डमैन सूट के रूप में जाना जाता है। इस जंपसूट में दो आर्म विंग और एक लेग विंग होता है। विंगसूटर आगे की गति, दिशा और लिफ्ट को नियंत्रित करने के लिए अपने शरीर का उपयोग करता है। हालांकि, विंगसूट फ़्लाइंग करना हर किसी के लिए संभव नहीं हो सकता है और इसके लिए पर्याप्त प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है। फिलहाल भारत में विंगसूट फ़्लाइंग अभी उतनी पॉपुलर नहीं हुई है।

स्काई डाइविंग

अन्य एयर स्पोर्ट्स की तुलना में स्काई डाइविंग यकीनन अधिक रिस्की है। इसे पैराशूटिंग भी कहा जाता है, जिसमें हवाई जहाज से लोग कूदते हैं और जमीन से हजारों फीट की ऊंचाई पर एक अलग ही एडवेंचर का अनुभव होता है। यह एक ऐसा एयर स्पोर्ट्स है, जो पिछले कुछ वक्त में काफी पॉपुलर हुआ है। आप मैसूर, पुडुचेरी, हैदराबाद, अलीगढ़ जैसी जगहों पर स्काई डाइविंग का लुत्फ उठा सकती हैं।

करें हॉट एयर बैलून राइड

हॉट एयर बैलूनिंग सबसे एडवेंचर्स स्पोर्ट्स में से एक है जो आपको जमीन से कई फीट ऊंचाइयों तक ले जाकर आसपास के नजारों को एक नए तरीके से दिखाता है। हालांकि भारत में, एक एडवेंचर्स एक्टिविटी के रूप में हॉट एयर बैलूनिंग अभी भी अपनी प्रारंभिक अवस्था में है। लेकिन फिर भी रोमांच पसंद लोग इसका आनंद उठाना पसंद करते हैं। अगर आप भारत में रहकर हॉट एयर बैलून का मजा उठाना चाहते हैं तो आपको राजस्थान की यात्रा करनी चाहिए। खासतौर से, पुष्कर ऊंट उत्सव के दौरान हॉट एयर बैलूनिंग राजस्थान एक्टिविटी के मुख्य आकर्षणों में से एक है। राजस्थान, द रॉयल स्टेट ऑफ इंडिया भारत में हॉट एयर बैलूनिंग के लिए सबसे अच्छी जगहों में से एक है।

इन चीजों से अपने फॉर्मल लुक को बनाएं स्टाइलिश

कैजुअल और पार्टी वियर लुक में जान डालने के लिए तो हमारे पास कई विकल्प होते हैं, लेकिन जब बात आती है फॉर्मल लुक की तो समझ नहीं आता कि क्या पहनें!

जॉब करने वाली लड़कियों के पास एक्सपेरिमेंट करने के लिए बहुत कम स्कोप होता है। क्योंकि फॉर्मल के साथ अगर आप कुछ भी उल्टा सीधा पहनेंगी तो एक तो आपको ऑफिस में टोक दिया जाएगा और दूसरा आप हंसी का पात्र भी बन सकती हैं। इसी डर के कारण लड़कियां फॉर्मल लुक के साथ ज्यादा छेड़छाड़ नहीं करती हैं। लेकिन आपको यह बता दें कि अगर एक बार आपको स्टाइल की नॉलेज हो जाए तो आप अपने फॉर्मल लुक को भी कूल और स्टाइलिश बना सकती हैं। आज इस आर्टिकल में हम आपको कुछ ऐसी एक्सेसरीज के बारे में बता रहे हैं जिन्हें कैरी कर के आप अपनी बोरिंग सी ड्रेस में भी जान डाल सकती हैं।

क्राउन स्टाइल हेयरबैंड

हेयर एक्सेसरीज पहनकर भी आप अपने फॉर्मल लुक को सबसे अलग दिखा सकती हैं। सबसे अच्छी बात यह है कि इसके लिए आपको कोई टोकेगा भी नहीं। हेयर एक्सेसरीज में आजकल क्राउन स्टाइल हेयरबैंड ट्रेंड में है, जैसे कि सेलिब्रिटी फैशन डिजाइनर विभु महापात्र का लेटेस्ट कलेक्शन। इस तरह के हेयरबैंड आपको किसी भी मार्किट में मिल जाएंगे।

रिस्ट वॉच

अगर आपको यह लग रहा है कि अब रिस्ट वॉच फैशन में नहीं है तो हम आपको यह क्यों सजेस्ट कर रहे हैं! तो बता दें कि फॉर्मल ड्रेस के साथ रिस्ट वॉच हमेशा से फैशन का हिस्सा रही है। अगर आप फिल्मों में किसी एक्ट्रेस को फॉर्मल लुक में दिखेंगी तो वह भी रिस्ट वॉच ही कैरी करती हैं। इसलिए अगर आप भी अपने फॉर्मल लुक को बोल्ड और स्टाइलिश बनाना चाहती हैं तो रिस्ट वॉच पहनें।

फुटवियर और हैंडबैग

फुटवियर और हैंडबैग ऐसी चीजें हैं जिन्हें फॉर्मल लुक के साथ बहुत सोच समझकर चुनना चाहिए। अगर फुटवियर की बात करें तो आप अपने लुक को अट्रैक्टिव बनाने के लिए हील्स वाली सैंडल पहन सकती हैं। लेकिन ध्यान रहे हमेशा कम्फरटेबल हील्स ही पहनें। वहीं, आजकल लॉन्ग बैग फैशन में हैं, आप इन्हें भी पहन सकती हैं।

नेकपीस

अपने ऑफिस लुक को क्लासी और स्टाइलिश बनाने के लिए आप फॉर्मल के साथ नेकपीस कैरी कर सकती हैं। आजकल मिनिमल जूलरी ट्रेंड में हैं, ये ऑफिस के लिए एकदम बेस्ट हैं। ये शर्ट और ड्रेस हर किसी के साथ जचते हैं। आप गोल्ड या प्लेटिनम वाली छोटे पैंडल की नेकपीस भी पहन सकती हैं।

सनग्लासेज

सनग्लासेज भी आपके फॉर्मल लुक में चार चांद लगाते हैं इसलिए इन्हें भी आप अपने फेस के अनुसार सही शेप और कलर में कैरी कर सकती हैं। साथ ही आजकल फैंसी स्टाइल में नजर के चश्मे भी आ रहे हैं। आप ऑफिस में पूरे टाइम इन्हें पहनकर भी खूबसूरत दिख सकती हैं। कहने का मतलब यह है कि सनग्लासेज कैरी कर के भी आप अपने फॉर्मल लुक में जान डाल सकती हैं।

गर्मियों के लिए बेस्ट रहेंगी ऑर्गेंजा साड़ी

साड़ी को स्टाइलिश लुक देने के लिए आप बॉडी के अनुसार ही इसकी ड्रेपिंग करें। इसके लिए आप लेटेस्ट फैशन ट्रेंड को फॉलो करें।

साड़ी पहनना हम सभी को पसंद होता है। मार्केट में आपको आजकल साड़ी में रेडीमेड डिजाइन भी देखने को मिल जाएंगे। वहीं गर्मी के मौसम में पतले और स्किन फ्रेंडली फैब्रिक की साड़ियां पहनना सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है। आजकल की बात करें तो सिल्क में ऑर्गेंजा साड़ी को काफी ज्यादा पसंद किया जा रहा है। तो आइये देखते हैं ऑर्गेंजा साड़ी के कुछ खास डिजाइंस और बताएंगे इन्हें स्टाइल करने के कुछ आसान टिप्स।

लेस डिजाइन साड़ी

लेस डिजाइन में साड़ी के काफी सारे डिजाइन आपको देखने को मिल जाएंगे। गोटा–पट्टी इसमें सबसे ज्यादा चलन में रहती है। इस तरह के साड़ी डिजाइन आपको मार्केट में 2,500 रुपये तक में आसानी से मिल जाएंगे। लुक के साथ में आप पेटीकोट की जगह शेप वियर को पहन सकती हैं।

फ्लोरल डिजाइन साड़ी

ऑर्गेंजा में आपको फ्लोरल वर्क में काफी खूबसूरत और कलरफुल डिजाइन देखने को मिल जाएंगे। इस तरह की साड़ी आपको मार्केट में लगभग 2,000 रुपये तक में आसानी से मिल जाएगी। इस लुक के साथ में आप मैचिंग कलर का स्लीवलेस ब्लाउज सिलवाकर पहन सकती हैं।

हैवी बॉर्डर वर्क साड़ी

किसी फंक्शन में जाने के लिए साड़ी ढूंढ रही हैं तो इस तरह के हैवी बॉर्डर वर्क वाली साड़ी खरीद सकती हैं। हैवी वर्क में आपको फैंसी डिजाइन में काफी सारे साड़ी के ऑप्शन देखने को मिल जाएंगे। इस तरीके की खूबसूरत साड़ी आपको मार्केट में लगभग 4,000 रुपये तक में आसानी से मिल जाएगी।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

मैंने मेहनत से अपने पापा का सपना पूरा किया

फिल्मी दुनिया में अक्सर हम कलाकारों की शानदार लाइफस्टाइल से आकर्षित होते रहते हैं। लेकिन इस शोहरत के पीछे उनकी मेहनत और संघर्ष होता है। इस कड़ी में अभिनेत्री अनीत पड्डा ने अपनी सफलता का श्रेय अपने पिता को दिया। दरअसल, उन्होंने जी सिने अवॉर्ड्स 2026 में दो बड़े अवॉर्ड्स जीते, जिसे उन्होंने अपने पिता को समर्पित किया। अनीत पड्डा ने जी सिने अवॉर्ड्स 2026 में बेस्ट डेब्यू फीमेल का अवॉर्ड जीता। इसके साथ ही उन्हें व्यूअर्स चॉइस बेस्ट एक्ट्रेस का सम्मान भी मिला। स्टेज पर अवॉर्ड लेने पहुंची अनीत ने अपनी स्पीच में सबसे पहले अपने पिता का जिक्र किया और कहा, ''मैं इस जीत का श्रेय अपने पापा को देती हूं। यह पल मेरे जिंदगी के सबसे इमोशनल पलों में से एक है। मैंने मेहनत से अपने पापा का सपना पूरा किया है। मेरे पापा भी एक्टर बनना चाहते थे, लेकिन किसी वजह से उनका यह सपना पूरा नहीं हो सका, लेकिन अब उनकी बेटी ने उनका यह सपना पूरा किया है। मैंने अपने पापा के इस सपने को जिया है।'' अनीत ने पंजाबी भाषा में अपने पापा से कहा, ''अब आपका सपना आपकी बेटी के जरिए पूरा हो गया है। जब आप कहते थे कि मैं अपना सपना तुम्हारे जरिए जी रहा हूं, तो मुझे एहसास होता था कि मैं सिर्फ अपने लिए नहीं, बल्कि अपने पापा के सपने को भी साकार कर रही हूं।''

स्पीच में अनीत पड्डा ने आगे कहा, ''मैं अपनी जिंदगी में कभी इतनी खुश नहीं हुई हूं। पापा, मैं आपसे बहुत प्यार करती हूं और आपकी वजह से ही आज इस मुकाम पर हूं।'' उन्होंने आगे फिल्मों को लेकर कहा, ''जब लोग फिल्मों और शोज में किसी कलाकार के अभिनय पर तालियां बजाते हैं, तो वह तालियां सिर्फ उस अभिनेता के लिए नहीं होतीं। असल में यह तालियां उस कहानी के लिए होती हैं जो स्क्रीन पर दिखाई जा रही होती है, और वह कहानी लोगों की जिंदगी और उनके अनुभवों से जुड़ी होती है। मुझे गर्व है कि मैं इन कहानियों और किरदारों का हिस्सा बनकर दर्शकों तक भावनाएं पहुंचा पा रही हूं।''

जर्नलिज्म छोड़ अभिनय में बनाई पहचान, साउथ ही नहीं बॉलीवुड में भी श्रद्धा दास ने छोड़ी छाप

फिल्म इंडस्ट्री में कई कलाकार ऐसे हैं, जिन्होंने अलग-अलग क्षेत्रों से आकर अभिनय की दुनिया में नाम कमाया है। ऐसी ही एक प्रतिभाशाली अभिनेत्री हैं श्रद्धा दास, जिन्होंने पत्रकारिता की डिग्री हासिल की, लेकिन किस्मत उन्हें एक्टिंग की ओर ले आई। आज वह साउथ सिनेमा का जाना-माना चेहरा हैं और बॉलीवुड में भी अपनी खास पहचान बना चुकी हैं। 4 मार्च 1987 को मुंबई के एक बंगाली परिवार में जन्मीं श्रद्धा ने मुंबई विश्वविद्यालय से बैचलर ऑफ मास मीडिया (जर्नलिज्म) की डिग्री हासिल की। कॉलेज के दिनों में ही उन्हें अभिनय का शौक हो गया। उन्होंने नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा के कलाकारों जैसे पीयूष मिश्रा और चितरंजन गिरी जैसे एक्टर्स के साथ थिएटर वर्कशॉप की, थिएटर में अच्छी ट्रेनिंग ली और फिर एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा। श्रद्धा ने साल 2008 में तेलुगू फिल्म 'सिद्धु फ्रॉम सिकाकुलम' से अभिनय की शुरुआत की, जिसमें वह अभिनेता नरेश के साथ नजर आईं। यह उनका साउथ डेब्यू था। तेलुगू के बाद उन्होंने तमिल, कन्नड़, मलयालम, बंगाली और हिंदी फिल्मों में भी काम किया। साउथ में वह 'आर्या 2', 'डार्लिंग', 'नागावल्ली', और 'गुंटूर टॉकीज' जैसी फिल्मों का हिस्सा रही हैं। वहीं, कई फिल्मों में उन्हें 'सीक्वल क्वीन' का टैग भी मिला, क्योंकि वह कई सीक्वल में नजर आईं। श्रद्धा ने अपनी बहुमुखी प्रतिभा से साउथ और बॉलीवुड दोनों में मजबूत जगह बनाई। मॉडलिंग से शुरुआत करने वाली श्रद्धा ने एक्टिंग ट्रेनिंग पर खास ध्यान दिया। वह चुलबुली, तेज और रोमांटिक रोल्स में बखूबी जंचती हैं। श्रद्धा के बॉलीवुड में काम की बात करें तो उन्होंने डेब्यू साल 2010 में फिल्म 'लाहौर' से किया, जिसमें उन्होंने इदा का किरदार निभाया था। इसके बाद 'दिल तो बच्चा है जी', 'लकी कबूतर', 'सनम तेरी कसम', 'ग्रेट ग्रैंड मस्ती' जैसी फिल्मों में काम किया।

'सनम तेरी कसम' में उनका किरदार दर्शकों को खासा पसंद आया। फिल्म में उनके किरदार का नाम रूबी रहता है। बॉलीवुड में वह सपोर्टिंग रोल्स में ज्यादा नजर आईं, लेकिन अपनी खूबसूरती, तेज-तर्रार अंदाज और रोमांटिक भूमिकाओं से दर्शकों के बीच प्रभाव छोड़ा। श्रद्धा दास अब तक 50 से ज्यादा फिल्मों में काम कर चुकी हैं, जो अलग-अलग भाषाओं में हैं। बेहतरीन एक्टिंग के साथ ही श्रद्धा एक शानदार डांसर भी हैं, जो उनके परफॉर्मेंस को और आकर्षक बनाता है। फिल्मों के अलावा वह वेब सीरीज और टीवी शोज में भी काम कर चुकी हैं।

'जेलर 2' में होगा शाहरुख का कैमियो

पहले भी शाहरुख खान की फिल्म 'रा.वन' में रजनीकांत के मशहूर किरदार चिट्टी का कैमियो दिखाया गया था, लेकिन बाद में अभिनेता सुरेश मेनन ने बताया था कि उस सीन में खुद रजनीकांत मौजूद नहीं थे। वहीं रोहित शेट्टी की फिल्म 'चेन्नई एक्सप्रेस' के गाने लुंगी डांस में भी रजनीकांत को ट्रिब्यूट दिया गया था। लेकिन अब खबरें आ रही हैं कि जेलर 2 में दोनों साथ में नजर आ सकते हैं। खबरें है कि निर्देशक नेल्सन दिलीपकुमार की फिल्म 'जेलर 2' में दोनों स्टार्स एक साथ दिखाई देंगे। यह जानकारी अभिनेता मोहनलाल के स्टाइलिस्ट जिहाद शमसुद्दीन के इंस्टाग्राम स्टोरी से सामने आई, जिसके बाद फैंस के बीच एक्साइटमेंट और चर्चा तेज हो गई है। हालांकि फिल्म के मेकर्स की ओर से अभी तक आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। लेकिन फैंस के बीच इस खबर की वजह से एक्साइटमेंट बढ़ गई है।

क्यों हुई चर्चाएं तेज

दरअसल, जिशाद ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक एआई से बनी तस्वीर शेयर की, जिसमें ग्रे-हेयर लुक में शाहरुख खान कार चलाते नजर आ रहे हैं, उनके साथ आगे की सीट पर मोहनलाल बैठे हैं, जबकि पीछे की सीट पर रजनीकांत और शिव राजकुमार दिखाई दे रहे हैं। तस्वीर के कैप्शन में लिखा था कि फैंस 'जेलर 2' में ऐसा फ्रेम देखने का इंतजार कर रहे हैं। इस पोस्ट को री-शेयर करते हुए जिशाद ने लिखा, 'कंदिप्पा इरुक्कुम यानी (पक्का होगा)', जिससे यह अंदाजा लगाया जा रहा है कि फिल्म में इन सभी स्टार्स का एक साथ सीन हो सकता है।

पहली बार साथ दिखाई दे सकते हैं दोनों स्टार्स

बता दें कि मोहनलाल ने 2023 की हिट फिल्म जेलर में रजनीकांत के किरदार मुथुवेल पांडियन आईपीएस (टाइगर) के दोस्त मैथ्यू के रूप में कैमियो किया था और वह सीक्वल में भी वापसी करेंगे।

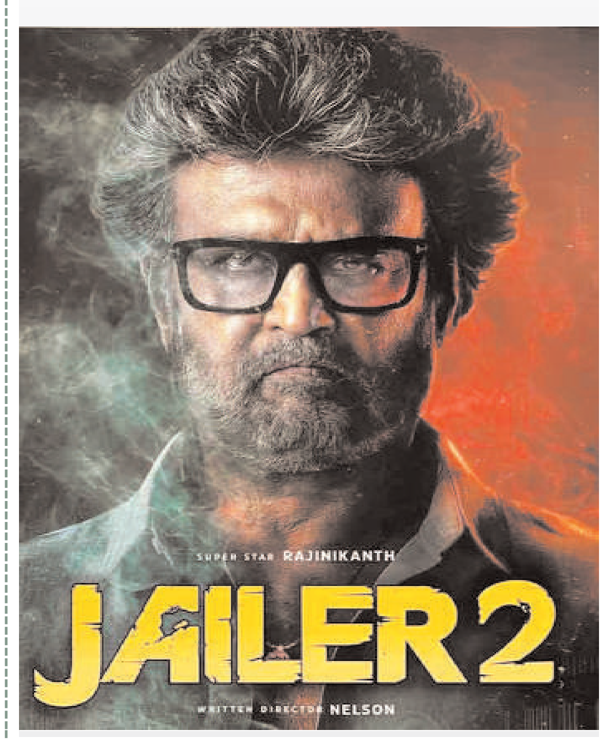

सिद्धांत चतुर्वेदी, निर्देशक अभिषेक चौबे के साथ मिलकर बनाएंगे बलिया पर फिल्म

छोटे शहर बलिया से निकलकर मेनस्ट्रीम हिंदी सिनेमा तक अपनी पहुंच बनानेवाले सिद्धांत चतुर्वेदी अब अपनी ज़िंदगी के अनुभवों को परदे पर लाने की तैयारी में जुटे हैं। हाल ही में सिद्धांत चतुर्वेदी ने खुद ये बात कही कि वे अपने डियर फ्रेंड और निर्देशक अभिषेक चौबे के साथ मिलकर अपने होम टाऊन बलिया को केंद्र में रखकर एक फिल्म बनाने की तैयारी कर रहे हैं। गौरतलब है कि 'गली बॉय' से अपने करियर की शुरुआत करने वाले सिद्धांत चतुर्वेदी ने 'गहराइयाँ', 'खो गए हम कहाँ' और 'धड़क 2' जैसी फ़िल्में की और हमेशा लेयर्ड और हटकर किरदार चुने। यही वजह है कि अपनी हर फिल्म में अपने हर परफॉर्मेंस के लिए सिद्धांत ने अपने दर्शकों की सराहना बटोरी। फिलहाल अब वह अपने करियर के एक ऐसे मोड़ पर हैं, जहां वे चाहते हैं कि कहानी सीधे उनके जीवन और यादों से निकलकर सामने आए। इस बारे में खुलकर बात करते हुए सिद्धांत ने कहा, 'अभी तक ये ऑफिशियल नहीं है, लेकिन मुझे लगता है ये वही स्टेज है जहां मैं बोल देना चाहता हूं। मैं अपनी रूट्स (जड़ों) पर वापस जाना चाहता हूं। मुझे बलिया की कहानी कहनी है। वहां की जिंदगी मैंने देखी है, और मैं वही एक्सपीरियंस स्क्रीन पर लाना चाहता हूं।' उन्होंने इस फिल्म में निर्देशक अभिषेक चौबे के साथ अपने सहयोग को लेकर भी उत्साह ज़ाहिर करते हुए कहा, 'अभिषेक चौबे के साथ हम एक बलिया-बेस्ड स्टोरी पर काम कर रहे हैं। ये वाकई बहुत ही कमाल की कहानी है। इस पर काफी चर्चा चल रही है और मुझे लगता है कि बहुत जल्द ये सबके सामने आएगी।'

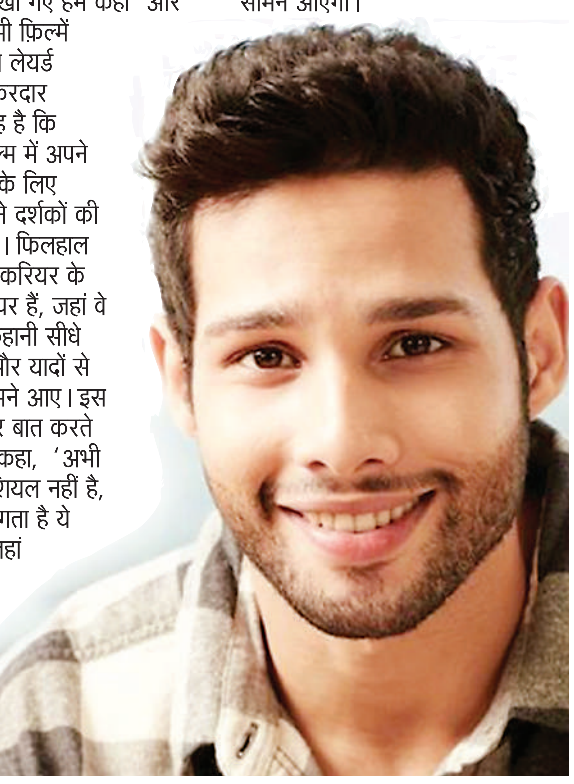

केन्या में कैसी रही वाराणसी की शूटिंग

प्रियंका ने दी जानकारी

प्रियंका चोपड़ा जल्द ही इंडियन सिनेमा में फिल्म 'वाराणसी' से वापसी कर रही हैं। यह बड़े पैमाने पर बन रही है। अभी इस फिल्म पर काम चल रहा है। ऐसे में प्रियंका चोपड़ा ने बताया है कि केन्या में फिल्म की शूटिंग का अनुभव कैसा रहा है।

केन्या में कैसी रही शूटिंग?

प्रियंका चोपड़ा ने बताया कि केन्या में शूटिंग बहुत अच्छी रही। उन्होंने कहा 'मैं वाराणसी के लिए अफ्रीका के केन्या में शूटिंग कर रही थी। हम जंगली जानवरों के साथ शूटिंग कर रहे थे। उसी दौरान मैं और मेरे को-एक्टर महेश बाबू इन जंगली जानवरों के बीच में थे जो माइग्रेट करते समय हमारे चारों ओर थे। मुझे यह दृश्य बहुत अच्छा लग रहा था। जब आप जंगल में इन जानवरों को देखते हैं तो आपको अच्छा लगता है।' इससे पहले, महेश बाबू ने भी बातचीत में इसी शूटिंग के बारे में बात की थी। एक्टर ने माना कि पहले तो चीजें डरावनी लगीं। जंगली जानवरों से घिरे होने की वजह से शूटिंग का पहला दिन काफी टेंशन भरा था।

शैतान वाले रोल ने मेरे शरीर को पूरा निचोड़ लिया

गुजराती सिनेमा का जाना-पहचाना चेहरा बन चुकीं ऐक्ट्रेस जानकी बोड़ीवाला अब बॉलिवुड में भी अपने कदम मजबूत कर रही हैं। गुजराती फिल्म वश में जबरदस्त अभिनय के लिए नैशनल अवॉर्ड जीतने वाली जानकी अजय देवगन-आर माधवन स्टारर शैतान के बाद हाल ही में रानी मुखर्जी की फिल्म मर्दानी 3 में भी अहम रोल में नजर आईं।

डॉक्टर बनते-बनते ऐक्टर कैसे बन गई

मेरे पापा को फिल्मों का बहुत क्रेज है तो मैंने भी बचपन से ही खूब बॉलिवुड फिल्में देखी हैं। हमारे घर पर एक मिनी थिएटर था, जो अभी भी है। हमारे घर पर हर शुक्रवार को फिल्मों की स्क्रीनिंग होती थी। जब मैं बोर होती थी तो भी कोई ना कोई डीवीडी चला लेती थी तो जाने-अनजाने में सिनेमा के साथ मेरा रिश्ता बचपन से था। ऐक्टिंग की शुरुआत भी पापा के कहने से ही हुई। मैं डेंटिस्ट की फर्स्ट ईयर की पढ़ाई कर रही थी। ब्रेक चल रहा था। पापा ने बोला कि उनके कोई दोस्त फिल्म बना रहे हैं, तुम ऑडिशन देने जाओगी?

वश और फिर उसकी हिंदी रीमेक शैतान में आपकी भूमिका बहुत ही डिमांडिंग है। उसे निभाना कितना चुनौतीपूर्ण रहा?

मुश्किल तो निश्चित तौर पर था। मुझे एक ही किरदार दूसरी बार निभाना था। पहली बार तो मुझे भी अहसास नहीं था कि फिल्म कैसी बन रही है। मुझे याद है कि जब हम शूट कर रहे थे तो एक बार 10-15 दिन का ब्रेक मिला था और मैं काफी अपसेट थी कि यार, सब अच्छा जा रहा है, मेरा लिंक टूट जाएगा लेकिन दूसरे-तीसरे दिन मुझे बॉडी में बहुत थकान महसूस हुई।

'मर्दानी 3' की दुनिया भी काफी स्याह है। गर्ल चाइल्ड ट्रैफिकिंग जैसी घटनाओं के बारे में पढ़कर-सुनकर क्या प्रतिक्रिया होती है?

गुस्सा आता है, डर लगता है। जब भी हम ऐसा कुछ पढ़ते या सुनते हैं, रूह कांप जाती है क्योंकि कई बार लड़कियों संग बहुत ही भयावह घटनाएं होती हैं। इसलिए, जरूरी है कि हम स्ट्रॉन्ग रहें। मर्दानी उदाहरण है कि आज के दौर में औरत कैसी होनी चाहिए। मुझे लगता है कि आज की पीढ़ी की लड़कियां बहुत स्ट्रॉन्ग हैं। वे ऐसी कोई सिचुएशन आई तो अपने लिए खड़ी रहेंगी।

वैसे आज की पीढ़ी यानी जेन जी के लिए ऐसा भी कहा जाता है कि वे अपने काम/जॉब आदि के लोग गंभीर नहीं हैं। आपकी इस पर क्या राय है?

दरअसल, जेन जी से पहले की जो पीढ़ी है, वो इतनी सीरियस रह चुकी है कि उनको लगता है कि जेन जी सीरियस नहीं है। लेकिन यह वो पीढ़ी है, जो अपनी जिंदगी खुशी-खुशी जी रही है, जैसा कि आपको जीना चाहिए। जेन जी युद्ध या झगड़ों में नहीं मानते।

रानी से पहली मुलाकात कैसी रही?

जब नैशनल अवॉर्ड अनाउंस हुआ था तो हम आधी फिल्म शूट कर चुके थे। उसके बाद जब हम सेट पर मिले तो एक छोटा सा जश्न भी मनाया। एक-दूसरे को बधाई दी। यह बहुत ही बड़ी बात थी हम दोनों एक ही फिल्म कर रहे थे और हम दोनों को एक ही साल में नैशनल अवॉर्ड मिला। यह बहुत ही खास पल था। इसके बाद उन्होंने मेरी फिल्म वश देखी, जो उन्हें बहुत पसंद आई। वैसे, हमारी पहली मुलाकात तो रीडिंग के दौरान ही हो गई थी। असल जिंदगी में भी वह मुझे अपने किरदार शिवानी जैसी ही लगीं। प्रेरणादायी, उत्साही, मजबूत, उनसे मिलकर एक प्रेरणा मिली। फिर उनके साथ पहली बार स्क्रीन शेयर करके बहुत मजा आया था। मैंने बचपन से उन्हें अलग-अलग करैक्टर निभाते हुए देखा था तो उनके साथ काम करना यादगार रहा।